

प्राधिकार से प्रकाशित १७१८।ऽमहो ४४ ४७७२५०४। ४४

सं० 21]

नई बिल्ली, शनिवार, मई 22, 1982 (ज्येष्ठ 1, 1904)

No. 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 22, 1982 (JYAISTHA 1, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग І॥-- खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक मेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ए. 32013/1/82-प्रशा.-2—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतव्द्वारा आयोग के कार्यालय में स्थायी अन्संधान सहारक (हिन्दी) तथा प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न कानिष्ठ अन्संधान अधिकारी (हिन्दी) श्रीमती सुधा भागव को 8-4-82 से 7-10-82 तक छह मास की अविधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ आधार पर रा. 1100-50-1600 के वेतनमान में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

- 2. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति के दौरान श्रीमती सुधा भागद का बेतर समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का. जा. सं. एष्ट. 1(11)-ही. ।।।(स)/75 विनांक 7-11-75 के अनुसंधी की शती के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
- 3. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर श्रीमती सुधा भार्गव की नियुद्धित पूर्णत: तदर्थ और अस्थाई आधार पर हैं और इससे उन्हें उक्त ग्रेड में दिरष्ठता अथवा संविलयन का कोई हक प्राप्त नहीं होगा।

पी. एस. राणा अनुभाग अधिकारी **डूत**े: अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग (67 गृह मंत्रालय

महानिद्देशालय, केन्द्रीय रिजर्व पलिस बल

रइं दिल्ली-110022, दिनांक अप्रैस 1982

सं. डी-एक-13/81-स्थापना-। — श्री एस. मरलीधरन, उप. पृलिस अधीक्षक, ग्रुप संस्टर, कें. रि. पृ. बल, नर्ह विल्ली की संवाएं विनांक 12-4-1982 (अपराहन) से भारत हैंवी इलेक्ट्री-काल्स लिमिटेड को उनकी प्रतिनिधुक्ति पर सौंपी जाती हैं।

ए. के. सूरी सहायक निद्याक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनंक 4 मई 1982

मं. 11/11/80-प्रशा -।—-राष्ट्रपति, एष्टिनम वंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदंशालय में उप निदंशक जनगणना कार्य के पद पर प्रतिनिय्धित के आधार पर कार्यरत, पष्टिनम बंगाल गिविल मेदा के अधिकारियों मर्बश्री ए. के. वास और बी. एन. चक्रकती को तारीख 3। मार्च, 1982 के अपराहन में प्रिचम बंगाल सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं इसके परि-णामस्वरूप मर्दश्री वास और चक्रवती की मेवाए उक्त तारीख से पष्टिनम बंगाल रणकार के सुपूर्व की जाती हैं।

संव 11/31/80-प्रणा०-ा----राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेण सिविल् सेवा के अधिकारी और इस समय आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्यालय निदेशका के कार्यालय में उप निदेशका जनगणना कार्यके एवं पर सार्यारण निम्मालिखन अधिकारियों को उसके सामने दिशान नारीख से आंध्र प्रदेश, सरकार को प्रस्थावितित कारते ही। प्रस्थावर्तन के परिणामस्त्रुक्ष, उसके नामों के सामने दिशान तारीख से उनकी सेवाएं आंध्र प्रदेश सरवार की सुपूर्व की जाती है।

श्री यादगीर रेड्डी 1-3-1982 (पूर्वाह्म)
 श्री जी० श्रीनिवासन राव 27-3-82 (पूर्वाह्म)
 श्री पी० बी० गोपाल राव 31-3-82 (प्रपराह्म)

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

# दित्तं मंत्रालयः आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभृति मृद्रणालय

नासिक रांड, दिनांक 16 अप्रैल 1982

सं. 181 ए——अद्योहस्ताक्षणी ब्वारा श्री जी नारायणसामी, जप नियंत्रण अधिकाणी, भारत प्रतिभूति मृद्रणालय, नासिकराडे को दिनांक 15 अप्रैल 1982 के पावाहन से तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए अध्या नियमित आधार पर यह पद भरो जाने तक इनमो जो भी पहले हों, 840-40-1000-द रो --40-1200 के वेतर मान मो प्रतिनिय्वित पर प्रशासन अधिकारी, भारत प्रतिभृति मृद्रणलय के रूप मो सहर्ष निय्वित प्रदार की जाती है।

पी. एस. शिवराम महाप्रबंधक

# बैंक नांट मुद्रणालय

# दोवास, दिसांक 27 अप्रैल 1982

सं. बीएनपी/सी/5 72—नस्ती क्रमांक बी एन पी/5/82, श्री बी. पी. भल्ला, स्थायी नियंत्रण निरीक्षदा को स्थानापत्न रूप से उप-नियंत्रण अधिकारी के एवं पर रुपये 650-30-740-35-810-वं. रो.-35-880-40-1000-वं. रो.-40-1200 (समूह ''ल'' राज पित्रत) के बेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, दवाम (म. प्र.) मो दिनांक 21-4-1982 (पूर्वाह्मन) से आगामी भादोशों तक नियुक्त किया जाता है।

म्. वै. चार महाप्रबंधक

# महालेखाकार का कार्यालय,

करेल

# विरुव्यसन्तप्रमा, दिनांक 3 अप्रैल 1982

सं. स्थापना/हकवारी/6 10+3−-कार्यालय महालेखाकार, कोरल को लेखा अधिकारी श्री को. बी. संदास्टिन अधिकारी को कारण 31 मार्च 1982 को संदा निवृत्त हो गये।

> ह. अपठनीय महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई, दिनाक 26 श्रप्रैल 1982

मं० ऋष्प्रणासन-1/मास्य/31-खण्ड-3/सरे-1(1)/1--- महानेखाकार महानाष्ट्र-1,---बम्बर्ट, श्रश्नीतस्य लेखा सेवा के निम्त-लिखित सदस्यों को उनके नाम के सत्मुख निर्दिष्ठ विधे गर्भ दिनाक से श्रागामी श्रादेण तक स्थानापत्न हुए से लेखा अधिकारी/लेखापरीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋमांकः	नाम'	दिनांक			
1. श्रीजे०एव 2. श्रीके०एव		21-4-1982 (पूर्वाह्म) 14-4-1982 (पूर्वाह्म)			
2. श्री के०ए	न० मेश्राम	14-4-1982 (पूर्वाह्न)			

स० र० सपरा, वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रणासन

# कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदश्च ग्वालियर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

मं. ऋमांक-प्रशासन-।/प्रो. ले. अ./28—महालेखाकार, मध्यप्रदोश ने श्री आर. आर. रामेकार (02/279) स्थाई अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी पद पर वेसनमान 840-40-1000 ई. वी.-40-1200 में दिनांक 17-4-82 पूर्वाहन से पदोन्नत किया है।

भूव**चरण** साह् वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

## रक्षालेखाविभाग

रक्षा लेखा महानियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिलांक 30 अप्रैल 1982

सं. प्रशाX । । । 1/13500(27)/5/81---रक्षा नियंत्रक (अन्य रीक) दक्षिण मद्रास के संगठन के अधीन, रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, प्रभारी, वेतन लेखा कार्यालय (अन्य रौक) बंब्यत यांत्रिक इ जीनियर, सिकन्दराबाद के कार्यालय में सेवारत, श्री एस. बी. सत्यनारायणन, स्थायी अन्भाग अधिकारी (ले.) ले. सं. 8292712 छट्टी की उचित मंजूरी के बिना विनांक 11-11-80 सं इयूटी सं अनुपस्थित रहे। उनके ज्ञात पते पर प्रेषित ज्ञापन, अवितरित वापिस प्राप्त हुए। उनके ज्ञात पते। एर प्रेंणित बड़े दड़ का आरोप पत्र भी डाक प्राधिकारियों द्वारा इन अभृक्तियों ''पान वाला नहीं मिला'' व्हें साथ अवितरित वाएस प्राप्त हुआ। अतः जांच हत् आदोश दिए गए। श्री एसः वी. सत्यनारायण, ''जांच अधिकारी'' के समक्ष भी उपस्थित नहीं हुए, अतः जांच एक पक्षीय की गर्दा। अतः अन्धासनिक प्राधि-कारी ने उन्हें एक जनवरी उन्नीस सौ बयासी से सेवा से निकाल दोने का निर्णय लिया अन्शासनिक प्राधिकारी का, सेवा से निकाल दोने के निर्णय को व्यक्त किएने दाला आदोश अं उनके ज्ञात पते पर भेजा गया था, इन अभ्युक्तियों ''इनकार कर दिया'' के साथ अवितरित बारिस लौटा दिया गया।

> एस. एच. सुबूमणयन **कते** रक्षा लेखा महानियंत्रक

# नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 ग्रप्रैल 1982

संव प्रशाव | 1/1172 | 1/1 (पीवसीव) --- राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्निलिखित ग्रिधिसारियों को उक्त सेवा के विरुष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 2500-125/2-2750) के स्तर-I में स्थान।पत्न रूप में कार्य करने होतु छः माह की श्रवधि ग्रथवा नियमित प्रबन्ध हो जाने तक के लिए इसमें जो भी पहले हो, उनके नाम के समक्ष लिखी तारीखों से, तदर्थ ग्राधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

क्रम सं० न	नाम	तारी	ख
1. श्री वेंकट सुन्ना	मिनियम	26-2-82	(श्रपराह्न)
2. श्रीब्रग्नार० बी	।० अहपूर	17-2-82	(पूर्वाह्न)
3. श्री बी० के०	बनर्जी		(पूर्वाह्म
4. श्री एच० एर	स० मेहता	18-2-82	(पूर्वाह्न)
5. श्री एस० मा	ন্দিক	19-2-82	(पूर्वाह्न)
6. श्री प्रार० वेक्ट	: रत्नम	6-3-82	(पूर्वाह्न)

# दिनांक 27 अप्रैल 1982

सं प्रशा /1/1403/4/।।—राष्ट्रपति, श्री आर. नरिमम्ह्न, स्थायी लेखा अधिकारी ,को भारतीय रक्षा लेखा स्था के नियमित संवर्ग के किन्छ समयमान (रु. 700—1300) में दिनांक 12-12-1977 से स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

भारतीय रक्षा लंखा सेवा संवर्ग में वरिष्ठता 12-12-1977 से मानी जायेगी। दिनांक 12-12-1977 से भारतीय रक्षा लंखा सेवा के नियमित संवर्ग में नियुक्तित के परिणामस्वरूप, उनका वंतन किनष्ठ समयमान में उक्त तारी से से नियमित किया जायेगा। वंतन नियतन का आर्थिक लाभ 10-12-1980 वर्थात, दिनांक 23-5-81 के राजपत्र भाग-111, खण्ड-। के पृष्ठ 6586 पर प्रकाशित अधिमूचना संख्या 21, क्रम संख्या-2 के अनुसार भारतीय रक्षा लंखा सेवा के नियमित संवर्ग में तदर्थ आधार पर नियुक्ति की तारी संग, देय हांगा। दिनाक 12-12-77 में 9-12-80 तक की अविध का की ही बकाया वंतन उपार्जित नहीं होगा।

आर. के. माथूर रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रज्ञा.)

# रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ग्रो० एफ० संघटन ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 29 ग्रप्रैल 1982

सं ० 737/ई०वि ०/न यू० ग्रार०/ए०/डब्ल्यू०--पिब्लंक प्रेमि-सेज (एविनगत श्राफ अनग्रथाराइज्ड श्रमुपेन्ट्स) एन्ट, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 के श्रन्तर्गत प्रदत्त गिक्सियों का प्रयोग करते हुए भारत के राष्ट्रपति, महोदय नीचे दी गई सारणी के नालम 2 में उल्लिखित श्रार्डनेन्स फैक्टरी का श्रधिकारी होने के नाते, उक्त श्रिधिनियम, के उद्देश्य में संपदा श्रिधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं जो प्रत्येक श्रिधिकारी के सामने कालम 3 में उल्लिखिस फैक्टरी की सार्वजनिक प्रेमिसेज के सम्बन्ध में उक्त सारणी के कालम 4 में निर्दिष्ट श्रपने श्रिधिकार केव की स्थानीय सीमाश्रों में उक्त श्रिधिनियम द्वारा या के श्रन्तर्गत संपदा श्रिधिकारियों को प्रदत्त श्रिधिनियम द्वारा करेगा एवं कर्तक्यों का पालन करेगा।

ग्रा० फै० श्रम्बाझारी, श्रा० फैक्टरी, दमदम, श्रा० उपस्कर, फक्टरी, कानपुर ग्रीर श्रा० फैक्टरी कानपुर के संबंध में इस विषय पर श्रव तक जारी किए गए सभी ब्रादेशों को यह निष्प्रभावी करती है तथा श्रा० फै० खमरिया ग्रीर श्रम्युनिशन फैक्टरी, किरकी के सम्बन्ध में ग्रिधसूचना सं० 737/ई०वी० /क्यू० ग्रार०/ए० /डब्ल्यू०,नारीख 27-11-81 की पूरक है।

	*****************************		
স্কৃত	स्रधिकारी का	<b>फैक्ट</b> री का	सार्वजानिक परिसरकी
सं०	नाम तथा पद	न।म	श्रीणयां तथा क्षेत्रा-
			धिकारकी स्थानीय
			सीमाएं

1 2 3 4

#### मर्वश्री:

- गुस०गुन०प्रधान श्रार्डनेन्स फैक्टरी, 8-11-81 से 7-12-81
  सह्यक प्रबन्धक/ खर्मारया तक मंबंधित क्षेत्राप्रशासन धिकार की स्थानीय
  सीमाग्रीं में स्थित
  रक्षा मंत्रालय के
  प्रशासनिक नियंत्रण
  के ग्रन्तर्गत परिसर।
- 2. एम० के श्रार्डनेन्स फैक्टरी, संबंधित क्षेत्राधिकार भास्क'रन, श्रम्बाझारी की स्थानीय सीमाग्रों सहायक प्रबन्धक/ में स्थित रक्षा मंत्रालय प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत परिसर।
- (क) मलय घोष, उपप्रबन्धक श्रार्डनेन्स फैक्टरी,
  (कार्मिक) दमदम
  (ख) ए० सन्याल,
  प्रबन्धक

–वही⊶

्रां(क) मुन्सू लाल प्रबन्धक/
प्रवन्धक/
प्रणा० प्रावनित उपस्कर में स्थित रक्षा मंत्रालय प्रणा० प्रावनित उपस्कर में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रणासिक नियंत्रण के प्रनत्यीत परिसर।
प्रवन्धक,
प्रमा०

1	<u> </u>	3	4
	ः कारिया म्रार्डने गबन्धक/ कानपु		-वही
प्रमा (० 6. (क) बी ( सहायक १ प्रमासन (ख) सी पद्मनाभन सहायक १ प्रमासन	ं र ०टी० } ख न,   प्रबंधक/	।म्यु∱नघान फैक्टरी, इकी	−वही−

सी . एस . गाँरीशंकरिन सदस्य कार्मिक **कृत**े महानिदोशक , आर्डनेन्स फौक्टरियां

भारतीय आर्डानंन्स फॉैक्टरियां संवा कलकत्ता, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं. 19/जी./80—-राष्ट्रपति महोदय ने श्री सी. एस. प्रभाकरन् मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक का त्याग-पत्र दिनांक 15 जुलाई, 1974 (अपराह्न) सं स्वीकार किया।

सं. 20/82/जी. — श्री टी. एस. ग्रेवाल, स्थानापन्न उपप्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 31 सर्व, 1981 (अपराह्न) में स्वेच्छा सं मेवा निवृत हुए।

सं. 21/82/जी.---धार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्तकर श्री एचं. एन. राय, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) विनाक 31 जनवरी, 1981 (अपराहन) से सेवा निवृत हुए।

> वी. के. मेहता सहायक महानिदांशक, आर्डनैन्स फौब्टरियां

क लकता-700069, दिनांक 24 अप्रेल 1982

सं. 3/82/ए./एम.—राष्ट्रपति महोदय ने अम्युनिशन फौक्टरो, खड़की से सहायक चिकित्सा अधिकारीगण डा. आर. भार. विलियम बौर डा. बी. एन. राव सुबुधि के त्यागपत्र से संबंधित आर्डानेन्स फौक्टरी बोर्ड अधिसूचना सं. 1/82/ए./एम. दिनांक 18-2-82 संस्थक गजट अधिसूचना में निम्न-िलिखित संशोधन किया:

- डा. आर. आर. विलियम, ए.एम.ओ. के संबंध में कम मंख्या 5 के ''तारीख'' कालम के नीचे बास्ते 21-9-81 (अपराहन) पर्ड 21-9-81 (पूर्वाहन)
- डा. बी. एत. राव मुबूधि, ए.एम.ओ. के संबंध मंक्रम संख्या 6 के ''तारीख'' कालम के नीचे बास्ते 01-10-81 (अपराहन) पढ़े 01-10-81 (पूर्वाहन)

सं. 18/जी. 82--श्री डी.पी. चक्रवर्ती, स्थानापन्न एडी जी ओ एफ/ग्रेड-। की दिनांक 5 जनदरी, 1982 से तीन महीनों की अदिध के निभित्त मंदा वृद्धि के संबंध से जारी की गई और संख्या 82/ए/जी दिनांक 22 मार्च, 1982 के अंतर्गत प्रकाशित इस कार्यालय की गजट अधिसूचना संख्या 13/ए/जी दिनांक 22 मार्च, 1982 एतद्व्वारा निरस्त की जाती है।

सी एस गौरीशंकरन् सदस्य / एडीशनल डी. जी. ओ. एफ.

वाणिज्य संत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनाक 30 अप्रैल 1982

सं 1/5/82-प्रशा (राज )/2717—राष्ट्रपति, श्रीमती अनिता साहनी, आई आर एस (सी. एड सी. ई.) जो पहले प्रशिक्षण महानिद्देशालय (सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), नई दिल्ली में सहायक निद्देशक (प्रशिक्षण) थी, को 22 अप्रैल, 1982 (दोपहर बाद) से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

म्रिण नारायणस्वामी मुल्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नर्द्ध दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1982

मं 6/1155/76-प्रशासन 'राज'/2596--श्री कंवर सिंह, केन्द्रीय सिघवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के एक अधिकारी और इस कार्यालय में स्थानापन्न नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का 2-4-1982 को निधन हो गया।

# दिनांक 29 अप्रैल 1982

सं. 1.2/82-प्रशा. (राज.)/2672---राष्ट्रपति, श्री राधा किश्वन, केन्द्रीय मचिवालय सेवा वर्ग ''।'' के स्थानापन्न अधिकारी को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नर्द विल्ली में अगला आदोश होने तक 1 अक्तूबर, 1982 से उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में कार्य करते रहने की अन्मति दोते हैं।

> जे. के. माथूर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(बस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1982

सं. ए. -12025 (1)/5/80-प्रशासन (11)-(क)—— राष्ट्रपति, श्री अनन्ता रांम बोरा को 27 जनवरी 1982 के पूर्वाहन से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर संवा केन्द्र, गोहाटी में महायक निदंशक ग्रेड। (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनोक 14 अप्रैल 1982

मं. ए $^1$ . -12025 (1)/8/80-प्रशासन 11 (क)—-राष्ट्र-पति, श्री निशकाम कस्तूरिया को 5 अप्रैल 1982 के पूर्वाहन से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र मेर्ठ में उप-निवशिक (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 17 अप्रैल 1982

सं. ए.-12025 (1)/1/81-प्रशासन (11) (क)—-राष्ट्रपति, श्री बिजन बिहारी पाल को 12 अप्रैल 1982 से आगामी आदिशों तक के लिए बुन्टर सेवा केन्द्र, अगरतला में सहायक निद्देशक ग्रेड-। (बुनाइ) के पद पर निग्कत करते हैं।

पी. शंकर अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

#### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. र्डः-11(7)—-इस विभाग के दिनांक 11 जूलार्डः, 1969 के अधिसूचना सं. र्डः-11(7) में श्रेणी 2—-नाइट्रोड भिश्रण के अधीन।

प्रविष्ठि ई. एम.-1 सीरीज ''31-1-82'' में अंकों के स्थान पर ''31-10-82'' अंक प्रतिस्थापित किए जायेगें।

चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

#### इस्पात और खान मंत्रालय

#### खान विभाग

# भारतीय खान ब्यूरा

# नागपुर, दिनांक 28 अप्रैल 1982

सं. ए.-19011(51)/76-स्था. ए.—विभागीय पदान्ति सिमिति की सिफारिश पर श्री एस. एम. प्रसाद, स्थागी वरिष्ठ खनन भूषिज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरों में क्षेत्रीय खन्न भूषिज्ञानी के पद पर दिनांक 16-1-82 (पूर्वाह्न) से पदान्तित प्रदान की गई है।

सं. ए.-19012(149)/81-स्था. ए. ए.--संघ लोक भेवा आयोग की सिफारिश पर श्री उमाशंकर लाल की दिनांक 29 दिसम्बर 1981 के पूर्वाहन से भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनिवद के एद पर नियुक्ति की गई है।

सं. ए.-19011(302)/82स्था. ए.—-श्री बी. आनन्दन, संयुक्त निद्देशक, परिवहन अनुसंधान प्रभाग, नौदहन एवं परि-वहन मंत्रालय, ने भारतीय खान ब्यूरों में अधीक्षक खनिज अर्थ-शास्त्री (सांख्यिकी) का पद भार 25 फरवरी 1982 पूर्वाहन संसम्भाल लिया है।

व. च. मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय सान ब्युरो

# आकाशवाणी महानिद्धालय

नई दिल्ली-1, दिनोक 27 अप्रैल 1982

सं. 3/95/60-एस-दो---महानिवंशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे. पी. टिका, लेखाकार, दूरदर्शन केन्द्र

श्रीनगर 16/4/82 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी, तदर्थ आधार आकाशवाणी, इन्दरि के पद प्र स्थानापन्न रूप में निय्क्स करते हैं।

## विनोक 26 अप्रैल 1982

मं.  $4^{2}/82$ -एस-2--महानिद्शेक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती संतोष नंदा, अनुसंधान सहायक, केन्द्रीय हिन्दी निद्शेलिय को 3-4-82 (पूर्वीह्न) से विद्शेष सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली मं, तदर्थ रूप में प्रतिनियुक्ति पर, 75.650-30-740-35-810-द रो -880-40-1000-द रो -1200 के वेतनभान में हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एक. एन. विस्वास प्रशासन उपनिदाशक कृते महानिद्येषक

# नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1982

मं. 4. 24/81-एस-1—महानिवंशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री पोन्नूसामी श्रीनिवासन को 20 मार्च, 1982 से अगले आदंशों तक, आकाशवाणी, तिरुचिरापल्ली मं, अस्थाई रूप मं रु. 650-30-740-35-880-40-1000-दः रो.-40-1200 के वेतन्सान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयात प्रशासन उपनिद्शेषक कृते महानिद्शक

# नई दिल्ली, दिनांक 1 मर्ड 1982

मं. 3/48/61-एस-दा--महानिदोषक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम. ए. टांपी वाला प्रशासनिक अधिकारो आकाशवाणी, अहमदाबाद 23/4/82 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, बम्बई के पद पर स्थाना-पन्न रूप से नियक्त करते हैं।

एस . वी . सेवादी उपनिद्देशक प्रशासन कृते महानिद्देशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिददेशालय

# नर्इ दिल्ली, दिनांक । मर्झ 1982

मं. ए.-12025/20/80(ए. आर्ड. आर्ड. एच. पी. एच.)प्रशा.-।--राष्ट्रपति ने श्री बी. संजीव रेडे्डी की 26 फरवरी, 1982 पूर्वाहन से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय सफार्ड एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, मे आचरण विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

# दिनांक 3 सर्वे 1982

सं. ए.-12026/3/81-ए. आई. आई. एव. पी. एव. — केन्द्रीय जल आयोग, सिंचाई मंत्रालय, नई दिल्ली में उप उप निदाशक के पद पर नियुक्ति हो जाने के फालस्वरूप की के के. अग्रताल (आई. एस. एस. के ग्रंड-3 अधिकारी) ने 5 अग्रेल 1982 (अपराह्न) से अस्ति भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान

और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता से सांख्यिकी सहायक प्रोफंसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> त्रिलोक चन्द जैन उप निदोशक प्रशासन (ओ एड एम)

# परमाणु अर्जा विभाग

# विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1982

सं विष्णि व विष्णि व विष्णि व विष्णि के विष्ण

सं०	नाम	वर्तमान ग्रेड
1.	श्रोकें ०टी० में बानी .	. नक्गानवीस ,'र्सा'' (स्थायी नक्गानवीस ''ए'')
2.	श्री एस० राधाकुष्णन	. नक्शानवीस "सी" (स्थायीवत् नक्शा- नवोस "बी")
3.	श्री जे० कनल .	. वैज्ञानिक सहायक (स्थायीवत् एस० ए० ''बी'')
1.	श्री एम० एल० द्वारकान्स्य	. वैज्ञानिक सहायक "सी" 'स्थायीवत् एस० ए० "बी")
5.	श्री द्यार० मी० द्यरोग	. वैज्ञानिक सहायक ''सी'' स्थायीवत् एस० ए० ''बी'')
·6.	र्श्वा एम० के० नागराज	. बैज्ञानिक सहायक "मी" (स्थामीवत् नक्णा- नवीस "बी")
7.	श्री द्यार. श्रीनिवासन	वैज्ञानिक सहायक "सी" (स्थायावम् एम० ए० "बी")

श्रार० दी० बाजपेयी, सामान्य प्रशासन ग्रीधकारी

## क्रय और भंडार निवंशालय

बम्बई -400001, दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. क भ नि/2/1(1)/81-प्रशासन/10199—परमाण उर्जा विभाग की कय और भंडार निद्देशालय यूनिट के निद्देशक ने सहायक क्रय अधिकारी श्री पी. वी. राम्नाथन् की क्रय अधिकारी के रूप में पदोन्नित हो जाने पर क्रय सहायक श्री शशिकान्त नारायण देशमुख को रुपये 650-30-740-35-810-व रो. -35-880-40-1000-द रो -40-1200 के बेतनमान क्रय में तदर्थ आधार पर 27 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से 26 अप्रैल, 1982 (अपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया हो।

के. पी. जांसफ प्रशासन अधिकारी

# नाभिकीय इंधिन सम्मिश्र दिनांक 15 अप्रैल 1982

सं. का प्र भ/0702/1024—नाभिकीय इंधिन सम्मिश्च के मुख्य कार्यपालक सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री एस. एस. छिब्बर को नाभिकीय इंधिन सम्मिश्च में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 30-11-1981 से 2-1-1982 पर्यन्त दर्तनान रिक्त पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

जी. जी. का्लकणी प्रवन्धक

कार्मिक व प्रसाधन

# (परमाण् खनिज प्रभाग)

## हैदराबाद-500016, दिनांक 3 मर्इ 1982

सं. ए ख् प्र-1/1/81-भती — परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदाशक एतव्यवारा श्री राकेश वह गूणा को परमाणु खनिज प्रभाग मे 19 अप्रैल; 1982 के प्राप्टन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी.' नियुक्त करते हैं।

म स् . राव वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

#### भारी पानी परियोजना

## बम्बई-400008, दिनांक 29 अप्रैल 1982

सं. 05012/आर-51/स्था पदो./1468—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री पन्द्राधिल पद्मनाभन नाम्बियार, स्थायी सहायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) को उसी कार्यालय में 12 अप्रैल, 1982 पूर्वाहन में 12 मई, 1982 (अपराहन) तक के लिए, श्री वी. के. महागांवकर, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र. च. कोटिअनकर प्रशासन अधिकारी

# महादियोक नागर विमानन का कार्यालय नहीं दिल्ली, दिन(क 24 अप्रैल 1982

मं. ए. 12025/1/81-ई. ।—-राष्ट्रपति ने श्री जो. एस. चौहान को, जो इस समय तदर्थ आधार पर धैमानिक अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 12-4-82 (पूर्वाह्न) मो इसी ग्रेड में नियमित आधार पर नियक्त किया है।

स्थाकर ग्रा उप निदशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 27 स्रप्रैल, 1982

मं० ए० 32013/5/51ई० मीर०राष्ट्र०—राष्ट्रपति ने ने निर्नालखित महायक संचार ग्राधिकारियों की उनके उच्चतर पदः पर कार्याभार ग्रहण करने का नारीख में छ माम की ग्रवधि के लिए संचार ग्राधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राध्मर पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने विष् गए स्टेणन पर नैनात किया है।

भु० नाम मृ०		नर्त <u>ः</u> नर्तः	मान तैनाती स्टेशन	•		ाया तैनाती स्टेशन	कार्यभार की तारी <b>ख</b>	ग्रह्ण करने —
ा. श्री एम० एम० गिल		चै० €०	∓টo বি <i>ল্</i> ল	i	बैं० सं० स्टें०	दिल्ले।	12-3-82	पूर्वाह्म
2. श्री एस० गोविल्दराजन		11	कलकता	Γ	33	कलक्षता	12-3-82	"
3. श्रीरए० के० भृष्य	_	п	कलकत	Г		कल <b>क्ष</b> णा	30-3-82	"
4. श्री <b>प्रा</b> र० क्षिण्खरे		"	बम्बई		,,,	बम्बर्ट	15-3-82	11
5. श्रोग्णम० बास		11	कलकमा	Г	D	कलकत्ता	12-3-82	11
6. श्रीएस० डो० चौपडा		,,	बम्बर्ध		17	बम्बई	13-3-82	"
7. श्री पी० एन० गलिक		11	<b>ं</b> क्लि(		1)	दिल्ली	12-3-82	1)
8. श्रीटी० ची० नटरःजन		.,	बम्बई		,,,	बम्बई	15-3-82	יו
9. श्री एस० एस० दत्ता	,	7.)	कलकचा	7	n	क <b>लकत्ता</b>	12-3-82	13
in, श्रीएस०एल०चौड़ा		• 7	<u>दिल्ली।</u>		,,	दित्ली:	12-3-82	* * *
1.1. श्री एस० एन० मेन		"	कलक्ञा		11	कलकत्ता	12-3-82	
12. श्री साइबल गुना		,, <b>ड</b> ी	जी० सी०	η̈́ο	"सी०	ए० दी० सी०	24-3-82	**
· ·		(1	म∗यालय)			इलाहाबाद		

मं. ए. 30012/8/81-इं. सी—-राष्ट्रपति ने निर्दोक्त , रोडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री जी. कुमार, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 29-1-82 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र मंजूर कर लिया हों।

# दिनांक 28 अप्रैल 1982

सं. ए. 32013/3/80-ई. सी. — इस विभाग की दिनांक 30-4-81, 3-7-81 और 6-8-81 की अधिमूचना मं. ए. 32013/3/80-ई. मी. के कम में, राष्ट्रपति ने निम्निलिखत नो अधिकारियों की मंचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से आगे दिनांक 30-6-82 तक की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें में जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी ही:—

श्र० सं०	नाम		तैनाती स्टेशन	दिनांक
1	2		3	4
	मर्वेश्री:			<del>"</del>
1.	केलान्तर नायर		बैमानिक सचा⊀ स्टेशन, विवेन्डम	7-12 <del>-8</del> 1
2.	एस० ग्रार्० ग्रय्यर	•	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	1 7-9-81
3.	र्टः ० एस० प्रकाणन		वैमातिक संचार स्टेशन, बम्बई	18-9-81
4.	एम० राधवन		वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	18-9-81

1 2		3	4
5. एम० कृष्णाःॄर्ति	•	क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई	19-1-82
6. के० गोपालकृष्णन		वैमानिक संचार स्टेणन,बम्बई	18-981
7. डी०पी० <b>चौ</b> हा <b>न</b>		वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	17-9-81
8. एस० मानिकम	-	वैमानिक संघार स्टेशन , मटास	30-9-81
9. एस० सरकार		क्षेत्रीय कार्यालय, कलकरा	3-12-81

सं. ए. 32013/2/81-ई. सी.—-राष्ट्रपति ने वैमानिक मंचार स्टोशन, जम्मू के श्री मी. एल. जैन, सहायक तकनीकी अधिकारी की दिनांक 30-3-82 (पूर्वाहन) में छः मास की अधिक अविध के लिए नागर विभागन विभाग में तकनीकी अधिकारी के ऐंड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हों दौमानिक मंचार स्टोशन, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम, दिल्ली में तैनात किया है।

मं ० ए० 32013/2/81 ई०मी०—टम विभाग की दिनांक 30 जनवरी, 1982 की स्रधिसुचना मं ० ए० 32013/2/81-

ई०सी० की प्रकार से पढ़ा		संशोधित करते हुए निम्न
फ्र॰ नाम मं०	वर्तभान तैनः(तिः : स्टेशन स	नथा तैनार्तः कार्यभार टेशन ग्रहण करने की तारीख
13. श्री जी० डी कुलकर्णी		रै० मं० 16-1-82 स्टेशन, बंबई

#### दिनांक 29 ঋষীল 1982

सं० ए० 32013/5/80-ई० मो०--इस विभाग की दिनांक 28 जुलाई, 81 ग्रीर 5 सितम्बर, 1981 की ग्राधिसूचना सं० ए० 32013/5/80-ई० सी० के ऋम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की उप निदेशक संचार/नियंत्रण संचार के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम नाम के सामने दो गई तारीख से ग्रागे दिनांक 30-6-82 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:---

 ऋ ०सं०	—————— नाम	 तैनानं। स्टेशन	———- तारीख
1	2	3	4
 सर्व	<del></del>		
	एस० धुन्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, विवेन्द्रम	20-11-81
2. एन	०कें ०पुरी	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली	21-11-81
3. স্থাণ	'० एस० श्र <b>शमानी</b> '	(डी० जी० सी० ए० (एच० क्य०)	24-11-81
4. कें०	रामालिंगम .	वैमानिक संचार, स्टेशन, मद्राम	8-12-81
5. एच	०वी० सुवर्णन ,	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	20-12-81
6. एस	०एच०खान .	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकना	27-11-81
7. सुरे	गचन्द्र	वैमानिक संघार स्टेशन, कलकत्ता	28-1-82
8. По	के०मिश्रा .	वैमाकि संचार स्टेशन , पालम	2 2-1 2-8 1
अ. के०	र्वा०गाय	वैमाकि संचार स्टेशन, हेदराबाद	15-12-81
10. वी०	के०वर्सा	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बर्ड	28-12-81
11. एस	श्र(र० श्र(र० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	07-01-82
12. पो०	के० सिगल .	वैमानिक मंचार स्टेशन, बम्बई	25-11-81

1 2		3	4
13. एस० के० कक्कड		— - दैमाकि संचार	15- 11-81
14. डी० मा० मेहना	٠	स्टेणन, कलकता रेडियं: निर्माण एवं विकास एकक	01-01-82
15. पं०िसेंट ,	,	नई दिल्लं। इंश्विजील्सील्एल (एचल्क्यूल्)	21-12-81

जगदीश चन्द्र गर्ग, सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महादिद्यालय दोहरादान, दिसांक 28 अप्रैल 1982

सं.  $16\sqrt{150/67}$ -स्था. ।—-श्री आर. के. अन्संधान अधिकारी, इन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्या-लय, दोहरादान का दिनांक 16-4-1982 अपराहन की दहावसान हो गया।

> के. एम. तिबारी अध्यक्ष, धन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

सं. 1/82--श्री आर. बी. दकील, अधीक्षक,उत्पाद शुल्क समूह 'स्र' बिलासपुर रॉज का दिनांक 13-1-82 को निधन <u>हो गया</u> है।

सं. 2/82—श्री सुबिमल चटर्जी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समृह 'ख', रंज । दमोह का दिनांक 5-2-82 की निधन हो गया है।

एस. के. धर

(भ्रपराह्म)

समाहर्ता

# केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा गुल्क समाहर्तालय पटना, विनांक 3 मई, 1982

मि० सं० II (7) 2-स्वा/s2---इस **समाहर्ना**लय 'ख'/ निम्न लिखित स्थार्या/स्थानापन्न अर्ध(क्षक समृह प्रणासन पदाधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, समुह 'ख' ग्रपने नाम के सामने दिखाये गये निथि एवं समय को सेवा की श्रायु पूरी कर सेवा निवृत्त हुए.

——- क्ष. मं०	पदाधिकारो का नाम	पदनाम	नेनानिवृत्ति की तिथि
1	2	3	4
	सर्वर्था	,	
1.	जी० डी० वर्मा	. ग्राधीक्षक, समह 'ख'	31-7-81 (भ्रपराह्म)

1	2	3	4
2.	भरतसिंह	वही	30-9-81
			(ग्रपराह्न)
3.	योगेन्द्र प्रसाद .	सहायक मुख्य लेखा	31-10-81
		पदाधिकारो	(ग्रपराह्न)
4.	एस० एन० मज्मदार	प्रशासन पदाधि-	30-11-81
		कारी	(भ्रपराह्न)
5.	गोपालजी सहाय .	महायक मुख्य लेखा	31-12-81
		पदाधिकारी	(भ्रपराह्न)
6.	राम चरिद्ध प्रसाद .	ग्रधीक्षक, समूह	31-12-81
		'ख'	(भ्रपराह्न)
7.	रामेश्वर सिन्हा .	(वर्हा)	31- 1-82
			(ग्रपराह्र)
8.	मो० ग्रहसन .	(वही)	31-1-82
			(श्रपराह्न)
9.	सुदाम सिन्हा .	(वही)	31-1-82
			(भ्रपराह्न)
10.	एच० पी० दुबे .	(वही)	31-1-82
	_		(श्रपराह्न)
11.	जे०पी०भण्डारी 🕴 .	<b>(</b> बही )	31-1-82
			(भ्रपराह्न)
12.	जे०पी०सिन्हा .	(वही)	31-1-82
		, <b>.</b> .	(ग्रपराह्न)
13	रघुवर राम	(वहो)	28-2-82
	. 6: 4	( 0)	(ग्रपराह्न)
14.	घमंडा सिंह 🛒 .	(वही)	28-2-82
1 5.	एच०डी०झा .	प्रशासन पदाधि-	28-2-82
		कारी ।	(श्रपराह्न)
16.	भी०सी० टोपनो 🕴 .	ग्रधोक्षक, समूह	31-3 82
		'ख'	(अपराह्न)
17.	जानकी शरण प्रसाद .	<b>(</b> वहीं)	31-3-82
			(श्रपराह्म)
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		

कृष्ण कुमार श्रीवास्तव सहायक समाहर्त्ता मुख्यालय), कृते समाहर्त्ता, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, पटना

# केन्द्रीय जल आयोग

नर्दं दिल्ली-110066, दिनांक 28 अप्रैल 1982

मं. ए-19012/999/82-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री सूनिल जैन, अभिकल्प सहायक को रु. 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त महायक निद्येक्त/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 31 मार्च, 82 (पूर्वा.) से छः महीने की अवधि अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/1001/82-स्थाः पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री रित राम अभिकल्प सहायक को रु. 650-30-740-35-810-व रो -35-880-40-1000-व रो -40-1200 के देतनमान में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 31 मार्च, 1982 (पूर्वाः) से छ: महीने की अविधि अथवा पद के नियमित आधार पर भरोजाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियक्त करते हों।

# दिनांक 1 मर्झ 1982

# शुद्धिपत्र

मं. ए. 19012/955/81-स्था -5—आयोग की सम-संस्थक अधिमूचना दिनांक 23 फ्रवरी, 1982 की चौथी लाइन में श्री एस को बासु द्वारा अतिरिक्स महायक निदेशक/ सहायक इजीनियर के पद की ग्रहण निधि को 1-11-81 पूर्वाहन पढ़ा जाए।

> ए. भट्टाचार्य अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

# विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पितयों के रिजस्टार का कार्यालय

कस्पनी अधिनियम, 1956 और मैं. : कल्यान बैनीफिट चिट फण्ड प्राइचिट लिमिटोड के विषय में

# नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. 3425/7727—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्व्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं कल्यान बैनी फिट आक्शन चिट फण्ड प्राईविट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

डी. एन्. पेगू सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं. डी. डी. चिट फण्ड प्राक्षिट लिमिटोड के विषय में

# नर्ह दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. 3975/8043—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में , एतद्वारा यह मुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मार के अवसान पर डी. डी. चिट फण्ड प्राई वेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शिन न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी≀

डी. एन. पेग् महायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

दिद**े** ह नं. सी. आर. नं. 62/31966/81-82/एक्**वी**./ बें--यत:, मुभ्ते, डाक्टर थि. एन. ललित कामार राव, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रत. में अधिक हैं और जिसकी सं. 47/1 है, तथा जो दिवियानि रोड, रिचर्डस टबुन बंगलूर में स्थित है और इससे उपावव्ध उन्म्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीर ता. 29-9-1981 को पृर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्ययान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल वृज्यमान प्रतिकत का परद्रह प्रतिशत से अधिक ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधि-नियम, के अधीन कर देमें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या धनकर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यत: प्रम, उका प्रधितियम की धारा 269-ए के प्रनु-सरम में, में, उका प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिकित व्यक्तियों; प्रयात:— 1. श्री जान सेमन नं. 47/1, विवियानि रोड़ रिचर्डस  $2 \frac{1}{3}$ न बेंग्लूर-560005।

(अन्सरक)

 अंग्रस् ए. लुविस श्रीमती डेय्सी एन. लूबिस 48, विल्लियमस् टाउप्त बेगलूर-560046 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :-- इसमें अयुक्त शक्तों भीर पदों का, को उका भिक्षितियम के भक्त्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2047 ता. 29-9-81) नं. 47/1, विवि- यानि रोड, रिचर्डस टवून, बेंगलूर।

डाक्टर वि . एन . लिलत कुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारी**ल** : 24**-**4-82

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

# भायक<u>र अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा</u> 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त. (निरीक्षण)

अर्जन रज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निदेश सं सि. आर. नं 62/31982 81-82/एक्वी । बी--यतः, म्भो, डाक्टर वि. एन. लिलत काुमार राव, कायकर अपेधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख वी अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 317/बी ही, तथा जो अवलहल्ली, बंगलुर दक्षिण में स्थित है (और इस से उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर सब्तु तालुक में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर ता. 7-9-1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करिंग का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्यः, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भागा गया प्रतिफल निम्निसिस्ति उद्योदय से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्युं वस्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, ---

 श्री आर. चिन्न स्वामी । कास राना सिंग सेठ बंगलूर -2।

(अन्तरक)

2. राम जन ए. महता, सुशीला जे. महता, सरोज वि. महता बी, 118, चौथा ब्लाक, राजाजी नगर, बंगलूर-10।

(अन्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

# अनुसूची

(दम्नागेज सं . 3050 सा. 7-9-81) घर के लिम्ट (सूचि) नं . 317/बी, अवहल्ली, बेंगलूर-दक्षिण।

डाक्टर वि . एन . लिलित क्मार गः सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, बंगलूर

तारीख: 24-4-82

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्प्ना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निविशे सं. सि. आर 62/31978/81-82/एक्वी. बें——यतः, मुक्ते, डाक्टर वि. एन. ललित कुमार राव, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुल्ब 25,000/—रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 514, तोनाधिकोष्पाल है, तथा जो सरस्वित पुरम मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अभीन ता. 17-8-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भी अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थीन,

- श्री एस वि विट्ठल नं 709, 16वां मेन सरस्वती पुरम् मैसूर।
   (अन्तरक)
- जे. बेंकटे गौडा श्रीमित एस. पि. गौरम्मा 8ावं मेन सरस्वित पुरम मैसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1826 ता. 17-8-81) नं. 514, सोना-चिकाप्पाल सरस्वती पुरम मैसूर।

> डाक्टर वि. एन. लिलत कुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगल्र

तारी**ल** : 24-4-82

# प्ररूप घाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निंदौरा सं. 11599/1981—स्तः, भुभने, आर. रवि-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 ∕ - रुः. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सैट सं. 1 और टी. एस. नं. 12/125 40 फीट सकीम रोड है, जो अकगेसन रांड, कायम्बत्तूर-11 मी स्थित है (और इससे उपादद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांतिपुरम डाक् में द सं. 3565ा/81 में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 वर्भ 16) के अधीन अगस्त 1981

को पूर्त्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है वि प्रशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिपत्र से, ऐसे एक्यान प्रतिकत्र का पन्द्रह् प्रतिशत श्राधिक है और बन्तरह (प्रनारहों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रंब, उपत श्रधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अपन्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीके रामराज

(अन्तरक)

2. श्रीसीसन्दर और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्तिके प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः --

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी भ्रन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरग: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण-सं. 1, और 2 टी एस सं. 12/125 <sup>@</sup> 40 फीट सकीम रोड, कोयम्बत्तूर -डाक् मेट सं. 3565/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मदास

तारीख : 12-4-82

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राँज-।।, मद्रास

मद्रास्, विनांक 12 अप्रैल 1982

निद्येश सं. 119/अगस्त/81—यतः, मुक्ते, आर. रवि-चंद्रन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं. 42, हाकस रोड, मदास-10 है, जो मदास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परीयमोंट, मद्रास में डाकूमेट सं. 1032/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1981

कों भूवींक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उक्त ग्रिश्चनियम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आ छवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः प्रव, उक्त मधिनियम की मारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री एस पी. होमावती और अदस

(अन्सरक)

2. श्री के. रामचन्द्रराजा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

(भूमि और निर्माण--42, हाल्स रोड, मक्रास-10-डाकाूमेंट सं. 1032/81)।

आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारीब : 12-4-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निदंश सं. 120/अगस्त/81—यतः, मुक्ते, आरः रिव-चंद्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 35/36, जिड ओवडी रांड मद्रास है, जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाद्धध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ,पेरीयमंट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय (1908 का 16) के अधीर अगस्त, 1981

को दूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्ष) एंगी विजी लाय वा किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- 1. श्री एस .पी. हं मावती और अपस

(अन्तरक)

2. एम. के. किष्णम राजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीला से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिंग- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थावटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण--35/36, जिन्न आवन्ती रोड, मन्नास-10 --डाक्मेंट सं. 1033  $\sqrt{81}$ ।

आरः रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

सारीय : 12-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धाण)

अर्जन रंज-।।, मद्राम

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निवोध सं. 121/अगस्त/81—यतः, म्रुक्ते, आर. रिव-चंद्रन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी मं. 35/36, जिड आवडी रोड, मद्रास-10 हैं, जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परीयमेट, मद्रास (डाक्र्मेंट मं. 1034/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त-1981

को पूर्वो क्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कृमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269 ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन

1. श्री एस. पी. होमावती और अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री भार. जेथलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण--35/36, निज आवडी रोड, मक्सस-10 --डाकर्मेंट सं. 1034/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, मद्रास

तारी**य** : 12-4-82

प्ररूप आर्ह्ः .टी . एन . एस . -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज-।।, मदास

मदार, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निदंश सं. 16599--गयः मभ्ते, आर. रविचंद्रन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक है

और जिसकी सं. 32, 11 मंदन रांड है, तथा जो गांधी नगर मद्राम 20 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से दर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैंदापेट (डाकर्मेंट सं. 3125/81) मो भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हो 16) को अधीन अगरत-81

1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरित्रयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अधित:——
30—76 GI/82

- श्री कॅमलाम डॉविड और डाक्टर मंरियम डॉविड। (अन्तरक)
- $2 \cdot$  इस्ट कास्ट कनस्ट्रकशन और  $\sqrt{3}$  उस्ट्रीज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण-32-।। मेयन रोड, मदास 20 (डाकामेंट मं. 3125/81)।

> आर. रवि**घंद्रन** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आाक्ष्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>उ</sup>ज-।।, मद्रास

मोहर:

तारीस : 12-4-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

#### भा<u>रत्</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजे-।।, मद्रास

मद्राम दिनांक 13 अप्रैल 1982

निदंश सं. 16660—यतः मुभ्ते, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 16, । ोमयन रोड, गांधी नगर है, जो मदास-20 मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (डाक्रूमेंट सं. 3796/81) मो भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 81

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथिट नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— । सुगंसन और कम्पनि (प्रा.) लिमिटंड।

(अन्तरक)

2 के सी शत सन्म

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण-16, । मेयन रोड गांधि नगर, मद्रास-20 (डाक्समेट सं. 3796/81)

आर. रविचंदन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११, मद्रास

तारील : 13-4-82

प्ररूप भाई० टी० एन० एस●---

भ्रायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदंश सं. 16564 81—यतः मुक्ते, आर. रविचंदन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 942, प्नमकाली है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रसवाक्कम मद्रास (बाक्रमेंट सं. 1802/81) भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, अरस्त-1981

को पूर्थोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्त्रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में जुबिशा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के ग्रानुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात:— 1. श्री एम. टी. श्रीनिवास

(ग्रन्तरक)

2. मेसरस ए. पी. आर. कन्सट्वकान

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी कर हे पूर्वीकृत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन को ग्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुत्रना के राजान्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भोतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितब क
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दो करण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण--942 पूनमकल्ली है रोड, मम्रास-84- डाक्समेट सं. 1802/81)।

आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारीय : 15-4-82

# प्रकप पाई॰ टी॰ एन॰ एत॰--

# श्रायक**र प्रकितियम; 1961 (1961 का 43)** की **धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 अप्रैल 1982

निद्देश मं. 16564/81—यतः मुफ्ते, आर. रिवचंद्रन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से श्रिधिक हैं और जिसकी सं. 942, पूनमल्ली हाई रांड, मदाम-84 हैं, तथा जो मदास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाक्कम, मदास (डाक्र्मनेट सं. 1803/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र, उक्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- श्री एमः टीः श्रीनिवास मुद्दलिथार।
- (अन्सरक)
- 2 मौसर्स ए. पी. आर. कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरिती)

को पह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त पम्पत्रि के अर्जन के सम्बन्ध में तोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राभपत में बकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पडिटो हरग :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भूमि और निर्माण--942, पूनमल्ली हाई रोड, मद्रास डाक्रूमेन्ट सं. 1803/81)।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-२१, मद्रास

सारील: 15-4-1982

# प्रक्य भार्दे.टी.एन्.एस्.-------

# आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

#### ज्ञारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-११, मद्रास

मद्राम, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदंश मं. 11574/81—यतः मुक्ते, आर. रिवचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. सं. 9/2 और 9/29/2, मैट सं. 9, पटोन रोड हो, तथा जो क्रायमबट्टार में स्थित हो (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मो और एण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्रायमबट्टार (डाक्र्यमेंट सं. 4820/81) में रिजस्ट्रीकरण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस 31-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व गों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुना था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुनिया के लिए?

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त बीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों वर्धात:—— 1. श्रीमती पट्टम्माल।

(अन्सरक)

2. श्री एम. रंगराजन और मुत्तम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

# उक्त सम्पत्ति के मुर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भागपूर्य--

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तार्यांच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ल) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन के भीतर उन्त स्थानर संपरित में हित्बव्ध कि पी मन्य स्थानर स्थानर संपरित में हित्बव्ध कि पी मन्य स्थानर इनारा मुधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकने।

स्पव्योकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(भूमि—टी. एस. सं. 9/2, 4/2 और 29/2, सैंट सं. 9, पटोल रोड, कोयमबट्टार, डाक्मेंट सं. 4820/81)।

आर. रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख: 16-4-1982

मोहरः

प्ररूप आह्रं. टी. एन्. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदंश सं. 16567/81--यतः म्फ़े, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक **है** और जिसकी सं. आर. एस. सं. 3116/2 पारट डोर सं. 14, आर्मस रॉड ही, तथा जो कील्याक, मद्रास में स्थित ही (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परसवाक्कम, मद्रास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन (डाक मंद्र सं. 1683/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 17-8-1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती |(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-्रें जल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 श्री एस . रामचन्द्र मेहता और अदर्स।

(ग्रन्तन्क)

2 श्रीपी. एम. मरुत चेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्सूची

(भूमि आर. एस. सं. 3116/2-पास्ट, 14, आर्मस रोड, किलपाक, मद्रास, डाक्र्मेंट सं. 1683/81)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-11, मदास

तारील : 16-4-1982

मोहर 🤢

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।।, मदास

मदास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदोश सं. 16567/81--यतः सुभ्ते, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. सं अधिक ह<sup>‡</sup> और जिसकी सं. प्लाट सं. ''बी'', पार्ट ब्लोक 51, टी. एस, सं. 3116 <sup>2</sup>2-पार्ट आर्मस रोड, कील्पाक **ह**ै, तथा जो सद्मास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रसवाक्कम मद्रास (डाकरूमेट सं. 1684/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोष्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री टी. आर. एन. सुदर्शन महता और अवर्श पृत्र नील कान्ता महोता, नं. 14, अर्मिस रोड, महास-600010।

(अन्तरक)

 श्री पी. एम. सरुत बंट्टी प्त्र सय बंटियर, त.
 73, ननीयपा निकास स्ट्रीट सद्रास-6000031 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

्भूमि और निर्माण आर. एस. गं. 3116/2-पार्ट मं. 14, ऑर्मेस रोड, मद्रास-10 डाक्रमेंट मं. 1684/61)।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

नारील: 16-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास-600006 मद्रास-600006, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदोश सं. 16567/81—-यतः मुफ्ते, आर. रिविनंद्रग, आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं आर एस सं 3116/2-एकि होर सं

और जिसकी मं. आर. एस. मं. 3116/2-पार्ट डोर मं. 14, ओमर्स रोड है, तथा जो कील्पाक, मद्रास्त में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनम्ची में और पूर्ण रूप में विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रमवाककम, मद्राम (डाक् मेंट मं. 1685/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 17-8-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किमिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् ----

- श्री टी. सदासिय मेहता एस, राजा राम मेहता, एस रवी मेहता, एम. चन्द्रशंखर मेहता, एस. स्रोश मेहता एप. प्रकाश मेहता, और एस. सल्यानराज मेहता, 14 आमेस राउ, कील्पाक, मदास-10 । (अन्तरक)
- 2 श्री पी. एम. मरुते चेट्टी 73, नगीमप्पा निकोन स्ट्रीट, मद्रास-31।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया एया हैं।

# अनुसूची

(भूमि आर. एस. गं. 3116/2-पार्ट 14, आर्मेस रोड, कलिपाक, मदास, डाक्स्मेंट सं. 1685/81)।

> आरः रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, मद्रास

वारील : 16-4-19**82** 

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, मद्राम

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निर्देश सं 11578/81--यतः म्फे, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परुष्कृत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25',000/- रत. से अधिक हैं। और जिसकी सं. गनपति गांव है, तथा जो कोयसबट्टार मे स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण केप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टूर (डाक मेंट सं. 3735/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ते अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
4---76 GI/82

- श्री एस . पोन्नूस्वामी गउन्डर और अदर्म। (अन्तरक)
- श्री अरिवंद क्रमार आर. शाह।
   (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यघाहियां करता हुं।

उक्त सम्पारत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

् (भूमि 243, कर्ल तेट्टम, गनपित गांव, कोयमबट्टाूर, डाङ्ममेट सं. 3735/82)।

> आर. रिविचन्द्रन सक्षम ऋधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, सदास

**ता**रीख: 16-4-19**82** 

प्ररूप आइ . टी . एन् . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# (1)

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदोश सं. 11619/81—यतः मुफो, आर. रिवसंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. सं. 5/21-पी है, तथा जो कोयम-बट्टूर में रिथत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टूर (डाक्रूमेंट सं. 4229/81) में रिजस्ट्रीकरण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्ट, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने गाउथसे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जलन अभिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, लियाने में सविधा के लिए;

अत, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधी। निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:---

1. श्रीमती राकमनी अम्मात्।

(अन्तरक)

2. श्री पी. एस. नटराज्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त मर्म्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी का कित्यों पर सूचना की तामील से 3C दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिता में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पोरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

(भृमि टी. एस. सं. 5/21-पी., कोगम्ब्टाूर डाकूमेंट सं. 4229/1981)।

> आर. रिविद्यन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रासः

तारींग : 16-4-1982

मोहर 😲

गुरुण आई°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-११, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदोश सं. 11619/81--यतः मुक्ते, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. सं. 5/21 है, तथा जो कोयम-बट्टार में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजरद्रोक्त अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, कीयमयट्टूर (डाङ्ग्मेट सं. 4230/81) में रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीह उगस्त, 1981 को पुर्वाक्तः संपत्ति के टिचन बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्वों का संपत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के गीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरगर हुई। असी आय भी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बनने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. श्रीमती रुकमनी अम्माल।

(अन्तरक)

2. श्री मानिक्कम चेट्टीयार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि टी. एस्. सं. 5/21, कोयमबट्टूर डाकूमेंट सं. 4230/81)।

आर. रिवचंद्रने सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मदास्

त्तरीख : 16-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदंश सं. 11619/81—यतः मुभ्ते, आर. रविचंद्रक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक ह<sup>3</sup> और जिसकी सं. टी. एस. सं. 5/21 है, तथा जो कीयम-यट्टार मं स्थित ही (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जं. एस. आर.-।, कीयमबट्टूर (डाक्रमेंट सं. 4231/81) मो र्राजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफोल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमती राकमानी अम्माल।

(अन्तरक) 🦫

2. श्री एस. ए. सिवसामी चंट्टीयार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(भूमि टी. एस. सं. 5/21, कीयमबट्टूर डाक्रमेंट सं.4231/81)।

आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मृद्रास्टर

तारीष : 16-4-1982

माहर:

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मृद्रास्

मद्राम, दिनांक 16 अप्रैल 1982

ितदंश मं. 11619/81——यतः मुक्ते, आर. रिट्चंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- एतः से अधिक है

और जिसकी मं. टी. एम. सं. 5/21 है, तथा जो कोगम-बट्टूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, कोयमबट्टूर (डाक्रूमेंट सं. 4232/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की, अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सुभीन निम्नुलिखित <u>ब्</u>युक्तिसम्<sup>र</sup>, सुभीत् ६—— श्रीयती राक्षमती अम्माल।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती दनलक्ष्मी अम्हाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(भूमि टी. एस. सं. 5/21, कोयमबह्दार डाकामीट सं $\sqrt{4232/81}$ )।

आरं. रिविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

सारीर:: 16-4 1982

प्रकृष आहे. टी. एन्. एस.------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रज-।।, मृद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निया सं. 11619/81--यतः मुभ्ते, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह<sup>ै</sup> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. टो. एस. सं. 5/21 हैं, तथा जो को7म $\sim$ बट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण म्प से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जी. एसा. आर.-।, कायमबट्टूर (डाक्ट्रमेंट सं. 4233/81) मों रिजिस्ट्रीकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगरर, 1981 को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके वस्यमान प्रतिकाल से, एसे अध्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिष्ठात स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियुक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मुख्ने में सुविधा के लिए; आंड/या
- (क) एसी किमी अध्य या किसी धन् या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या एनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया रवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राशिधा के लिए

जरा: बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मो, अक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) दो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

. . . . .

1. श्रीमती राकमनी अम्मारा

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए. लीला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सग्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्प्रिक्ता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में छिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कांबनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनुसूची

(भूमि टी. एस. सं. 5/21, कोशमबह्दाूर डाक्रामोट सं. 4233/81)।

आर. रिविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-। , मद्रास

तारीख: 16-4-1982

मोहरः

प्रकृष आहर् . डी . एन . एस . -----

लायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भाष 160-भ (1) के अधीन सचना

#### भारत अरकार

क्रापलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अक्ति व्यक्ति । , सद्वास

गद्रामा, विश्वतः 16 अप्रील 1932

निर्दोध ते 1'619/31—यतः स्फ्रं, आर. रिवचंद्रन, शायकर पितिपमः 1961 (1961 का 43) (िजसं इतमो इसके पश्चात् 'जका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्थान सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वाय करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिस्की गं. टी. एस. सं. 5/21-पी है, तथा जो कोयम-बह्दूर में स्थित है (और इसमें जपादद्ध अस्र्यूची में और पूर्ण रूप सं दर्णित है), रिजार्गिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जो. एस. जार.-।, कोरम्बह्द्यूर (डाइर्यूचेट गं. 4234/81) मी रिजस्कुकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन कार्यका अपरा 1081

अधीन, तालीं अंतरह, 1981 करों पूर्वा किस सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का बहरण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिणों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-पल, निम्निणियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए, ब्रॉप्ट/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयजार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः उवः उपिनियम की भार 269-ग को, अनुसरण मी, भी उत्ता अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलीखन व्यक्तियों, आधीन :---- श्रीमती रुक्सनी अभागाः

(अन्तरक)

2 . श्रीमती भीरम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसुची

(भूमि टी. एस. सं 5/21, कोलमबट्ट्र डाक्युमेंट सं. 4234/81)।

आर. रिकारंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षान) -अर्जन रोजना ।, स्क्रास

तारीष: 16-4-1982

मोहरः

प्ररूप आर्च. थी. एत. एस.-----

ायकर अधिक्यिस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन राजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रैज-१।, सद्रास

मदास, विनांक 16 अप्रैल 1982

निदेश सं. 11619/81--यतः मूर्फे, आर. रिवचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/+ ६० से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. सं. 5/21-पी कोयम्बत्तूर ही, जो मन्नास मी स्थित हैं (अरि इससे उपावद्ध मी और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर. (डाक्रमेन्ट सं. 4235/81) कोयम्बलूर में भारतीय रिज-स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (ক) अश्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; स्वीर/या
- (खा) ऐसो किमी आयथा किसी धनया अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर शीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत व्यक्तिकार या धन-वार धाः अभियम, 1957 (1957 का 27) ६ प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सविद्या के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

🕕 श्रीगती र कमनी अम्माल।

(अन्तरक)

2. क्मारी नागम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- इस सुवता के राजात्र में प्रकाशन की तारोख से 45 (事) दिन की भवधिया तत्संबंधी भ्यक्तियों पर सूचन। की तामील में 30 दिन की घवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख्रा) इत सूबता के राजपत में प्राणयन की सारीख से 45 दिन के भीतर उत्रास्थावर सम्पत्ति में हितबत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पाडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, प्रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गपा है।

## अनुसूची

(भूमि—–टी. एस. सं. 5/21, कोयम्बत्तूर--डाक्)मेन्ट सं $\cdot$ 4235/81)

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

नारीख: 16-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदंश मं. 11619/81—यतः मुक्ते, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. सं.  $5^2$ 21, कांग्रम्बत्तूर ही, जो मद्रास में स्थित हैं (और इससं उपाबद्दध में और पर्णे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, कोयम्बत्तूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या

रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिश्वित श्रामित्यों अधीतः——
5—76 GI/82

1. श्रीमती राकमनि अम्माल।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती कं. सरस्वती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्टः सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर नक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(भूमि--टी. एस. सं. 5/21, कोयम्बत्तूर--डाकूमेंट सं. 4236/81)।

आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीम : 16-4-82

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

भाषकर भिव्यतिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1982

निद्देश सं. 9446/81—यतः, मुक्ते, आर. रविचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. एफ. सं. 26, संगूलम, तिरुच्ची है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. एस. आर.-।, (डाक्रूमेन्ट सं. 896/81) तिरुच्ची में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1981

को पृत्रों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण जिबत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- क) ग्रभारण से हुई किसी आय की बावत, उक्त ग्रधि-नियम के प्राणीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शृविधा के लिए;
   ग्रीर'या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के जिए,

1. श्री एस. पुरुषोत्तमन्।

(अन्तरक)

2. श्री एस. चिदम्बरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध काइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साध्टीकरणः ---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, बो उस अध्याय में विद्यागया है।

# अनुसूची

(भूमि --एम .एफ. सं. 26, सेंगृलम, तिराज्यी--डाकू-मेंट सं. 896/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीस 17-4-1982 मोहर ; प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

धायकर म्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१।, मद्राम

मद्राम, दिनाक 1 अप्रैल 1982

निदोश सं. 11605 ∕1981 — यतः, म्भो, आर. रवि-चंद्रन.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य से अधिक है

और जिसकी सं. 49, बीरपान्डी, गांबी (डाक्यूमेंट सं. 1112/81) है, जो मद्रास में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांबी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981

(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिंतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिलित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्टिन नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

1. श्रीजी. के. पेरुमाल

(अन्तरक)

2. श्री चल्लम्माल और अन्बुसेलवन

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को श्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे!

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पटों का, गो उक्त श्रीध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही सर्व होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण--टी. एस. सं. 49-ए, वीरपान्डी गांव, गोंबी तालूक डाक्रूमेंट सं. 1112/81)

आर. रविचंद्रन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मक्सस

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीव : 1-4-1982

# प्ररूप ग्राई० टी• एन०एस•---

म्रायफर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1982

निर्देश सं. 9479— यह:, मुक्ते, आर. र विचंद्रन, आगमकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

अरि जिसकी मं . टी . एस . मं . 308/1 , 28 नारत प्रवच्चनम रोड तथा करूर (डाक मेन्ट मं . 3100/81) है , जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायद्ध में और पूर्ण रूप से विर्णित है) , राजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय , मेल करूर में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त , 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत ग्रिक्षिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अश्विनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अया, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तिनयों, अर्थात् :--- 1. श्री पुन्नैवन्म

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन. कस्तूरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्तिके श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्तक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधि नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन्न अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

(भूमि और निर्माण--28, नारत प्रदच्चनम--डाकर्मोट स. 3100/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्राम

तारीख: 1-4-1982

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • — —

आयकर **धीवनियम,** 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व(1) के भाषीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1982

निदंश सं. 11569/81—अतः मुफे, आर. रविचंद्रन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

कोयम्बत्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 कोयम्बत्तूर (डाक्नूमंट सं. 4590/81) हैं जो मद्रास में स्थित हैं (और इसमें उपाइव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बत्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981

को भूवोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है भौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसा धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

कतः प्रज, उक्त प्रधिनियम को घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा, (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री सी. सीतापती

(अन्तरक)

2. श्रीमती वी. सरस्वती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिएकार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

(भूमि और निर्माण--6/34, रागप्पा चंट्रि रांड, मैरी पालयम, कायम्बत्तूर (डाकूमेंट सं. 4590%81)।

आर. रिवचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-11, मन्नास

तारीख : 1-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 अप्रैल 1982

निबंश सं. 16548/81—यतः, मुभ्ते, आर. रिवचंद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याहै), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्नित बाजार मृत्य 25,000/ रतः से अधिक हैं और जिसकी सं. 226, रायपेट्टा है रांड, मन्नास-14 (डाकाू-मेंट सं. 1651/81) है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे जुपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धृन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित अ्यक्तियों, अर्थात :-- া . होटल अरचना (प्राइविट) लिमिटेड

(अन्तरक)

2 शीमती ए. टजून्नीशा बंगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(भूमि और निर्माण--226, रायपेट्टा है रोड, मुद्रास-14 डाक्रमेट सं. 1651/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मद्रास

तारीख : 1-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1982

निद्धे नं. 11600/81—यतः, म्भे, आर. रविचंद्रनं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उग्चत बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. 476/1, एस. मं. 476/1, विलांगरिची (डाक्यूमेंट सं. 3595/81) हैं, जो कायम्बत्तूर में स्थित हैं (और इसमे उपावव्ध मं और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, कायम्बत्तूर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री डी. चन्द्रसंकारन

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस. आर. प्रेमकाुमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि और निर्माण--एस. सं. 476/1, विलाग्रिची, कायम्बल्तूर---हाकूमेट सं. 3595/81)।

> आर. रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मद्रास

तारोख : 1-4-1982

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~~

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-म (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1।, महास

मद्रास, दिनांक । अप्रैल 1982

चिद्रोश मं. 11600/81—यतः म्फे, आर. र्विचन्द्रन, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधक है

और जिसकी सं. एस. सं. 476/1, विलागुरिची कायम्बत्तृर तालूक (डाक्यूमेंट सं. 3596/81) है, जो कायम्बत्तूर में स्थित है (और इससं उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कायम्बत्तूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूह्म, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्यें से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के श्राधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उम्त अधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, को घारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ को उपधारा (1) के निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री गौरी शङ्करन नायर

(अन्तरक)

2. श्री एस. आर. बालम्न्दरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
  ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा घष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हो गा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भूमि और निर्माण--एस. सं. 476/1) विलाग्रीची, कोयम्बत्तूर तालुक डाक्सिट सं. 3596/81)।

> आर. **रिविचंद्रन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र</sup>ज-।।, मद्रास

तारील : 1-4-1982

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज. एर्णाकलम

एरणाकालमा, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदेश सं. एल. सी. 573/82-83--यतः मुफ्ते, टी. जेड. माणि,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उमित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ह<sup>4</sup>

और जिसकी सं. अनुस्चि के अनुसार है, जो पालकाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालकाट में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-8-1981

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वकित सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तोरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियण, या धर-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गयाथायाकियाजाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---6\_76 GI/82

1. श्रीर्द बस्दीन

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमीला बान

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्वाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप**ः--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोगे।

स्यख्टीकरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

8 costs of land with a building in Sy. No. R.S. 2272 of Yokhara Amsoarm Palghat.

> टी जंड़ माणि सक्षम प्राधिकारी सहायदा आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकलम

तारीय : 15-4-1982

# प्रकृष् नाही वि. प्रमृत् प्रस्ताननननननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-६ (1) के अधी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकुलम एरणाकुलम, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद्येश सं. एल. सी. 574/82-83--- यृत: मुक्ते, टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो कलिकट् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय कालीकट् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-8-1981

को पूर्वोक्त सपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपरित का उभित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंपरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री गौरी शड्क ड्रन नायर

(अन्तरक)

2. श्रीपी.ए. इब्राहिहाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनसची

45.25 costs of land with building as per schedule attached to doc. No. 181 dated 26-8-1981.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाकलम

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिवत व्यक्तियों सभीतः :---

तार<del>ील</del> : 15-4-1982

प्ररूप आह . टी . एन् . एस . -----

# आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकुलम एरणाकुलम, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद्दक्ष सं. एल. सी. 575/82-83---यतः मुक्ते<mark>, टी.</mark> जेड. मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो कलिकट् में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय कालीकट् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-8-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त लिखित में वास्तिवक रूप में किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. एम. गोपालन कुट्टि नायर

(अन्तरक)

2. श्री पी. ए. इब्राहिं हाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य उपक्ति द्वारा क्रश्नेहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

20 costs of land as per schedule attached to Doc. No. 982 dated 26-8-1981.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाकालम

तारीख: 15-4-1982

प्रारूप आहुर.टी.एन.एस.-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रौज , एरणाकाुलम

एरणाकालमा, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद`श सं. एनः सी. 577√82-83—यतः मुक्ते, टी, जेडु. माणि,

शायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रन. से अधिक है

और जिसकी गं. अनुसूची के अनुसार है, जो नृशिशवपेकर में स्थित हैं (और इसस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्ण से वर्णित हैं), गिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नृशिश्वपेक्षर में भारतीय र्गाजर्द्रीकरण अधिनिक्स, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1981

को पूर्णांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथा पूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत सं, एमें दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल कि एस से मा अस्ति के स्पास की कहीं फिया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निजलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 🚺 श्रीसृधीर गोपि

(अन्तरक)

2. श्रीके. ए. तांमस

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपश मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### अनुसुची

15 costs of land in Sy. No. 1386 of Trichur village.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अउन रोज, एरणाकुलम

तारीख: 15-4-1982

# प्रकण पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---ग्रायकर प्रविधियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 15 अप्रैल 1982

निद्देश सं. एल. सी. 578/82-83---यतः मुक्ते, टी. जेड. साणि,

प्रोपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं अनुसूची के अनुसार है, जो नृशिशवपेरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिट है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नृशिशवपेरूर में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनिय्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से भ्राधिक है और भ्रग्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरक लिखित में वास्तविक का से किया नहीं कि अग्तरित है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त धार्धिनयम के धार्धीन कर देने के धार्स्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिशिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अ**ब, उक्**त अधिनियम की धारा 269-ग के **अनुसरण** में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. डाक्टर लता गोपि

(अन्तरक)

2. श्रीके. ए. तांमस

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टित स्वित्तयों में से किसी स्वित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य वाक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रयंहीना जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

15 costs of land in Sy. No. 1386 as per schedule attached to Doc. No. 4638.

टी. जेड्. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाकालम

सार्रा**स** : 15-4-1982

माहर:

# प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज. कलकता

कलकत्ता, दिगांक 16 अप्रैल 1982

रौफः नं 1066/एसीक्यू आर-।।।/82-83--अतः मुक्ते, एमः अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19 बी है तथा जो शरतबास रोड, कालकात्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची मो और पुर्ण रूप से वर्णित हीं), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, कालकता में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लारीस 28-8-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रनब कमार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री स्जन ब्मार अजितसारिया।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यप्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसुची

19ए और 19बी, शरतबोस राडि, कालकत्ता, 4के-11छं. 9 वर्ग फीट जमीन पर मकान, (1/6 शोयर)।

एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।।, कलकत्ता-16

त्रारीख : 16-4-1982

प्ररूप आई॰ टी एन० एस०-----

आयकर श्रीधनिया, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (т) के श्राधीन सूचना

#### भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

र्रफ. नं. 1067/एसीक्यू. आर-।।1/82-83--अतः मुफ्ते, एम. अहमदं,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उन्त भिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन संज्ञन प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिन्हा अवित्वातार मृख्य 25,000/-रु से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. 19ए तथा 19वी है तथा जो घरतवास रोड़, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 28-8-1981

पूर्वोक्न्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पद्यि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्हल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, ज्यन ग्रिक्षित्रम के अधीन कर बने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (घ) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य श्रिक्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना स्पितृए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—— 1. श्री प्रनब क्रमार चाटाजीं और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री ललित कामार खेतावट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) बस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिय पा नत्ममानधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी मनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकायन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर प्रम्यत्त में हितवब किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोत्रस्ताक्षरी के गम्स लिखिन में किए जा सकेते ।

स्पष्टीकरण।—-रभमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रिक्षितयम के श्रष्टयाय २०क में परिकाषित है, वहीं सर्थं होगा, जो उस अध्याय में विया गण है।

# अनुसूची

19ए और 19**बी, श**रत बोस रांड, कलकत्ता 4**के**-11छं. 9 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/6 शेंथर)

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख : 16-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

रौफ. नं. 1068/एसीक्यू. आर-।।।/82-83--अतः मुक्ते, एम. अहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19बी है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ऑर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 28-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 शी प्रनब क्यमार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री जुगल कि कोर खेताबट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६ सं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

19ए और 19बी, शरत बोस रोड, कलकत्ता। 4के-11-छ-9 वर्ग फीट ज्मीन पर मकान। (1/6 शेगर)

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहागक आयंकर आध्कत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारील : 16-4-1982

# प्रकृष कार्यः दीः एन् एस्.-----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 16 अप्रैल 1982

रौफ. नं. 1069/एसीक्यू. आर-।।1/82-83--अतः मुभ्मे, एम. अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19बी है तथा जो शरत बोस रोड, कलकता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिकल रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय को वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए. और/वा
- (क) ऐती किती जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त क्विक्तयों, अर्थात्:——
7—76 GI/82

श्री प्रनुब कुमार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री जुगल किशोर खेताबट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जिम्हिनयम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुसा ह<sup>3</sup>।

# अनुसूची

19ए और 19बी, शरत बोस रोड, कलकत्ता। 1बी-13कें-14छ-25 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/6 शेयर)

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख: 16-4-1982

प्ररूप आईं. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

काय लिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

नं. 1070/एसीक्यू. आर-।।।/82-83-**-**अतः मुभ्ते, एम. अहमद, **भा**यं∵र भ्रषिनियम, 1961 (1991 का 43) **(**जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 19ए और 19बी ही तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1981 को पर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिय की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक

**रूप** में किश्यत नहीं किया गरा है:---

- (क) अन्तरण प हुई किसी अप की बाबत, अअप अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बाबस, उक्त को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रस्व क्यार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री ललित कामार खेताबट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भी तर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

19ए और 19बी, भरत बोस रोड, कलकत्ता। **1बी-13के-**14 छ-25 वर्ग फीट जमीन एर मकान। (1/6 क्षेयर)

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।।।, कलकत्ता-16 -

तारीब : 16-4-1982

.

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

रीफ. नं. 1071/एसीक्यू. आर-111/82-83--अतः मुक्ते, एम. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं. 19ए और 19बी है तथा जो शरत बोस रोड, कलकरता मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मंं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री प्रनेब क्मार चाटाजी और दुसरा।

(अन्तरक)

2. श्री प्रह्नलाद राय स्रोताबट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवािक्स सम्पत्ति के अर्जनृ के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मध्यकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

19ए और 19बी, शरत बोस, रोड, कलकत्ता। 1बी-13के-14 छ-15 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/6 होयर)

> एम. अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख: 16-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

रौफ. नं. 1072/एसीक्यू. आर-।।।/82-83--अतः मूफो, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19बी है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 28-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री प्रनुब कुमार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री सजन करमार अजितसारिया।

(अन्तरिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

19ए और 19बी, शरत बोस रोड, कलकत्ता। 1बी-13के-14 छ-25 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/6 शेयर)

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारीव : 16-4-1982

अरूप आर्द्द हो . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 16 अप्रैल 1982

रौफ. नं. 1073/एसीक्यू. आर-111/82-83—-अतः मुक्ते, एस. अहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 19ए और 19बी है तथा जो शरतबोस रांड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख 28-8-1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोध्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विवित्त में शास्त्रिक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्रनव काुमार चाटाजी और दूसरा। (अन्तरक)
- 2. श्री सूभन्द<sup>न्</sup> कुमार खेताबट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अससर्ची

19ए और 19बी, घरत बोस रांड, कलकत्ता। 1**बी-13के-**14 छ-25 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1⁄6 क्षेयर)

> एमं. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

नारीख : 16-4-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

ंरौफ. नं. 1074/एसीक्यू. आर-।।।/82-83—-अतः मुक्ते, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 19ए और 19बी है तथा जो शरत बोस राड़, कानकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कानकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1981

करे पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान द्रुपंतपल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य है उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृष से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अधीत् :—- 1. श्री प्रनव कुमार चाटाजी और दुसरा।

(अन्सरक)

2 श्री राधाश्याम अजितसारिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसूची

19ए और 19बी, शरत बोस रोड, कलकत्ता। 1बी-13के-14 छ-25 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/6 शेयर)

> एमः अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारील : 16-4-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

र फ . नं . 1075/एसीक्यू . आर-।।1/82-83---अतः मुभ्के , एम . अहमद ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19 बी है तथा जा घरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 28-8-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाचार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी धाय की बाबत उक्त धिंध-नियम के सधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या घ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 249-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ध्रधीम, निम्नजिखिन व्यक्तियों, अर्थात :—— श्री प्रनद्य कमार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री सुभेन्द् कुमार खेतावट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रजं**न <sup>के</sup> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में: 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

19ए और 19बी, शरत बोस रांड, कलकत्ता। 4के-11 छ-9 वर्गफीट जमीन पर मकान । (11/6 शोयर)

एम. अहमद सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, कलकत्ता-16

नारी**स** : 16-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

रौफ. नं. 1076/एसीक्यू. आर-।।।/82-83---अतः मुक्ते, एम. अहमद,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19 बी है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधि। यम की धारा 269-ग के अनूसर्प में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकत स्थितियों, अर्थात्:-- श्री प्रनब कुमार चाटाजी और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री राधाश्याम अजितसारिया।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना आरी करके पूर्वोधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

19ए और 19बी, शरत बोस रोड, कलकत्ता। 4के-11 छ-9 वर्गफीट जमीन पर स्कान।

एम. जहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, कलकत्ता-16

तारीच : 16-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायिनय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जाग राजा, कालकता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

रौफ नं 1077/एसीक्या आर-111/82-83--अतः भूके, एम अहमद,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 19ए और 19 बी है तथा जो शरत बोस रांड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 28-8-1981

मो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रिक्षित प्रक्षिक है ग्रीर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी थार की बाबत, उक्त भाषिक नियम के श्रशीत कर देने के श्रस्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-8-76 GI/82

- श्री प्रनब कर्मार चाटाजी और दूसरा। (अन्तरक)
- श्री सुभन्दा काुमार खेताबट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

## अनुसूची

19ए और 19बी, भरत बोस रांड, कलकत्ता। 4के-11 छ-9 वर्गफीट जमीन पर मकान। (1/6 शेयर)

> सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-।।।, कालकाता-16

तारी**ल** : 16-4-1982

प्रकृप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नक्षे दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/756---अतः म्भे, एस. आर. गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000 रुस्से अधिक है

और जिसकी संस्था 41, है तथा जो रिग रोड, लाजपत नगर, नई विष्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के तिस्तः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री सत्या भूषन मृपूत्र डा . क्युल भूषण द्वारा रिज-स्टर्ड अटानी डां. इन्द्र भूषण।

(अन्तरक)

2. श्री मुरज प्रकार, श्री सुधीर भसीन और श्री सुशील भसीन, निवासी-41, रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी श्र्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

#### अन्स्पी

प्रो. नं. 41-रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली 1/4 हिस्से।

एस . आर . ग्प्ता ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। , नर्झ दिल्ली-110002

तारीब : 19-4-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोध सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/765—अतः मुफो, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है जौर जिसकी सं. बी-41 है तथा जो निजामुब्बीन इस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख अगस्त-81 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री कुल भूषन कपूर, निवासी-डी-21, निजामु-बीन इस्टि, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)
  2. श्री फोजल इबाहिम अलकाजी, ए-28, निजामुदीन
  वेस्ट, नर्इ दिल्ली।
  (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, आे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

2-1/2 मंजिला निवासीय मकान नं. बी-41, निजामुदीन इस्टि, नई दिल्ली, क्षेत्र 200 वर्गगज, (167 वर्ग मीटर)।

> एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।, नर्हा दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

## प्ररूपु नाइरे. टी. एन्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नर्द दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद<sup>र्</sup>श मं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/852--अत: म्फे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-449, है तथा जो डिफेन्स कालोनी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त-81

को पृथों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की निर्दृ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्गोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्च श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 सोसाइटी आंफ मोट. पाल, (जि. नं. 2707/ 65-66 दिल्ली) निवासी डब्ल्यू-128, ग्रॅंटर कौलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अजय कामार धवन, निवासी-डब्ल्यू-40-ए, ग्रैटर कौलाश-।, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

प्रो. नं. ए-449, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली एरीया-217 वर्ग गण।

> एम. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज्-।, नर्द्य दिल्ली नर्द्य दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद $^{x}$ श सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/853—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-448, है तथा जो डिफेन्स कालोनी, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अभिन्त-8।

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गिया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अप्तः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तित्यों, अर्थात्:--  सोसायटी आंफ सेन्ट पाल, रिज. नं 2707/ 66) दिल्ली निवासी-डब्ल्यू-128, ग्रैंटर कौलाश-2, नई दिल्ली-48।

(अन्तरक)

2. श्री लिलत मितल और उनकी पत्नी श्रीमती वीपा मितल, निवासी-ई-22, ग्रीन पार्क, नई विल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया: गया है।

## अनुसुची

प्रो. नं. ए-448, डिफेन्स कालोनी, नद्द विल्ली, एरीया-217 वर्ग गज।

> एस आर गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नर्झ दिल्ली-110002

तारीच : 19-4-1982

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-।, नद्दं दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/732--अतः मुक्ते, एस. आर. गूप्ता, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये मे ग्रधिक है और जिसकी मं, सी-540 है तथा जो डिफेन्स कालोनी, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81 को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बर्ह प्रतिशत ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत श्रायकर भ्रधि~ नियम के श्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपामे में स्विधा के लिए;

भ्रतः, भव, उक्त श्रंधिनियम की घारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त श्रंधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- ग्रूप कैंग्टेन एस. एस. आनन्व, पूराना पता-सी-540 डिफन्स कालोनी, नह विल्ली, वर्तमान पता-नं. 4, सी ग्रीन, वलीं, सी फोस, बम्बे-18।
- मैं गोपाल दास इस्टोट्स और हाउसिंग (प्रा. लि.)
   28-बाराखम्बा रोड, कनांट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# नगत्त्रभी

मकान नं. सी-540, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली एरीया-325 वर्गगंज।

> एस . आर . गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। , नर्हा विल्ली-110002

तार<del>ीब</del> : 19-4-1982

## प्रारूप आर्ब.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-।, नर्झ विल्ली
नर्झ विल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निर्वोष सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/763--अतः मुभ्ने, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं 15-1/59, है तथा जो डब्ल्यू-ई-यू-ए, करांन बाग, मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्क दिल्ली में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ,तारीस अगस्त-81

को पृश्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की दिं है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफाल से, एसे देश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्नरण में हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए।

अतः शव, उक्त अधिभियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभागा (1) के अधीन निस्तिविद्य क्यूनिस्तुयों, अर्थात् ६—-

- श्रीमती इन्दरवती पत्नी स्वर्गीय श्री बिहस्त्रा नाथ,
   15-ए/59, डब्ल्यू-ई-ए-काराल बाग, नई दिल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्री सुभाष चन्दर सुपुत्र श्री भगवान दास और श्री जग-दीक चन्दर (माइनर) सुप्त्र श्री भगवान दास, 15-ए/54 डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, रहं दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### जनसंची

प्रो. नं.  $15-\frac{\pi}{59}$ , डब्ल्यू-ई-ए करोल बाग, नई दिल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आइ<sup>5</sup>.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई विल्ली

नक् दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोध सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/809—जतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सावरपुर, मेहरौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्ट-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :—  मैं. इंदिय चन्द गृप्ता सृपृत्र श्री राम चन्द गृप्ता और चौधरी हरी चन्द सृपृत्र श्री निहाल चन्द निवासी-ए-11, ग्रैंटर कौलाश इनक्लेब, ग्राम-तुगलकाबाद (अलग-अलग)।

(अन्तरक)

 डीवाइन युनाइटडे और्गनाजंशन, श्री सन्त योगाश्रम, हांस मार्ग, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 8 बिघे 13 बिश्वे, ससरा नं. 430/1(2-11), और 431/2(6-2), ग्राम-सादरपूर, मेरहौली, नर्दे दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली-110002

तारील : 19-4-1982

प्रकप आइ<sup>६</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नहीं दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निविधा सं. आर्थः ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81-808--अतः मुभ्ने, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

269-**स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का** कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सावरप्र, महरौली नर्ष दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ष दिल्ली में रिजस्ट्रीक स्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरे/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

9-76 GI/82

 मं. सतलज भट्टा कां. 23/2, युस्फ सराय, नर्षा दिल्ली द्वारा इट्स मैनेजी स्पार्टानर श्री इंदबर अन्द गण्ता।

(अन्तरक)

2. मे. डोबाइन युनाइटोड और्यनाइजंशन, श्री सन्त योगा-श्रम, हन्स मार्य, मेहरौली, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 24 बिघा 10 बिघ्ये, समरा नं. 365(3-8), 366मिन(2-1), 367(5-14), 366-िमन(2-15), 372(3-10), 374(1-14), 375(4-6), और 376मिन(1-2), ग्राम-सावरपुर, मेह्रौली, तहमील, नर्ह दिल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्द्र दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

# সাঃদাজা**र অधि**नियम, 1961 (1**96**1 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रध न सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नहीं दिल्ली

नडी दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोध मं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/822—अतः स्के, एस. आर. गुप्ता,

धायकर अधितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 284-घ के भगीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिनका उचित्र प्रवार मृत्य 25,000/-

रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवाशन, नई विल्ली में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली मा रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त-81

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लाम करने का कारण ते है कि यथ पूर्वोक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रद् प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तश्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए त्या एपा गया प्रतिकृत, निम्नलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित वें बाम्नविक कृष में कथिन नहीं किया गया है ——

- (कः) अन्तरण सेहुई किसी आय को बाबत उक्त अधिक नियम के श्रष्टीत कर देते के अन्तरक के दायिस्य में कमो करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए, श्रीर/या
- (३) ऐसो किमी ग्राप था किसी ग्राप ग्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीमित्यम 1922 (1922 भा । 1) या त्रका अधिनियम या धनकर ग्रीमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण पन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ग्रामा चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुमरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— श्री भगभाग सिंह, राम कल्यार, रामेक्टर और इवियर सिंह सृष्य श्री स्जान, निवासी-ग्राम-बिज-याशन, तहसील-संहर्गेली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष दोवी पत्नी श्री रामंदवर, श्रीमती ह्वा कार पत्नी श्री इंदिशर सिंह, श्रीमती मुरली दोवी पत्नी श्री राम कनवर और श्रीमती रिमाली पत्नी श्री भगवान सिंह, सभी निवासी-शाम-दिजवाशन, नर्दे दिल्ली।

(अन्सरिनी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए एतसुद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के पाताज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत का बिन में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
    45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ने
    हितबद्ध किसं धन्य व्यक्ति द्वारा, धांत्रहरताक्षरी
    के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडिशेकरण :--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 17 विघे और 3 विश्वं, रोक्ट नं. 67, किला नं. 13(4-16), 14(4-16), 17नार्थ(2-08), 18(4-16), और 28(0-07), ग्राम-विजयाद्यात, मंहरौली, नर्द दिल्ली।

एस. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दाश मं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू. / 1 / एस-आर-3/8-81/825—अत: म्फ्रें, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसको सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राप्त-विजयाशन, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुकें यह विश्वास के रने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल के लिए अन्तरित की दिई है और मूके यह विश्वास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी आयः या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

- चान्वगी राम, मूचतीया और प्यारं, मृषुत्र श्री सूभ राम, निवासी-ग्राम-विज्ञालन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली गुनियन टारीटोरी आंफ दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 मी. सूरक कान्सट्क्शन एण्ड इस्टोट्स प्रा. लि. 115 अंसल भवन, 16-के.जी. मार्ग, नर्ड दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशंकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 19 विश्वं और 4 विश्वं, रोक्टॉगल नं. 36, किला नं. 4(4-16), 5(4-16), 7(4-16), और रॉक्टॉगल नं. 7, किला नं. 24/2(1-16), और 25/2(3-00), स्थापित रोवन्यु इस्टोट ग्राम-विजयाशन, नई दिल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 19-4-1982

गोहर:

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. ------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नर्ड दिल्ली नर्ड दिल्ली. दिनांक 19 अर्थन 1982

निद<sup>4</sup>श सं. आई. ए. सी. एक्यू./।/एस-आर-3/8-

81/823--अतः स्के, एस. आर. ग्प्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ली है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अगस्त-81

को पूर्विका सम्पतित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की निर्दे हैं और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत संपतित का उचित बाजार मूल्य . उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सृतिधा के लिए; सीद/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री भगवान सिंह, राम कान्यर, रामदेशर और ईविस सृष्ठ श्री सृजान, नियासी-ग्राम-बिजवाझन, नई दिल्ली, तहसील-मेहराँली, यूनियन टोरीटोरी, (अन्तरक)
- मै. दीपिकिस्ता इस्टोट्स प्रा. लि., 115 अंसल भवन, 16-के.जी. मार्ग, नर्झ दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी क्यं क्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 19 बिघं और 4 बिघ्वे, रॉक्ट. नं. 6, किला नं. 11(4-16), 20(4-16), रोक्ट नं.-7, किला नं. 15(4-16), 16(4-06), और 27(0-10), स्थापित राजन्यु इस्टोट ग्राम-जिजवाबन, नर्झ दिल्ली।

> एस. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-१, नई बिल्ली-110002

नारोख: 19-4-1982

महिर:

# प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नर्हा दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982 निदर्श सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/8-81/773--अत: मुक्ते, एस. आर. ग्प्ता, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 / रत. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-स्लतानपुर, नर्द विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती शकुन्तला महन्त पत्नी श्री कें. डी. महन्त पी/ओ-मै. शकुन्तला अपार्टमेंट, 25-कम्यूनिटी सन्टर, इंस्ट औफ कीलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती हरिन्दर निहाल सिंह पत्नी श्री बी. एन. सिंह निवासी सी-193, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मे से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि ससरा नं . 76(4-8-1/2) , 77(0-10) , ग्राम-सुलतानपुर, तहसील मेहरौली, नर्ड दिल्ली (लगभग एक एकड़)।

एसः आरः गेप्ता सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

माहर:

प्ररूप ब्राई० टी॰ एत० एस०---

# भ्रायकर प्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 26**9-थ (1**) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद्धिंश सं. आई. ए. सी./एल्यू./।/एस-आर-3/8-81/772—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता, आयक्र प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् वना प्रिवित्यम कहा गया है), की धारा 269-ख के अयोग सत्तर गात्रिकारों की गई विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्बद्धि जित्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सुलतानपुर, तह-सील-महरौली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, तारीक अगस्त-81

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बातार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐवे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्दर प्रतिगत आधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितयों) के कोच ऐसे मन्तरण के लिए ना पाम पथा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि -नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उसी बचने पं गुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या भ्रत-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

शी कं. डी. महन्त सूप्य श्री एस. डी. महन्त, पी/ओ-मी. शकुन्तला अपार्टमीट 25-कम्युनिटी सन्टर, ईस्ट औफ कौलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सूरांन्द्र निहाल सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस. गूर-मुख सिंह निवासी-सी-1, दीवान श्री अपार्टमेंटिस, 30-फिरोजेशह रोड, निर्दादिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन केः लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा अधोद्धस्ताक्ष ं न पास सिखित में किये जा सर्केंगे।

स्ववटोकरण:---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रक्षित-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही: अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# भ्रनुमूची

कृषि भूमि क्सरा न . 75(3-16), 80(1-3), 70(0-6) ग्राम-मुलतानपुर, तह्मील-महर्गौली, नर्छ दिल्ली। अभिकतम-एरीया-1 एकड़।

> एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिशांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3 8-81/775—-अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-स्वतान पूर, नर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

- 1. थी एस. कं. साहनी स्पृष्ट थी आर. एव. साहनी पार्टनर औफ में. शक्तुन्तला अपार्टमोट्स, 25-कम्युनिटी सन्टर, इंस्ट औफ कौलाश, तर्इ दिल्ली। (अन्तरक)
- हरांन्दर निहाल मिंह सृप्त्र स्वर्गीय श्री एस. ग्रमुख निहाल सिंह निवास सी-193, डिफोस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना रूजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि समरा र्ग : 33(0-3) , 32(2-8) , 31(0-15) 79(1-7) , 34(0-6) , 19(4-16) , 18/2(4-2) , 20/2(2-4) , ग्राम-मूलतानप्र , नर्ष दिल्ली अप्रोवसीमंटली 3.5 एकड़।

एस. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि-।, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख : 19-4-1982

भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

# ब्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।, नर्झ दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आर्ड. ए. मी. /एक्स्यू. / 1/एस-आर-3. 8-81/774—-अन मुक्ते, एस. आर. गुप्ता, प्रायक्तर प्रिवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (निमे इसमें इसके गण्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गणा है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति कियका उन्ति बाजार मृख्य 25,000/- क से प्रधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम मुलतान पुर, तहसील मेहरौली, नर्ह दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

(1908 को 16) के अधान, तारास अगस्त, 1981 को पूर्वीक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्राक्षफल के लिए अन्तरित की गई है पीर मुझे यह किण्याम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित घड़ेश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त काधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कर्म! करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर यधितियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में ,में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री एस. के. साह्नी स्पृत्र श्री आर. एस. साह्नी पार्टाचर और की. श्रक्तान्तला अपार्टाचेट्स, 25- काम्युनिटी सन्टर, इन्टि औफ कौलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री हिरिन्दर निहाल सिंह सुपृत्र स्वर्गीय श्री एस.
  गुरमुख धर्मपत्नी श्री बी. एस. सिंह, न्विसी सिंह
  निवास, मी-193, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज का में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पर्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही श्रर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

कृषि भूमि ससरा तं. 33(0-3), 32(2-8), 31(0-14), 78(1-9), 77(4-6), 76(4-8-1/2), 68(0-6), 64(0-6) ग्राम सुलतानपूर, तहसील मेहरांती, नर्द विल्ली (लगभग वर्ग एकड्र)।

एस. आर. गृप्ता मक्षम प्राधिकारी, सहायक क्रायकार श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्द टिह्ली

तारीख : 19-4-1982

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/828—-अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. बरसाती (इ-48) है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाडद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के के अधीन विम्निलिखिङ स्पीतियों. अभीत् :---

 श्री गुरदोव सिंह, सकान नं 52, स्ट्रीट नं 42 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कामला नकारा, निवासी-जे-5/118, राजोरी गार्डोन, नर्झ विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

दूसरी भंजील पर बरसाती, मकान नं. ई-48, ग्रेटर कैनाश-2, नई दिल्ली।

> एस. आर. ग्प्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्झ दिल्ली

तारील : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नक्ष्मीदल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निव $^{3}$ श सं. आई. ए. सी./एक्य्./1/एस-आर-3/8- 81.897—अत: मुफं, एस, आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. एस-82, है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-81

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक है दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री के. सी. बाली, सृप्त श्री डी. एन. बाली, निवासी-बी-ई 11-बी, डी. डी. फ्लंटस म्निकर्त, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री मुखदंव सिंह गोहल द्वारा अटारनी श्री हरिक शन सिंह गोहल, निवासी 6/89-90, मालविय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## अनुसूची

प्लीट नं. एच-82, कालकाजी, नई दिल्ली।

एस. आर. गप्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, न**र्ह** दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रेंस 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/900—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-41, है तथा जो होज खास नई दिल्ली सं स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्ट-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती राज रानी भन्डारी पत्नी स्वर्गीय श्री देश मितर भन्डारी, निवासी डी-56, हाजिलास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गा प्रसाद भारद्वाज सुपुत्र श्री पंडीत श्रीधर, निवासी-डी-4, पंपोस इक्क्लेब, नर्ह दिल्ली। (अन्तरिती)

(अन्तारता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

सिंगल स्टारी सकान फ्री हाल्ड प्लाट नं. ए-41, क्षेत्रफल-311 वर्ग गज, होजसास, नई दिल्ली।

> एस आर. गप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

तारीख : 19-4-82

माहर :

प्रस्प आई. टी. एन. एस.----

अत्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नर्क दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षः सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/859—अतः मुभे, एस. आर. गुप्ता,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00^/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 82, ब्लौक बी है, तथा जो सर्वोदय इन्कलेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ब का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अधीत :--

- श्री के. सुन्दरम सुपुत्र श्री एस. आर. कृश्णास्वामी, निवासी-बी-82, सर्वोदय इनकलेव, नर्इ दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रूमाली देवी निवासी-ग्राम-असोला, मेहरौली नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कार्ष्ट भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो'. /प्लाट नं. 82, ब्लीक नं., 'बी', एरीया 404 वर्ग-गज, सर्वोदय इनकलेव, नर्इ दिल्ली।

> एस आर. गृप्ता सक्षम झिंघकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारील : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्ष सं आई. ए. सी /एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/746--अतः मुक्तं, एस. आर. ग्प्ता,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ई-222, है तथा जो न्यु राजीन्दर नगर, नई विल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकार्य अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहूर्ण किसी आय की आश्रत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।

- श्री भग्त राम मोहनजी सुपृत्र श्री हुकम चन्द निवासी-ई-222, न्यू राजीन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. पी. बी. दुगल मृपुत्र श्री बी. आर. दुगल, निवासी आर-561 ,शंकर रोड, नइ दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वा क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>6</sup>।

## अनुसूची

सरकारी बिल्डींग क्वाटर नं. ई-222, न्यु राजीन्दर नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-128 वर्गगज।

> एसः आरं. गृप्तां सक्षम ग्रिधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉजना, नई दिल्ली

तारीख: 19-4-82

प्रारूप नाई. टी. एन. एस्. ----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नर्द दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दांश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/884—अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं. बी (एफ-एफ) है तथा जो एस-455, ग्रैटर के लाश-2, नर्झ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल में एसे द्श्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कीथत महीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :——  मै. साउथ दिल्ली इरोक्टर्स प्रा. लि. 23/2, यूसफ सराय, नई दिल्ली द्वारा डाइरोक्टर श्री परिवन गुप्ता।

(अन्तरक)

 कौप्टोन यसपाल सिंह परमार और कौप्टोन राजेश सुद निवासी-आर-149, ग्रेटर कौलाश-।, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेंट नं. **बी (एफ-एफ)** क्षेत्रफल-1080 वर्ग फिट भाग प्रो. नं. एस-455, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली।

> एसः आरः गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकार भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-।, नहीं दिल्ली

तारी**ल** : 19-4-82

## प्ररूप वाहाँ . टी . एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) **के अधीन सूच**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद<sup>\*</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/885—अत: मुक्षे, एस. आर. ग्प्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ह

और जिसकी सं. फ्लट नं. बी (जी-एफ) है तथा जो एस-453, ग्रेटर के लाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (प्रन्तिगों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्तिचित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं साउथ दिल्ली इरंकटर्स प्रा. लि., 23/2, युसफ सराय, नई दिल्ली द्वारा डाइरंक्टर श्री परवीन गुप्ता।

(अन्तरक)

2. श्री सतीन्दर सिंह पूनिया सुपृत्र श्री इन्दर सिंह पूनिया और जीतिन्दर ग्रंबाल पूनिया पत्नी सतीन्द सिंह पूनिया निवासी-654, गुरदेश नगर, लूधीयाना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी यन्य व्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लंट नं. बी. (जी-एफ) क्षेत्रफल 1109 वर्ग फिट, पार्ट औफ प्रो. नं. एस-455, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली।

> एसः आरः ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी महायकः भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्हा दिल्ली

तारी**व** : 19-4-82

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड, ए. मी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/886—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-(जी-एफ) है तथा जो ए-455, औटर कौलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

त्रतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :--

 मी. साउथ दिल्ली इरंकटर्स प्रा. लि., 23/2, युसफ सराय, नई दिल्ली द्वारा डाइरेक्टर श्री परवीन गुप्ता।

(अन्तरक)

 श्री पुष्पीन्दर मोहन सिंह ग्रंबाल सुपुत्र श्री सरदार इन्दर मोहन सिंह ग्रेबाल निवासी-654 गुरदोव नगर, लुधीयाना।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां क्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लंट नं. ए (जी-एफ) प्रो. नं. एस-455, ग्रंटर कीलाश-2, क्षेत्र-880.88 वर्ग फिट, नई दिल्ली।

> एसः आरः गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१, नई दिल्ली

त्रारीख : 19-4-82

भोहर:

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।, नर्ह दिल्ली
नर्ह दिल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/780—-अतः मुभ्हे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-6/19, है तथा जो वसंत विहार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिष्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एक्स्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के के अधीन निम्मलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री विरंदेवर भटाचारीया, निवासी-ए-6/19, वस्ति विहार, नई विल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्री एपकरन छाबा, निवासी-एफ-10/10, वसन्त विहार, नई दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हिातबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुस्ची

मकान नं. ए-6/19, एरीया 250 वर्ग गज, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

एस . आर . गृप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली

तारी**ल** : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभिन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नर्ष विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्वोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/262—अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से खिक है

और जिसकी सं. ससरा-268/84 है तथा जो ग्राम-साउथ भाराधा, इलाका शाहदरा, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81 को पृत्रीकत सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गंबा प्रतिफाल का निम्निजिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मृत्यूरण से हुई किसी भाग की बाबत, सक्त मिन नियम के अधीन कर देने के अन्त्यूरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए एएए/या
- (स) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: --

 श्री गुरचरन सिंह और श्रीमती चरनजीत कार, निवासी-ए-57, ओचराए अपार्टमेंट, अलीपूर रोड, दिल्ली।

1, " 10161

(अन्तरक)

 श्री किरन कुमार मेहरा और महिन्दर कुमार मेहरा, निवासी-513/8, गली दोवलोक गांधी नगर, दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, भो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के झड्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उन अब्याय में दिया गया है।

#### अन्त्रची

पार्ट औफ समरा नं. 268/84/1, निवासीय कालोनी-भित्तिकारन्जा, एरीया ग्राम-साउथ चाराधा, इलाका शाहदरा, दिल्ली (क्षेत्रफल 278 वर्ग गज)।

एसः आरः गप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जक रॉज-।, न**र्ह दि**ल्ली

तारीख : 19-4-82

## प्ररूप भाई**० ठी० ए**न० एस०--

## बायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, नर्हा दिल्ली

नक्क दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/890---अतः मुभ्ते, एस. आर. गुप्ता, धायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममें

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका मिलिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रूपए से मिक्क है

और जिसकी सं. एच-एस-27, है तथा जो कौलास कालोनी, नहीं दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या घन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्तः प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, प्रयात् :--

- श्री नरोन्द्र कुमार गृप्ता और ओम परकाश गृप्ता स्पृत्र श्री रतन लाल गृप्ता निवासी-एन-99, ग्रेटर कौलाश-1, नद्दा दिल्ली रतनी दोवी ट्रस्ट द्वारा इट्स ट्रस्टी। (अन्तरक)
- 2. श्री गंगा धर पोदार सुपुत्र श्री सागर मल, निवासी-एफ-3, कैलाश कालोनी, नर्ह दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वडटीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहा श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### श्रमसंबी

2-1/2 स्टोरेड म्कान नं. एच-एस-27, कौलाश कालोनी, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रज-।, न**र्ड** दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-82

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, नई दिल्ली

नर्द विल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निदंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/751—अतः मुभ्ने, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जी-10, है तथा जो निजामुदीन वेस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वों कत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, जिम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

श्री करनल के. गुमान सिंह सुपुत्र श्री राजधीराज अमर सिंह और कनवारमी आनन्द कनवार पत्नी करनल के. गुमान सिंह, निवासी-संतोष कुटीर राम्बुल राड अजमेर (राजस्थान)।

(अन्तरक)

2. श्री अभिनन्दन कुमार जैन सुपृत्र स्वर्गीयं श्री मूंशी लाल जैन और श्रीमती साबित्री जैन पत्नी श्री अभिन नन्दन कुमार जैन, निवासी-सी-143, डिफेंस कालोनी, नहीं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांह भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस छ 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जी-10, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली 200 वर्ग गजा

एस. आर. गृप्ता स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रंज-।, नर्इ दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ष (1) के अधी**न स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्ड दिल्ली

नर्क दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवास मं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/903—अतः म्फो, एम .आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. डी-56, है तथा जो हाँज खास इनकलेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-81

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—  श्रीमती मोहन देवी पत्नी श्री मृत राज दुगल, निवासी डी-56, हाँजेखास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती इन्द्रा गुप्ता पत्नी श्री आनन्द परकाश गुप्ता निवासी-191, शाहपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मकान नं डी-56, क्षेत्रफल-272-1/5, वर्ग गज, हाजिखास इनकलेव, नर्दा दिल्ली।

> एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-82

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, नद्दे दिल्ली नर्द्द दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्क्. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/847—अतः मुक्षे, एस. आर. ग्प्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर-619 है तथा जो न्यू राजेन्दर नगर, नहीं दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त, अणिभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री धरमपाल कुम्रोया सुपुत्र श्री लक्षमन दत्त कुम-रीया, निवासी - मकान नं 3365, सेक्टर 32-डी, चन्डीगढ़।

(अन्सरक)

 श्री निवन चन्दर आहुजा सुपुत्र श्री संगल सेन आहुजा,
 अशोक कुमार आहुजा सुपुत्र श्री मंगल सेन आहुजा निवासी-एच-450, न्यू राजेन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

2-1/2 स्टोरेड बना हुआ मकान नं . आर-619, न्यु राजेन्दर नगर, नई दिल्ली (क्षेत्रफल 238 वर्ग गज)।

> एस . आर . गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कुर्जन रोज-। , नई दिल्ली-110002

तारीय: 19-4-82

**प्रकृप भार्य** टी॰ एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269∋म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निंदोंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/858—अतः म्फे, एम. आर. गुप्ता,

धायकर प्रधितियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिम हा उचित वाजार मूख्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. 111-1/43, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (औ रइससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पृथितिस संपित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिकल, निस्नलिखित उद्देश्य से उवन प्रस्तरण लिखिन में मास्त-विक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उकत प्रधि-वियम के भ्रभीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या वनकर भिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए।

श्रतः अव, उक्त ग्रीवानियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. (1) श्री विरान्दर कामार सूद निवासी-111-1/43 लाजपत नगर, नहीं दिल्ली, (2) श्री विश्विमन्दर कामार सूद, निवासी-111-1/43 लाजपत नगर, नहीं दिल्ली, (3) श्रीमती उद्या किरन सूद निवासी बी-122, कालका जी, नहीं दिल्ली, (4) श्रीमती उमा खाना निवासी-11-ए/15 आही. ए. आर. कालोनी, प्सा, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

2. राजेश महिता, (2) रमेश महिता, (3) श्रीमती निर्माला महिता, सभी निवासी-10/2458, करोल बाग, नर्द विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी धार्कप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

1-1/2 स्टोरेड बिल्डींग बना हुआ, क्षेत्र 200 वर्ग गज, 111-1/43, लाजएत नगर, नई दिल्ली।

एस आर ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) इर्जन रॉज-। , नई दिल्ली-110002

तारील : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्य./1/एस-आर-3/8-81/850--अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. 19 (एफ-एफ) है तथा जो ए-30 से ए-33, कानाट प्लंस, नई दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनसची में पर्ण रूप से वर्णित से वर्णित हैं), रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उबदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को कायित्व में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. में. इमका कन्सदृकशन का., 24/24 अंसारी रोड दरीयगंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री तुलसी परसाद एण्ड संस (एच-यू-एफ) बुवारा कर्ता श्रीमती केला देवी, निवासी-काला भवन, शक्ति नगर, दिल्ली-७ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्योक रणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया **€** ≀

## अनुसूची

फ्लोट नं. 1, प्रथम मीजील, प्रो. नं. ए-30 से ए-33, कनाट प्लंस, नई दिल्ली।

> एस आर गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण) अर्जन रौज-।, नहीं दिल्ली-110002

नारीण : 19-4-82 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के अभीन सुमना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली

न**र्इ** दिल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982 निर्देश सं. आर्डे. ए. सी./एक्स्यू./1/एस-आर-3/8-81/905—अतः म्फे, एस. आर. गुप्ता,

शयकर प्रिविनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- प्रपट से प्रक्रिक है

और जिसकी सं. 103 (के-15), है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स-टेन्शन, नहें दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक तां अधिकारी के कार्यालय, नहें दिल्ली में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री मिनन्दर सिंह सी/आ मै. पाल एण्ड एसोसीएट्स,
 12, रोगल विल्डीग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री सुभाष चन्द्र सभलांक, 1216, गुलचमन स्ट्रीट, लुधीयाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजएवं में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>2</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं. 103, और कावर्ड पाकींग एरीया बिल्डींग के-15 ग्रीन पार्क, एक्सटेनशन नई दिल्ली, ग्राउन्ड फ्लोर कवर्ड लगभग 650 वर्ग फिट के साथ अविभाजीत भूमि का हिस्सा।

> एस. आर. गप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-12-76 GI/82

तारील : 19-4-82

प्ररूप बार्इं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदांश सं. आहा. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/896---अतः मुके, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 27, ब्लौक 'डी' है तथा जो ग्रीन पार्क, नर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीक अरस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितियाँ व उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखिति व्यक्तियों, अर्थात:——

 श्री प्रदीप कुमार सना एडाप्टिंड सुपुत्र स्वर्गीय श्री देवी प्रसाद सना, निवासी-584, कटरा नील, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं. इमका कन्ट्रक्सन क. -24/24-अंसारी रांड, वरीया गंज, नई दिल्ली द्वारा मोल प्रोपराइटर श्री महाबीर प्रसाद सुपुत्र श्री राधा कृशन गुष्ता द्वारा अटारमी श्री कृशन कुमार गुष्ता सुपुत्र श्री एम. पी. गुष्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण:—हसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लाट नं. 27 ब्लीक 'डी' स्थापित निवासीय कालोनी ग्रीन पार्क, नर्झ दिल्ली, क्षेत्रफल-491 वर्ग गज।

> एस. आर. एप्ता : ीर्रेटी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नष्ट दिल्ली-110002

तारीय : 19-4-82

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोध सं. आ**र्ड**. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/776--अत: स्फे, एस. आर. ग्प्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एम-78, है तथा जो ग्रंटर कौलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्मूची मे पूर्ण रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त-81

को पूर्वाक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिग्रत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क़ो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

- श्रीमती प्रभा बगर्ड, निवासी-1-ए, हस्पीटल रोड, जंगपुरा, नर्ड दिल्ली।
- (अन्तरक) 2 श्रीमती जोगीन्दर कॉर, निवासी-सी-257, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लाट नं. एम-78, 500 वर्ग गज, ब्लौक-एम, स्थापित ग्रेटर कौलाश-।, नई दिल्ली।

> एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, नर्हा दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्ण) अर्जन रोज-१, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैन 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/993—अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता, बायअर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. के /54 /ए ही तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील सितम्बर-81

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्निसिस्त व्यक्तियों अभितः—

- श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री हरी राम सोनी निवासी-के/54/बी, कालुका जी, नई दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. श्री प्राण नाथ कोहली सुपुत्र स्वर्गीय श्री किशन चन्द
- 2. श्री प्राण नाथ काहली सुपुत्र स्वर्गीय श्री किशन चन्द कोहली निवासी-2127 कटरा मेहरपुरवार, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सरकारी बना हुआ क्काटर नं. के $\sqrt{54}$  (ए), 100 वर्ग गज, कालका जी नहीं दिल्ली।

एस. आर. गृप्सा सक्षम मधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली-110002

तामरीय : 19-4-82

## प्रस्य नार्च .टी. एन्. एव् . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### शारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81 737—अतः मुभ्ते, एस. आर. गुप्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-83, ही तथा का डीफोंस कालांनी, नर्डा दिल्ली मी स्थित हैं (और इससे उपावद्य अतुष्यी को पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, नर्डा दिल्ली मी रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हूप से किंधत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंखत व्यक्तियों अधितः—

 श्री गुरकृपाल सिंह बेदी द्वारा अटानी जिटिका रछपाल सिंह बेदी और इकाबाल सिंह बेदी, निवासी-12-बी, माडल टाउन पटीयाला, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री एन. सी. केंग्स्वानी (2) विद्या केंग्स्वामी (3) परकाश केंग्स्वानी, (4) राजकामार केंग्स्वामी, (5) कमलेश केंग्स्वामी, निवासी-23/25, राजेन्दर नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्ित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुटला हुने।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की ववींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवाराश
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के शीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति ध्वारा वृध्यहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

बी-83, डीफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

एसः आरः गप्ता सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र<sup>र</sup>ज-।, नर्द्द दिल्ली-110002

तारीय : 19-4-82

## प्ररूप भारी, दी, एत्, एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नर्हा दिल्ली, दिनांदा 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/739---अतः मुभते, एस. आर. गप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. बी-83, है रिक्षा जो डीफोस कालोंनी, नर्ड दिल्ली से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

का पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दृह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री तरलोक सिंह बेदी व्वारा अटानी जिटिका रछपाल सिंह बेदी और इक बाल सिंह बेदी, 12-बी, माडल टाउन, पटीयाला।
- (अन्तरक)
  2. श्री एन. सी. केस्वानी (2) विद्यां केस्वानी, (3)
  परकाश केस्वानी, (4) राजकूमार केस्वानी, (5)
  कासलेश केस्वानी, निवासी-23/25 राजेन्दर नगर,
  रही दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

बी-83, डीफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

एस . आर . गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली-110002

तारीम : 19-4-82

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/735—अत: मुक्तं, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-83, है तथा जो डिफेस कालोनी, नहीं दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-82

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

 हरबनिसंह बंदी द्वारा आटानींज टिका रछपाल सिंह बंदी और इक बाल सिंह, 12-बी, माडल टाउन, परियाला।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एन. मी. कंस्वामी (2) विद्या कॅस्वामी, (3) परकाश केस्थानी, (4) राजकामार केस्थानी, (5) कमलेश केस्थानी, निवासी-23/25 राजेन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियां गया है।

## जनसूची

बी-83, डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली-110002

तारीब : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॉज-।, नक्ष दिल्ली नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

- आर्ड: ए. सी. /एक्य्. / 1 /एस-आर-3 / 8-81/738--अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससं इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. बी-83, है तथा जो डिफेंस कालोनी, नर्द विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्दा दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिदियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण पं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रीन निम्नृतिवृत्ति स्वित्याँ स्थितः

 श्रीमती जगजीत कार और इकबाल सिंह बेवी, 12-बी, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरक)

श्री एन. सी. केम्बानी (2) विव्या केस्वानी, (3) परकाश केस्वानी, (4) राजकामार केस्वानी, (5) कमलेश केस्वानी, निवासी-23/25 राजन्दर नगर, रह दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयावत शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

बी-83, डीफेस कालोनी, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-82

प्ररूप वार्ष: .टी. एन. एस. ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नद्दं दिल्ली

न**र्इ** विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982 निर्देश सं. आ**र्इ**. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/905—अतः मुभ्ते, एस. आर. गुप्ता,

जायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व्यप् से श्रीक है

और जिसकी सं. 103 (की-15), है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स-टोनशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री मनिन्दर सिंह सी/ओ मैं पाल एण्ड एसासीएट्स, 12, रीगल विल्डींग, संसद मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री सुभाष चन्द्र सभलोक, 1216, गुलचमर स्ट्रीट, लुधीयाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## जन्स्ची

फ्लंट नं. 103, और कावर्ड पाकींग एरीया बिल्डींग के-15 ग्रीन पार्क, एक्सटेनशन नई विल्ली, ग्राउन्ड फ्लोर कवर्ड लगभग 650 वर्ग फिट के साथ अविभाजीत भूमि का हिस्सा।

> एस. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12---76 GI/82

तारीख: 19-4-82

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली. दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मो. आर्ड. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/896—अत: मुफे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 27, ब्लैंक 'डी' ही तथा जो ग्रीन पार्क, नर्ड दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिय उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थातः—— 1 श्री प्रदीप का मार सना एड प्टिंड सुपुत्र स्वर्गीय श्री देवी प्रसाद सना, निवासी-584, कटरा नील, जान्दनी जीक, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै. इसका कन्द्रवसन क. -24/24-अंसारी रोड, दरीया गंज, नई दिल्ली द्वारा सोल प्रोपराइटर श्री महाबीर प्रसाद सुपुत्र श्री राधा कृशन गुप्ता द्वारा अटारमी श्री कृशन कृशन कृपार गुप्ता सुपुत्र श्री एम. पी. गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

#### अनुस्ची

फ्लाट नं. 27 ब्लीक 'डी' स्थापित निवासीय कालोनी ग्रीन 🛫 पार्का, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-491 वर्ग गज।

> एस. आर. गुप्ता १ ीर ी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन र्रज-।, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-82

प्ररूप वार्इ.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नहीं विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्ष मं. आई. ए. मी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/776—अतः मुक्ते, एम. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एम-78, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नर्ह दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त-81

को पृष्ठित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

- श्रीमती प्रभा बगर्झ, निवासी-1-ए, हस्पीटल रोड, अंगपुरा, नई दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. श्रीमती जोगीन्दर काँर, निवासी-मी-257, डीफेंस कालोनी, नर्झ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लाट नं. एम-78, 500 वर्ग गज, ब्लौक-एम, स्थापित ग्रेटर कैलाश-।, नई दिल्ली।

> एस. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली-110002

तारील: 19-4-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्द्द. ए. सी. ∕एक्यू. ∕1 ∕एस-आर-3/8-81 ∕993 – अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता, शायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ∎सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा

∎सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. के/54 ए ही तथा जो कालका जी, नर्ह दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय सितम्बर-8।

को पूर्वाक्त मंगित्त के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री हरी राम् सोनी निवासी-के/54/बी, कालका जी, नक्ष्मिल्ली।
- (अन्तरक)
  2. श्री प्राण नाथ कोहली सुपुत्र स्वर्गीय श्री किशन चन्द कोहली निवासी-2127 कटरा महेरपरवार, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सरकारी बना हुआ क्वाटर नं. के $\sqrt{54}$  (ए), 100 वर्ग गर्ज, कालका जी नक्क विल्ली।

एस. आर. गृप्ती सक्षम भिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली-110002

तामरीय : 19-4-82

## प्रक्य बाई . दी . एन् . एक् . --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### तारव तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोष सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8- . 81/737---अतः सुभे, एस. आर. गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम् प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्म्मति, जिस्का उपनित थाजार मूल्य 25,000 र. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-83, है तथा तो डीफोस कालोनी, नर्ह दिल्ली मो स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची को पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरों अधिकारी को कार्यालय, नर्ह दिल्ली मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वों वत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण को, मी, उक्त काँ भिन्म की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीन -

 श्री गुरकृपाल सिंह बेदी द्वारा अटानीजिटिका रछपाल सिंह बेदी और इक बाल सिंह बेदी, निवासी-12-बी, माडल टाउन पटीयाला, पटियाला।

(अन्तरव

2. श्री एन. सी. केस्वानी (2) विव्या केस्वामी (3) परकाश केस्वानी, (4) राजक मार केस्वामी, (5) कमलेश केस्वामी, निवामी-23/25, राजन्दर नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तिया
- (स) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन को तारीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बूड्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अन्स्धी

बी-83, डीफेंस कालोनी, नर्ड दिल्ली।

एस आर. गप्ता सक्षम ग्रीधकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रजे-।, नई दिल्ली-110002

तारीस : 19-4-82

## प्रकप भाइ. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नह दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/739--अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. बी-83, है तथा जा डोकेंस कालंकी, तर्द विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकिता अधिकारी के कार्यालय, नर्दा विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्ण निम्नलिखित उक्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषत व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री तरलोक सिंह बंदी द्वारा अटार्नीजिटिका रछपाल सिंह बंदी और इक बाल सिंह बंदी, 12-बी, माडल टाउन, पटीयाला।

(अन्तरक)

श्री एनं सी केस्वानी (2) विद्या केस्वानी, (3) परकाश केस्वानी, (4) राजक मार केस्वानी, (5) कमलेश केस्वानी, निवासी-23/25 राजेन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रथ्यत शब्दों और पदो का, जो उत्थत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अतस ची

बी-83, डीफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

एसः आरः गप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रॉज-।, नर्ह दिल्ली-110002

तारील: 19-4-82

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद्रिंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8- $81^{7}35$ —अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. बी-83, है तथा जो डिफोस कालोनी, नहीं दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीन अगस्त-82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के देव उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित, व्यक्तियों अर्थात्:—

 हरबनिसंह बंदी द्वारा आटानींज टिका रछपाल सिंह बंदी और दक बाल मिंह, 12-बी, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरक)

2 (1) श्री एन सी. कस्वामी (2) विव्या केस्वामी, (3) परकाश केस्वानी, (4) राजकमार केस्वानी, (5) कमलेश केस्वानी, निवामी-23/25 राजेन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

बी-83, डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रोज-।, नई विल्ली-110002

तारी**य** : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नहीं दिल्ली नहीं दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

ं सं. आर्इ. ए. सी. ∕एक्यु. ∕ 1 ∕एस-आर-3 ∕ 8-81/738--अतः सुक्ते, एस. आर. ग्प्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं बी-83, है तथा जो डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्वय, नर्ह दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81 की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया ह<sup>‡</sup>:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व भूधीन निम्मलिखित स्पक्तियों सुभृत्ः-  श्रीमती जगजीत कार और इकबाल सिंह बंदी, 12-बी, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री एन. सी. केस्थानी (2) विद्या केस्वानी, (3) परकाश केस्थानी, (4) राजक्मार केस्वानी, (5) कमलेश केस्थानी, निवासी-23/25 राजन्दर नगर, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## भनुसुची

बी-83, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

एसः आरः गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-82

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नर्द दिल्ली, दिनांटा 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/8-81/740---अतः स्के, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-83, है तथा जा डिफ्रेंस कालोनी, रहें दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण कप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुप्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्रीमती वंबिन्दर कार और टिका रछपाल सिंह बेदी, एच-2/4 आदर्श कालोनी, राजपुरा टाउन शिप, पटियाला।

(अन्तरक)

श्री एन. सी. केंस्वानी (2) विव्या केंस्वानी, (3) परकाण केंस्वानी, (4) राजकामार केंस्वानी, (5) कामलेश केंस्थानी, निवासी-23/25 राजन्वर नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बी-83, डीफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली-110002

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मॅ, मॅ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

13 -76 GI/82

तारीख : 19-4-82

मीहर :

## प्रकप बाई. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-।, नर्ड दिल्ली नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद<sup>र्</sup>श सं. आर्इ. ए. सी./एक्टी./1/एस-आर-3/8-81/736—अतः मूफो, एस. आर. गुप्ता,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं वी-83 है, तथा जो डिफेन्स कालोनी, नर्झ विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनिधम, 1908 (1908 धा 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्वर्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री जसपाल सिंह बेबी द्वारा अटानींज श्री टिका रखपाल सिंह बेबी और इकडाल सिंह बेबी, 12-बी, मोडल टाउन, पटियाला।

(ग्रन्तरकः)

श्री एन. सी. केस्वानी, (2) विद्या केस्वानी, (3) प्रकाश केस्वानी, (4) राजकामार केस्वानी, (5) कमलेश केस्थानी, निवासी 23/25, राजन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरही)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निर्मायत में किए जा सकर्म।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

बी-83, डीफींस कालोनी, नई दिल्ली।

एस. आर. ग्प्ता सक्षम प्राधिकारी सहायदः आयक्तर आय्क्त (भिरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोब : 19-4-1982

प्रकप नाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

्आर्डः ए. सी./एक्बी./1/एस-आर-3/8-81/952--अतः म्भे, एस. आर. ग्प्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं प्लाट नं 79 है, तथा जो अमृत नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दर्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्सरण से हुई िक सी बाय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

श्रतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1 श्री पिथीपाल सिंह सृपुत्र श्री परताप सिंह द्यारा श्रीमती पृष्पा मलीक पत्नी श्री डी. एन. मलीक, 11 एफ-102, लाजपत नीर, नई विल्ली।

(ग्रन्तरकः)

2. (1) श्री दया नन्द सुपूत्र श्री राम किश्चर, 11 एफ-102, लाजपत नारि, नई दिल्ली, (2) श्रीमती शशी अरोरा पत्नी श्री पी. जे. अरोरा, 11 एफ-101, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्यरिती)

को ग्रहसूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अदिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकीगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्लीट नं. 79, खसरा नं. 98 (भाग), अमृत नगर, कोटला मुबारकपूर, नई दिल्ली, क्षेत्र 200 वर्ग गज, स्थापित गन्दा नाला।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**स** : 19-4-1982

मोहरः

## प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ड दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं आर्घ. ए. सी./एक्बी./2/एस आर-2<sup>/</sup>8-81/6027——आराः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

प्रायक्तर व्यक्षिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवान् उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा 269 ज के प्रधीन समय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिनत बाजार मृह्य 25,000/ से अधिक है

और जिसकी मं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम कार्दापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्विक्त संपित्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफाल के लिए अन्तरित की दिं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित राजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त---रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्ती तोंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हथ में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर दैने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों,अर्थात्।—  श्री स्थरःप सिंह मृपुत्र श्री नरायण सिंह, ग्राम कादी-पुर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 डा. आतम जैन सुपुत्र श्री चेतन प्रसाद जैन, निवासी 27-बी/15, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली। (ग्रन्तर्गित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्पोत्त ६ अपीर की सम्बन्ध माँ का**र्ड भी आक्षोप.--**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-.बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

कृषि भूमि क्षेत्र 14 बिघे, 8 बिश्वे, ग्राम कावीपूर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्ष म पाधिकारी सहायक ग्रायकर १३०० (विर्वे ८९) अर्जन रोज-।, नर्दो दिल्ली-110002

तारीब : 19-4-1982

# 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आई. ए. सी. /एक्जी. /2/एम-आर-2 8-81/6096—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे म इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे सिधक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जं ग्राम बुरारो, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित है। गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन छद्देश ने उचन अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ध) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर गापकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रधितियम, या धनकर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री राम चन्दर स्प्त्र श्री रामजी लाल, निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली।
  - (अन्तरक)
- श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री चन्दर भान आहुजा, 0/59, मलका गज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कांई भी आक्षेय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी च मे 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दा श्रीर पदों का, जो उबक ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है '

#### सरमंची

भूमि (1-0) बिघा, रूसरा न. 826/1, एरीया, ग्राम ब्रारी, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोद : 19-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

म्रायकर प्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, रई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू.  $\frac{1}{2}$  एस. -आर. - $\frac{2}{8}$  81  $\frac{1}{6030}$  — अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भृमि हैं, तथा जो ग्राम कादीप्र, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अगरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिम्बित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; अधि / या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---  श्री स्थरत्य सिंह सुपुत्र श्री नरायण सिंह, ग्राम कादी-पुर, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

 रिशी प्रसान्त ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी श्री मोती लाल गुप्ता सुपुत्र श्री चिरंजीलाल गुप्ता, निवासी 16/73, पंजाबी बाग, नर्झ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अंन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्सूची

कृषि भूमि क्षेत्र 13 बिघे, 4 बिश्वं, खसरा नं. 762, 673, 678, 679 और भाग समरा नं. 641, ग्राम कादीपूर, विल्ली।

नरोन्द्र सिंहं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारील : 19-4-1982

प्ररूप आहर्: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, क्रइ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्वेश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2 एस. -आर. -2/8-81 6031—अतः म्फे, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक हैं और जिसकी सं. 4, खाता नं. 10 और 16 हैं, तथा जो रिष्ठी नगर, सक्रवस्ती, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण ख्य से बर्णित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित याजार सूल्य से कास के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा मृतिधा के लिए,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण मो, भी, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती विद्यावती पत्नी स्वर्गीय सरदार चन्द्र, निवासी
 1 ग/85, पजाबी बाग, दिल्ली, अटानी श्री
 विलेव कुमार।

(ग्रन्तरक)

 श्री राम लभाई पुरी पत्नी श्री राज करूमार पुरी, निवासी डब्ल्य्-जंड-743, रिशी नगर, शक्रुरबस्ती, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

180 वर्ग गज  $(30' \times 54')$ , प्लौट नं. 4, खाता नं. 10, खाता नं. 16, खसरा नं. 176, रिशी नगर, शकुरबस्ती, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

भागीक 19**-4-1982** 

माहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

ग्र⊦पकर पधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के भ्रष्टीत सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अर्पंत 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्य्./?/एस.-आर.-2 8-81/6300—अतः मुफ्ते, नरान्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिने इपमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है). की गरा 269-व के अधीन पत्तव आधिकारी को, यह विश्वास करने हा कारण है कि स्पार्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भृमि ही, तथा जो ग्राम समुरपुर, दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति ना जित्र बाजार मूल्य, उसके र्ण्यमान प्रतिफल से, से दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर् प्रतिशत से अधिक है और प्रमात प्रतिफल का पन्तर् प्रतिशत से अधिक है और प्रमार (प्रन्तरकों) पौर पन्तरिनी (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उका प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक छए में किस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-तिस्त के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उत्ते बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राप या कसी घन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राप-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृविधा + लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री इन्दर सिंह सुपुत्र श्री साना सिंह, निवासी ग्राम नरेला, दिल्ली।

(भ्रन्तरका)

 श्री परवीन क्यार स्पृत्र श्री राम प्रकाश, स्वासी 1728, सम्रप्र, नराला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जना प्रमाति के प्रशा के प्रवन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त गर्क्ते और पक्षे का, जो उक्त ग्राध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र, ग्राम ममुरप्र, दिल्ली।

नरोन्स सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीव : 19-4-1982

.; <del>\_\_\_\_</del>\_.\_ \<u>\_</u> \_\_\_

५ तः । (३<sup>९</sup>) हो । स्था । **ग**्या । -----

आयकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा २६७-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ड दिल्ली नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अर्थल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. /एक्श्. /2/एस.-आर.-2./8-81/6049—अतः स्के, नरोद सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भृमि सण्ड नं. 102 है, तथा जो तिहार, मीनाक्की गाड़ेंन, नर्झ दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981

फो पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से विश्व नहीं तिया एया हैं ....

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उन्त नीष्टित्रम के नधीन कर दोने के मृत्दरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; वर्ष/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी ध्रुव या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या ध्रुव कर अधिनियम, 1937 (1957 को 27) की पद्यानिक अवसीयण अवस्ति भेड़ी किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपान मी सृचिक्ष के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उत्तन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों. अर्थात् '—— 14 - 76 GI/82

- श्री कविकरी ताल आह्जा सप्य श्री बृज लाल आह्जा, निकासी मोहला कान्नगो, रुक्की (यू. पी.)।
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री नर्रास्वर कामार बाधवा स्पृत्र डा. पियरीया मल काधवा, नियाली 2-ए/39, रमंद्रा नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस स्थाय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट सं. 102, क्षेत्रफल 203 वर्ग गज, ससरा नं. 313, स्थापित मीनाकशी गार्डोन, नई दिल्ली एरिया, ग्राम तिहार, नई दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारी**व**: 19-4-1982

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्ड दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिमांक 19 अर्पेल 1982 निवास मं. आर्झ. ए. सी. /एक्यू. /2/एम. -आर. -2/8-81/6148—अतः म्फो, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम. 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, सथा जो ग्राम बूरारी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तकल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधिक है ग्रौर ग्रन्तरण (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक एस किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1 श्रीमती मधु शर्मापत्नी श्री जी. एस. वर्मा, और श्रीमती वृज बाला तागरा पत्नी श्री बी. एल. तागरा, निवासी।

(अन्तरक)

श्री अभिशेख गर्ग (नाबालीक) और शंचल गर्ग (नाबालीक), स्प्त्री श्री के. के. गर्ग जो आश्रीत अभी भावक है, नियामी डी-1/55, वसंत बिहार, नई दिल्ली। (उन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि (0-13) बिश्वे, लगरा नं. 461, एरिया ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

#### प्राक्षप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/6113—अतः मुफ्ते, नरेन्द्र सिंह,

आयक प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000

रा. से ाधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम मुन्डका, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाक्ष्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981

ताराल अगस्त, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमः के दृश्यमान
प्रतिष्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
कारने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफा का
पन्द्रह प्रतिणत से यिशक है और मन्तरक (प्रन्तरकों)
श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
लिखित में वास्तिक छन से किश्वत नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उशत ग्रीवितियम के प्रधीत कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और√या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या भ्रत-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त श्रिमियम की धारा 269-ए के सनुसरण में, में, उस्त श्रिमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् এ--

- श्री सुरत सिंह सुपुत्र श्री खेम चन्द, निवासी रिथला, दिल्ली राज्य, दिल्ली।
  - (भ्रन्तरक)
- श्री शिव कामार सूपुत्र श्री गौरी शंकर केडीया, रिवासी 12 अरिमिनियन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्येवाहियों करता हं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राज्यवा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अग्नित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अथं होगा, जो उस सब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/4 हिस्से, टांटन भूमि का क्षेत्र 55 बिघे और 3 बिश्वे, 13 बिघा और 3/4 बिश्वे, ससरा नं .59/1 गर्थ .(2-4), .60/5, .59/8, .12, .13, .19, .87/12, .13, .14, .17, .18, .19, .91/2 और .9, श्राम मुख्का, बिल्ली।

नरन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, अर्जन रॉज-।।, **विल्ली**, न**र्हा** विल्ली-110002

तारील : 19-4-1982

माहर :

## प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अर्पल 1982

निर्वोश मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2 8-81/6168——अतः मभ्ने, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम ब्रागी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकार का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिली (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थातः——

 मै. योगेश इन्टरप्राइजंज, बी-96, वजीरपुर इन्डस्ट्री-एल एरिया, दिल्ली व्वारा इट्स पार्टनर श्री नवल् किशोर।

(अन्तरका)

 श्रीमती बीना पत्नी श्री बलदंब राज, निवासी ग्राम ब्रारी, दिल्ली।

(भ्रन्तरितंत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र । विघा और 4 किस्बे, खसरा नं 871, ग्राम ब्रारी, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह् समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्रस्प आइ<sup>र</sup>, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अभीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स, (निरीक्षण) अजेन रॉज-2, नर्झ विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद**ं**श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एसं.-आर.-2/8-81/6173—अतः मुके, नरोन्द्र सिंह,

्तिम्बार कार्कार्यक्त १८६। (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जित्त बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जा प्राप्त साहिबाबाद, दौलतप्र, दिल्ली मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

करे पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री केंद्रर सिंह सूपृत्र श्री लैक राम, निवासी ग्राम और पो. साहिबाबाद, दौलतप्र, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दयाल चन्द जैन स्पूत्र श्री अरी दमन लाल जैन (एच-य्-एफ), निवासी 7/9ए, गली मस्तन लाल अंसारी रोड, दरीया गंज, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुस्**ची

कृषि भूमि क्षेत्र 7 बिघे, 2 बिघ्ये, ग्राम साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

नरांन्द्र सिंह सक्षम श्रिधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीम : 19-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/81/6065—अतः मूर्फ, नरोन्द्र सिंह,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममाति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम हुलंबी लूर्ब, दिल्ली मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मो भारतीय रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पित्कल निमानिधान उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधितयम के प्रधीन कर देनें के अन्तरक के दायिता में की करने या उगते बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उद्धार अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, अध्यक्तिवित व्यक्तित्यों, वर्धात्:--  श्री भीम सिंह सुपुत्र श्री नेत राम, निवासी मकान नं न 62, साराय पीपलथाला, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री इकबाल सिंह साहनी स्पृत्र श्री जय सिंह साहनी और श्री नविनहाल सिंह सुपृत्र श्री अवतार सिंह साहनी, निवासी नु. ए.-88, विशाल इनकलेव, नई दिल्ली-27।

(ग्रन्तरिती)

ा। यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तक्ष्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यातियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उपत अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 21 बिघे और 10 बिह्बे, रोक्ट नं. 24, किला नं. 25/2, 16 और 25/1, रोक्ट नं. 29-किला नं. 5, 6, 15, स्थापित ग्राम हुलम्बी खुर्वे, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नहीं दिल्ली-110002

ारोब : *१५ ४)-* १**982** 

मांहर 🖫

प्रकृप आहूरं. टो. एन. एस ------

# आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-व (1) के प्रधीन सूच**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगद्धर आगद्धत (निरीक्षण) अर्जन राज-2, नष्ट विल्ली नर्द्ध विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्ष्ट. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/6104—अतः म्फे, नरेन्द्र सिंह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उन्न प्रधिनियम कहा गणा है), की धारा 269-ख के भवीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन्न बाजार मूल्य 25,000/ इपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 66 ही, तथा जो नार्थ एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, ग्राम मादीपुर, नर्ह दिल्ली मी स्थित ही (और इससे उपाबच्ध अनुमूची मी और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्हे दिल्ली मी भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धम्लरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धम्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत खकत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीक्/या
- (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी घन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती कमला रिस्सि पत्नी श्री अविनाश चन्दर, निवासी 3-बी, साव्युल कालोनी, विकानरे। (अन्तरक)
- श्री इन्दर मोहन सिंह सपुत्र श्री जसवन्त सिंह, निवासी 13/54, पंजाबी बाग, नई दिल्ली द्वारा उनके पिता एण्ड अटार्नी एस. जसवन्त सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी **करके पूर्वो**क्त सम्पत्ति के प्रर्थंन के लिए कार्यं**वाहियां करता हूं**।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि ओ भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प ब्ढीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रं∮ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है !

### अनुसूची

भूमि का क्षंत्र 220 - 37 वर्ग गज, 1/3 हिस्से प्लाट नं . 66, नार्थ एवन्य रोड, पंजाबी बाग, एरिया ग्राम मादीपुर, दिल्ली ।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारील : 19-4**-**1982

माहर :

प्रकप् बाइ .टी.एन्.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### प्रारत तरकार

## कार्याजय, सहायक कार्यकर कार्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्ड दिल्ली नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2 एम.-आर.-2/8-81/6161—अतः मुफे, नरोन्द्र मिंह, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—ब्रागी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीक अगस्त, 1981 को पूर्वाक्ति संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विषदास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त मम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) जलारण से हुई एकसी नाय की वाबत, उक्त, जिल्हा की मिन्सम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुक्ते में स्विधा के लिए; जोड़/वा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्रीक्षा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ अधीतः—  श्री श्याम मुंदर सुपूत्र श्री अवर सिंह, निवासी ग्राम-पो. बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. श्री म्रत सिंह, भीम सिंह, जसवंत सिंह, अनुप सिंह, मुकेश, बलवंत सिंह और हन्मन सिंह स्पृत्र श्री सुब लाल, निवासी-ग्राम-पां, नांगली जलाक, नर्ज दिल्ली। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

## अक्तु सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट्रिक्सी क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य अथिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 - का में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

## अनुसूची

कृषि भूमि 2 बिघे, ग्राम एण्ड पो. ब्रारी, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आर्च टी. एन एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

#### शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदर्भा सं. आर्ड. ए. सी./एवय्./2/एस.-आर.-2'8-81/6061--अतः मभ्ते, नरान्द्र सिंह. भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक उचित बाजार मृत्य 25,000 / रा. से अधिक हैंऔर जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम-ब्रारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली मे भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको दश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हार्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के लिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~-- 15---76 G1/82

 श्री मुन्दि और माम् चन्द स्प्त्र खजन, निवासी ग्राम-ब्रारी, विल्ली।

(भन्तरक)

 श्री राम नरोश सुपुत्र श्री ओम प्रकाश, बलीस्टर सुपुत्र श्री राम चंदर, विसाद सुपुत्र श्री मंगत, बशोसर सुपुत्र श्री दुली चन्द और सोना दोशी पत्नी दीना नाथ, निवासी-नन्दा होरा, जिला-मंगठ, यु. पी. । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे, 16 बिख्दे, खसरा नं. 617, स्थापित, ग्राम-बुगरी, दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीब : 19-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैन 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /2 एस. -आर. -2/8-81/6298—अतः म्भे, नरन्द्र सिंह,

कायकर अंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-मुख्यलेपूर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री जय प्रकाश, ओम प्रकाश, प्रेम प्रकाश सुपुत्र श्री प्यार नान, निवासी-मुखमेलपुर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री जे. एन. चौधरी सुपुत्र श्री जमना वास, निवासी बी-9/22, वसन्त बिहार, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

कृषि भूमि 23 विषे, मुस्तातील नं. 43, किला नं. 14/2(2-8), 17(4-16), 20(4-8), 13(4-4), 15/2(2-0), 24(4-15), ग्राम मुखमेलपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

## प्ररूप आहें. टो. एन्. एस.----

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं आर्द्धः ए. सी. /एक्य्. /2 /एस. -आर. -2/8-81/6297--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उदत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- ६० से आधिक है और जिसकी संकृषि भूमि है, तथा जो ग्राम मुखमेलपुर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपादस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 ुँको पूर्वीक्त सम्**पत्ति के उ**चित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिकत्त के लिए घन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पभ्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और झन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्तेष्य से उपत अन्तरण निखित में वास्तिधक

रूप से कथित नहीं किया गया है!--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्ह प्रारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा था या किया जामा चाहिए था, छिमाने में सुविधा के निए;

बतः, अय, उन्त अधिनियम की धारा 269-च के अमुतरण में, मैं उक्त अधिनियम की,धारा 269=च की उपदारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों. अथित :--

- श्री जय प्रकाश, ओम प्रकाश, प्रेम प्रकाश सुपूत्र श्री प्यारे लाल, निवासी-मुखमेलपुर, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती प्रान चौधरी पत्नी श्री जे. एन. चौधरी, निवासी-बी-9/22, वसन्त बिहर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष्य मम्मिति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टी करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पकों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है वहीं ग्रायं होगा जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

कृषि भूमि 20 बिषे और 4 बिष्धे, खसरा नं. 1111(4-16), 1114(4-16), 1130(4-16), 1135(1-16), 1143(3-0), 1146(1-0), ग्राम मुखमेलपूर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-82

## प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षा सं. आर्घ. ए. सी. /एक्स्. / २/एस-आर-२/ 8-81/

७023--अतः मुक्ते, नरान्द्र सिंह,

न्नर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख़ के अधिन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु० सं अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कादिपूर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण कप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त 1981

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूष्यमान प्रतिफन के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दूष्यमान प्रतिफत से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रशिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित छदेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से दिथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (आ) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल ग्रीबिनियम, या धन-कर श्रीबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

श्रत अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों भ्रमित् :--  चौ. सरूप सिंह सुपुत्र श्री चौ. नरायण सिंह ग्राम-कादिपुर, दिल्ली ।

(अन्सरक)

2. श्री अनिल करुमार सुपुत्र लाल चन्द और मनोज करुमार सुपुत्र श्री बिसम्बर दयाल, निवामी-7-राजपुर रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणध्— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 13 बिधे और 4 बिश्वे, खसरा नं 669, 665, 674, और 643, ग्राम-कादिपुर, दिल्ली।

नरौन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नुई दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊶⊸

# भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

दिव<sup>4</sup>श मं. आर्थ. ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-2/8-81/6026——आर. मुभ्ने, नरन्द्र सिंह,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का करण है कि स्थावर समाति, जिनका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु० से यक्षिक है

और जिसकी संख्या कृषि भृमि है तथा जं ग्राम-काविष्र, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षण के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भ्रान्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिक्रियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ\*त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री सरूप सिंह सृपुत्र श्री चौ. नरायण सिंह, ग्राम-कादिपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल और मदन लाल मुपुत्र श्री किशन लाल, निदामी-7-राजपुर गंड, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उबत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इप मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस पूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
    45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदबद्ध किसी भ्रन्य स्थिकत द्वारा, अधोहण्लाकरी के
    पान लिखित में किए जा सकेंगे।

हराण्डो करण:--इसर्ने प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त भक्षिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 13 बिधे 4 बिश्वे, खसरा नं. 663, 665, 674, 675 और भाग खमरा नं. 643, स्थापित ग्राम-कादिपुर, विल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नुई दिल्ली-110002

तारील : 19-4*-*1982

## प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

## धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./ $2^{/}$ एस-आर- $2^{/}$ 8-81 $^{/}$ 6269—अतः म्भे, नरन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-समेपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---  श्री थान्डो राम मृपुत्र श्री हजारी लाल, निवासी-समंप्र, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गजराज सिंह सूपुत्र श्री अर्जन सिंह यादव, निवासी-समेपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अभूसूची

कृषि भूमि का 1/4 हिस्से एरीया-41 बिघे और 5 विश्वे, ग्राम-समेपुर, दिल्ली ।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) , अर्जन रोज-2, विल्ली, नर्द्र विल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

कार्यालय, सहायक आयडार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एम-आर-2/8-81/6299—अत: मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अग्रीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विज्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कादिपुर, दिल्ली मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्डीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ष दिल्ली मो भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक्ष अगस्त 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसें अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनन अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायि व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त म्रिधिनियम, की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त म्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अभीन, तारीस अगस्त, 1981

- ी जयप्रकाश, आंस प्रकाश, प्रेस प्रकाश सुप्य शी प्यार लाल सिवासी-ग्राम-स्क्रमेलप्र, दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्री पुना सूरी सुपुत्र श्री आंग प्रकाश, निवासी-बी-9/14, वसन्त यिहार, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदन अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 19 बिघं और 4 बिघ्वे, ससरा नं. 1113 (4-16), 1122 (4-16), 1123 (4-16), 1179 (4-16), ग्राम-कादिप्र, दिल्ली ।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, न्हं दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

मोहार :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षेश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/ 6246—अर्थ: सुभ्रे, ररान्द्र सिंह,

स्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- उपए से श्रिविक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्षित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त 1981

मो पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्ल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान कथने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मिन का उचित बाजार अस उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का असह प्रतिगत से प्रधिक है घीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, सक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री कोहर सिंह सुपुत्र श्री लायक राम, निकासी-ग्राम-साहिबाबाद, दौलनपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सुख मेल चन्द जैन सूप्त्र श्री अरी दमन लाल जैन (एच-गु-एफ) निवासी-9ए/7, गली मखन लाल, अंसारी रोड, दरीयागंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के मार्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं प्रयंहोगा जो सत ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 8 बिघे और 4 बिश्ये, ग्राम-साहिबाबाद, दौलेत-पुर, विरुली।

> नरोन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

महर:

भुक्ष्य आहें . टी . एन . एस . ------

# आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

#### भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रॉज-2, न्हें दिल्ली नहें दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6171~—अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-साहिबाबाद, दौनतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981

(1908 का 16) के अधान ताराल अगस्त 1981 को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ ल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधूने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा सु

बतः ब्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के अधीय, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री केहर सिंह सुपुत्र श्री लायक राम, निवासी-ग्राम-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री रिव घन्द जैन सुपुत्र अरी दमन लाल जैन, (एक-यु-एफ) निवासी-4-बी, अलाता माउन्ट रोड, बम्बे । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांवितयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस उध्याय भी दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 5 बिघे और 17 बिघवे, ग्राम साहिबाबाद, दौलत-पुर, दिल्ली ।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**सारीस : 19-4-1982** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अर्पेल 1982

निविका सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./ $2^{/}$ एस-आर- $2^{/}$ 8-81 $^{/}$ 6296—अत: मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मुख्यमेलपूर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त 1981

के अधीन तारीस अगस्त 1981 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा अं सिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री जयप्रकाश, श्री ओसप्रकाश, प्रेस प्रकाश, सुपुत्र,
   श्री प्यार लाल निवासी-ग्राम मुख्येलपुर, विल्ली।
   (अन्तरक)
- श्री नवीन सुरी सुपुत्र एल श्री आमे प्रकाश सूरी, निवासी-बी-9/14, वसन्त बिहार, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उनत सम्पत्ति के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्टों और पवों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 15 बिघे और बिघ्घे, ससरा नं 1052 (1-12), 1054 (4-16), 1057 (4-16), और 1058 (4-16), ग्राम-मुसमेलपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

## प्रकृप बाई० टी० एन० एस०—

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2-69-घ (1) के अधीन सृ्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ड विल्ली नर्ड विल्ली, विनांक 19 अर्जन 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू. $\frac{1}{2}$  एस-आर- $\frac{2}{8-81}$  6124—अतः सुभी, नरोन्द्र सिंह,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को, पड् विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुव से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-समेपूर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत तिमानिका उद्देश्य से उका प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भन्नि नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दागिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्री राम नाथ सुपुत्र श्री पत राम और घोर सिंह सुपूत्र श्री दलपत, जी-ए-श्री अभेय राम और थाम्बू, सभी निवासी-ग्राम-समंपुर, विल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी जगदीश लाल, निवासी-जें/ 161-बी, राजोरी गार्डन, नर्झ दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी अपिक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अपिक्तियों में से किसी अपिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्यब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र । बिषा और 5 बिश्वे, ग्राम-समेपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नु**र्हा** दिल्ली-110002

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नुलिक्ति, व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 19-4-1982

## प्ररूप् आर्ह्ः टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई विल्ली

न्द्रं विल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निद<sup>\*</sup>श सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू. $^{\prime}2^{\prime}$ एस-आर- $2^{\prime}8-81^{\prime}$ 6123—अत: मुभ्ते, नरन्द्र सिंह,

श्रायकर ग्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मधिक हैं और जिसकी संख्या कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम-समेपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सरमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-गुके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

 श्री राम नाथ सुपुत्र श्री प्रा राम और शरे सिंह सुपुत्र श्री दलपत जी-ए-श्री अभेय राम और थाम्बु, निवासी समेप्र, विल्ली ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती बलवन्स कार पत्नी श्री इन्दर जीत सिंह, निवासी 9704 गली नीम वाली नवाब गंज पूल बंगस, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

#### अनुसूची

कृषि भूमि समेपुर, दिल्ली क्षेत्र 1 बिचा और 11 बिच्ने।

नरोन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई विल्ली
नई विल्ली, विनांक 19 अर्पल 1982

निवर्षा सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/6024---अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम कादिएर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबत्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

 चौ: सरुप सिंह सुपुत्र चौ: नरायण सिंह, निवासी ग्राम कादिपुर, दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्रीमती सावित्री वेवी सुपृत्री श्री दुर्ग वास, निवासी ए-1ए, रामा रोड, आवर्श नगर, नई दिल्ली। (अस्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 13 विघे और 4 विषये, खसरा नं. 670, 671, 672, 673 और 641, ग्राम काविपुर, विल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीय : 19-4-1982

#### प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

# भ्रायकर **अधिनियम**; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निक्रेंश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/8242---अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

रा. से अधिक है।
और जिसकी सं. 7/1105/1513/1513-1 (म्यु.) है, तथा
जो गली अखुहंजी, फास खना, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के
दृश्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है भीर
भ्रन्तरक (भन्तरकों) शीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधनियम, या धनकर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियाँ अर्थात् :--

- (1) श्री हरनाम सिंह सुपुत्र श्री राम दिता मल, (2) श्री मनोहर सिंह, श्री हरी सिंह, श्री हरबंस सिंह, सुपुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी 7/1513/1513-1, (न्यु.), गली अखंजी, फ्रास खाना, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती उषा खना पत्नी श्री सुदश सी-छी, राम पीयारी पत्नी स्वर्गीय श्री राम लुभाया, सुदश कुमारी पत्नी राज कुमार, निवासी 3842, शाहगंज, विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दी हर ग .--इसमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

डी. एस. बिल्डींग म्यूनिसीपल नं. 7/1105/1513/1513-1 (न्यु.), गली असुंजी, फ्रास खना, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-ष (1) के अधी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/6308—-अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 18 /62 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रातशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: इ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात:--

- श्री करनजीत कोहली सुपुत्र श्री ध्यान चन्द कोहली, निवासी कोठी नं. 18, रोड नं. 62, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)
  2. श्री अवतार सिंह सुपुत्र एस. अमर सिंह, निवासी
  980, हमिलटन रोड, काश्मिरी गेट, दिल्ली।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो मंजीला मकान नं. 18, रोड नं. 62, क्लास-'डी', स्थापित पंजाबी बाग, एरिया ग्राम मादीपुर, दिल्ली क्षेत्रफल- 279.55 वर्ग गजा।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नहीं दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 1/3) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुच

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नहीं दिल्ली
नहीं दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/8254---अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1-पटलियों है, तथा जो वेस्ट पटले नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1981

कं अभीन तारीख अगस्त, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुभ्ने यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

 श्री पी. एस. लम्बा, एस. एस. लम्बा सुपृत्र श्री भाग सिंह लम्बा, निवासी 1-पटोल रोड, बेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोतीया देवी पत्नी श्री टी. डी. बागा सपुत्र श्री किशन चन्त अशोक कुमार बागा श्री टी. डी. बागा, महोश कुमार बागा सुपुत्र श्री टी. डी. बागा, निवासी 8ए/45, डब्ल्यु-ई-ए करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकाम नं. 1-पटोल रोड, वेस्ट पटोल नगर, नर्द दिल्ली, क्षेत्र-1066 वर्गगज।

> नरोद्ध सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्ररूप पाई॰ टी॰ एन॰एस॰----

# ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निव ले सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. -आर. -2/8-81/8227—अतः मूफे, नरन्द्र सिंह, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं. के-3/7 है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त, 1981

कौ पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, सकत ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय था किसी घन या भन्य भास्तिकों को जिन्हें भारतीय धाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूत-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुबिधा के लिए;

प्रता भव, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुपरण में, में,, उनत प्रधिनियम की बारा 269-व की उपशारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—— 17—76 GI/82 श्री कृशन धन्द दीवान सुपुत्र श्री कन्हीया लाल, निवासी सी-11-ए, एम-आई-जी फ्लंट्स, मायापुरी, नई दिल्ली, वर्तमान निवास स्थान किंग्स औन कनाडा, द्वार उसके जी-ए और सन-इन-ला श्री प्रशान्त जैन सुपुत्र श्री के. पी. जैन, निवासी सी-11ए, एम-आई-जी फ्लंट्स, मायापुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कांशल्या एलीयस ग्रजीत कार पत्नी एल एम. प्रीहम सिंह, निवामी 1565-67, चर्च रोड, काश्मिरी गेट, दिल्ली और श्रीमती हरजीत कार पत्नी ए. सुरिन्वर पाल मिंह, निवासी 1565-67, चर्च रोड, काश्मिरी गेट, दिल्ली, सुरीन्वर पाल सिंह सुपूत्र एल. एस. प्रीतम सिंह, निवासी 1567-67, चर्च रोड, काश्मिरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के सर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामी न से 30 दिन की भविष, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस भूजना के राजपल में प्रकाशन की वारीख से -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास निखित में किए जासकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों घोर पदों का, को जनत ग्राधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अथें होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनुस्ची

एस . एस . मकान नं . के-3/7 , माडल टाउन , विल्ली क्षेत्र -282.2 वर्ग गज।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

## प्ररूप धाई० दी० एन० एस०--

# म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नद्दे दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद्रिंश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/8-81/8298—-अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि से भ्रधिक है,

और जिसकी सं . 26/9 है, तथा जो इस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रीधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिबीत:—

- श्रीमती द्रौपती देवी पत्नी श्री अमिर चन्द, निवासी मकान नं. 26/9, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री मौजी राम सूपुत्र श्री चन्दगी राम, निवासी 44-नई मंडी, करनाल, (2) श्रीमती सिंगरो दोवी पत्नी श्री लछी राम और मास्टर राजिन्दर क्मार यु-जी औफ हीज फादर, निवासी 5/3, हनुमान रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं.।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो
  भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास जिखान में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो अव-श्रविनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाधित हैं, वही श्रष्ट होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं. 26/9, 200 वर्ग गज, इस्ट पटोल नगर, नर्इ दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीम : 19-4-1982

## प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉंड 2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2 एस-आर/1-81/8216—अतः सुक्षे, नरोन्द्र सिंह,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विख्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संस्था न. 90, है तथा जो किती नगर, ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना**र्वं शस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं** किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविद्या के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--  श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह द्वारा जी-ए-एस . नानक सिंह साहनी, निवासी- के-20, जंगपुरा एक्स . नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री जांगीन्दर पाल गुप्ता, जुगल किशार गप्ता और मनोहर लाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री हांस राज गुप्ता, निवासी-जे-90, किसी नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगें।

स्वष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों हा, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

## अनुसूची

2-1/2 मंजीला मकान नं. जे.-90, 223-1/3 वर्गगज, किती नगर, ग्राम-बसर्इ वारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2 दिल्ली, नर्हा दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए, सी:/एक्यू./2/एम-आर-1/8-81 थ 8292--अत: मुभ्ते, नरान्द्र सिंह,

भायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इ० से प्रिक्त है

और जिसकी संख्या 13/1432-33 है, तथा जो फीन गंड, बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, विकली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रम, उक्त ग्रिप्तियम, की धारा 269-ग के अनुसरण ११वें, सक्त ग्रिप्तियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के रिश्निकिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीत्:— 1. श्रीमती शकुन्तला उप पत्नी एल. श्री हरिकशन लाल उप, सुनिल कुमार उप, मुक्श कुमार उप सुपृत एल. श्री हरिकशन लाल उप, गीता खर पत्नी श्री रोहित कुमार खरे, निवासी 215, फेस-1, अशोक विहार, विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री प्रेम रानी पत्नी शेर सिंह 1432-फौत गंज, बहा-दुर गढ़ रोड, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जोशी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधीहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में वियागया है।

## अनुसूची

प्रो. नं.  $13^{7}1432$ , 1433, फैजगंज, बहाद्र गढ़ रोड, दिल्ली

नरन्द्र सिंह सक्तम प्राधिकारी,

सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ना्रीख : 19-4-1982

#### प्रकप धाई॰ टी॰ एम॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायीलय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली ं नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद<sup>्</sup>श सं. आई. ए, सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/ 6067--अतः मुक्ते, नरन्त्र सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली पूना, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्व से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व मी कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; औद्ध/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंजारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--  श्रीक लाखरी राम सुपुत्र श्री अभिय राम, निवासी-ग्राम नांगली पुना, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह सुपुत्र जसवन्त सिंह बंदी निवासी-4/ 9 सी, रूप नगर, विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकरी।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसुची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिर्घ और 8 बिर्घ, खसरा नं.  $20^{7}$ 5, ग्राम-नांगली पुना, दिल्ली

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 बिल्ली, नर्झ बिल्ली-110002

तारांच : 19-4-1982

# 

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्द्द. ए, सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/6115-अतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-25, है तथा जो न्यु मुलतान नगर, राहतक रांड, ग्राम जवाला हरी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अरस्त 1981

करें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक स्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई कियी आयं की बाबत उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलृखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री जगदीश मोहन दुआ सुपूत्र स्वर्गीय श्री अमर नाथ दुआ निवासी-मकान नं 16, रांड नं 28, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री गांपी नाथ और श्री हरीश कुमार सुपूत्र श्री तमन लाल निवासी-मकान नं. एच-120-ए, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली-26,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

एक खाली प्लाट नं . 25, ब्लॉक नं . 'सी' (प्लाट नं . सी-25) क्षेप्त 206-2/3 वर्ग गज, (172-8 वर्ग मीटर) (साइज 30 फिट 62 फिट), स्थापित-न्यू मुलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली-110056, खसरा नं . 2/21 से 24, एरीया, ग्राम्-जवाला होरी, दिल्ली

नरम्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 दिल्ली, नर्हो दिल्ली-110002

तारीब : 19-4-1982

प्रक्ष आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद<sup>्</sup>श सं. आर्ड. ए, सी., एक्य./2/एस-आर-1/8-81 6070--अतः स्कें, सरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी संख्या ए-96, है तथा जो ग्राम-नगयना, अबादी इन्दरपुरी कालोनी, मों स्थित ही (और उपादद्ध अनुसूची मो पूर्व रूप से वर्णित हुँ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— 1. श्री रामश्वर दास गर्ग सुपुत्र राम करन दास गर्ग, निवासी-वाई-126, लोहा मंडी, मंडी नरायणा फेस-2, नर्क दिल्ली

(अन्सरक)

2. श्री राज पाल मदन और सुभाश चन्द मदन सूपूत्र श्री जगन नाथ मदन, निवासी-10640/4, भन्डी- वालन गोड, नई दिल्ली-55,

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ः भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

प्लाट नं. ए.-96, मीजरिंग 213-11/18, खसरा नं. 1610, स्थापित एरीया ग्राम-नरायणा, अबादी-इन्दरपूरी कालोनी, नर्झ दिल्ली

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोद : 19-4-1982

## प्ररूप आध्र. टी. एन. एस.-----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नर्ह दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अर्थल 1982

निर्दोश सं. आर्द. ए, सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81.6075--अतः मुभ्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 137, है तथा जो हरीनगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व स्था से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :--
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व बों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
  - (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती प्रीतम दीवी विधवा पत्नी श्री नरन्जन दास, द्वारा एस. पी. ए. श्री राम प्रकाश भृषुत्र श्री नरन्जन दास, निदासी बहाद्र गढ़ जिला-राहतक, हरीयणा (अन्तरक)
- 2. श्री मदन मोहन सुपुत्र श्री कस्त्री लाल निवासी-ए-93, हरी नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 137, 220 धर्म म्ज, खमरा नं. 2032, **खताँनी** नं. 9, हरी नगर, न**र्ह दि**ल्ली

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख : 19-4-1982

### प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, महास्क आयकर आयक्त (दिरीक्षण) अर्जन राज 2, नहां दिल्ली नई दिल्ली, दिसांक 19 अपील 1982

निदर्भिः सं. आर्हाः ए, सी./एक्य /2/एस आर-1/8-81/ 8291--अत: म्फ्रें, नरेन्द्र सिंह, आयकार अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269 ख के अर्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सापति, जिसका उक्ति बाजार मुख्य 25,000 / रह. में अधिक हैं

और जिसकी सम्या भी-62, ही तथा जा बाबी नगर, शाम-बगई वारापुर, दिल्ली मो रिधत हैं (और इसले उपादद्य अध्यक्ती भी पूर्व रूप से बर्णिन हो।, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावयः, नई पिल्ली में भारतीय रिजम्मीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीर अधास्त 1981

को पुत्रीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमण्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों का मंपत्ति का उचित नाजर मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिभित उद्देश्य से उद्धत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर वीने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---18--76GI/82

- श्रीमती दन्ती एलीयस बिमला बाती पत्नी श्री शोगी लाल दिवासी-सी-63, बाली नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री राज कारे परमजीत कारे, मनजीत कारे, निवासी-जड/।-सी, राजांरी गाडींन, नहीं दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हां।

### उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धो ध्यक्तियों पर सचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 िस्न को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहःताक्षरी के पास् लिस्ति में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### **अनुस्पी**

प्लाट नं. सी-62, क्षेत्र 200 वर्ग गज, बाली नगर, एरीया ग्राम-बसई दाराप्र, दिल्ली

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महारक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ? दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

### प्ररूप आई० टी • एन • एस० -----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

अर्जन रोज 2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ज. ए, सी./एक्य्. $\frac{1}{2}$ /एस-आर- $\frac{1}{8}$ - $\frac{8}{1}$ 8275--अल: मुके, नरीन्द्र सिंड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. मे अधिक हैं और जिसकी संख्या 2098 है, तथा जो चाह इन्वारा, एच. सी. स्थेम रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्थ अनुसूची मो पूर्व रूप से बर्णित हो), रिजस्ट्रोकिनां अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रॉजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981 को पुर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफोल को लिए अन्तरित की गर्दाहै और स्फो यह जिस्लास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति का उचित राजार भूत्या, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एमें दश्यमान प्रतिफाल का (अस्तार) नयों) के बीच गांसे अस्तरण के लिए तथ गासा गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्दोरय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधा के लिए;

 श्री सृतिल मोहन एंज रिज. जैन. श्रीमती विमला देंबी निवासी-डी 316, डीफेस कालांनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री कमल गुप्ता पत्नी श्री इन्दर कामार गुप्ता निवासी-2103, चाह इन्दास, एच. सी. सेन राड, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए\_ कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्व पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **अन्**स्ची

म्यूनिसीपल नं. 2098 क्षेत्रफल-206 वर्ग गज, चाह इन्दारा, एव. सी. सेन गंड, दिल्ली

> नरोन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

अतः त्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारी**ल** : 19-4**-**1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भाग्कर अमुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6302--अत: मुफ्ते, नरन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 60, ब्लोक 'डी' है, तथा जो फतंह नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अगस्त 1981

को पूर्विक्त सम्पिति के उजित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्विका सम्पित्त का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजिसित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुद्दें किसी आज की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के जिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निल्चित स्युक्तियों, अ्थित :--  श्रीमनी बरिन्दर कौर बासाली विधवा पत्नी श्री गूर-क्चन सिंह बासाली, निवासी - 3/138, सुभाश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीपता गैनी पत्नी श्री हरी किशन सेनी, निवासी-13-टाइप-11, मिन्टो रांड, नर्द्र दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त अम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) एस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3() दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास जिस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्लाट नं. 60 ब्लॉक 'डी' क्षेत्र्फल-180 वर्ग गज, फतेह नगर, नई दिल्ली

> नरोन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी, सहार्क आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता्रीख: 19-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6110—अतः स्फो, नरान्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी गंग्या 10, ब्लॉक-एच है तथा जो शिराकी पार्क, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाधद्ध अनुमानी में पूर्व रूप में वर्णित हैं), रिजन्हीकर्ता अधिकारों के कार्णालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजन्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर नारीय अगस्त 1981

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइ है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, तसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर बौधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा** (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

- श्री तरसंग सिंह आरे सरवन सिंह सुपूत्र श्री ज्ञान सिंह निवासी-29-वयु/5, आनन्द पर्वत इन्ड. एरीया गली नं 4, न्यु रोहतक रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2 श्रीमती कान्ता जैन पत्नी श्री सतीश क्रूमार जैन निवासी-एच-123, शिवाजी पार्क, नर्झ दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की शामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्तित क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्झीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनु**स्**ची

प्लाट नं. 10, ब्लॉंक नं. 'एच' क्षेत्रफल-267 वर्ग गर्ज', शिवाजी पार्का, नई दिल्ली

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-1100**०५**

ता्रील : 19-4-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. आई. ए. सी./एक्शू. 2/एस-आर-2/8-81/ 6234—अतः मुफो, ररन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूकि है तथा जो 1026 लाग डोंगः ग्राम-सिरस पुर, बिल्ली को स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अन्-सूची में पूर्व रूप से बर्णित है), एडिस्ट्री-जर्ग अधिकारों के तार्मिन स्थ, नहीं बिल्ली में आरसीय रिजम्बीदरण अधिकार मिन्यस, 1908 (1908 का 16) के अभीत नारीय अस्त 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उण्वत बाजार मूल्य से क्स के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और स्कृष्ट यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीकत सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकट में, एसे दरप्रधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिया के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उक्दरिय से अन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थित्ः——  श्रीमली बीला तबी पत्नी श्री समयण दास, निदासी-71-ए, गुजरत दाला टाउन, भाग-1, जी. टी. सोड,

(अन्तरक)

 मी अजीत सृदर्भ, 144 मफार मार्थेट, कारोस बाग, नई दिल्ली द्वारा, अजीय सिंह,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सभ्वन्य में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यश्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मस्यन्ती न्योक्त यो पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन के भीतर उत्ति स्थानर संजीत में हित-बय्थ किसी अन्य स्थान द्रात को हितापरी के पास लिक्सिन में किए जा सकींसे।

स्पष्टीकरण:---ःसर्गाः प्युक्त तक्यों वर्गर पदा या, जा उक्त अधिनयम के प्रथाय २०-क या परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि मंख्या नः 1026 लालडोरा ग्राम्-सिरमपुर, दिल्ली ।

नरांन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज् 2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ती, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवांश सं. अहां. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6109—अतः मुक्ते, नरानेद्र सिंह, अह्मयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/ एत. से अधिक हैं

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है सथा जो ग्राम राजाणूर जूर्द, दिल्ली मों स्थित है (और इसमें उपाबस्थ अनुमूची मों पूर्ण रूप से विज्ली हैं), पीजम्द्रीकर्रा अधिकारी के कार्यानय, नई दिल्ली मों भारतीय रिजम्द्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीम उपमन 1981

को पूर्वेक्ति सम्पित् उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितिकों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निक्किति उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिल्लित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कहे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धि। के लिए;

अतः अकि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिश्म की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीद्र, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--  श्री खुशी कुमार सुपुत्र श्री राम चन्द निवासी-हस्तसाल,

(अन्तरक)

2. श्री बृजेश कामार सृपुत्र श्री हर सम्बप, निवासी-डब्ल्यू-जेड-3, बढ़ेला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी कर्क पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्थाधिकरण: — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

कृषि भूमि 13 बिघे और बिश्वे, ग्राम राजापूर सुर्द, विल्ली बसरा नं. 17/1 (4-16), 3/1 (3-15), 10 (4-16)।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, नह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/8-81ं/6268---अतः स्के, नरोनः सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/ का से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम इम्राहिसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रोजस्द्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-स्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वेक्त संप्रतित के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्य संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शी जोगेन्दर कं मार सहिनी सुपुत्र श्री दीवान चन्द साहनी निवासी डी-1/7, राजारी गाउँन, नई दिल्ली, 1/2 हिस्मेदार परसोतम लाल, श्याम लाल, धरमपाल, सुपुत्र श्री दुर्गा राम, निवासी ए-1/ए, रामा रोड, आदर्श नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री बाबु राम और केसर मल सुपुत्र श्री रखा मल, निवासी-146-मुखजी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्समजन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती। हो, के भीतर पूर्वाक्त, व्यक्तियों में से किसी विधित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 24 विधे और 1 विश्वा, स्तरा नं. 781, 782, 811, 812, 813 और 814 ग्राम-इब्राहिमपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रेल 1982

निद $\hat{}$ रा सं. आर् $\hat{}$ . ए. सी./एक्य्. 2/एस.-आर.-2/8-81/€342-- अत: मुफी, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के उधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-ए. से अधिक है और जिसकी सं. कीव भी है तथा जो गाम असलतपुर, खादर, दिल्ली में िथत हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिष्ट्रिकर्त अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिल्हीनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तिरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शी दलीप सिंह सुपुत्र रूप राम, दलपत सिंह सुपुत्र श्री मोहन लाल, हरी सिंह सुपुत्र श्री दयाराम, कर्रीया सुपुत्र नन्द राम, मंजी राम सुपुत्र श्री क्रिया, सुखवीर सिंह सुपुत्र लोख राम, विरन्दिर सुपुत्र श्री लालु, मिर सिंह सुपुत्र श्री हत राम, निवासी ग्राम असलतपुर, खादर, दिल्ली।
- 2. श्री सुखीन्दर सिंह सुपुत्र श्री रघुबीर सिंह, रणधीर सिंह सुपुत्र रघ्बीर सिंह नियासी सी-25, किती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र, ग्राम असलतपुर, खादर, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज्-।।, नई दिल्ली

तारीख: 19-4-82

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू 2/एस.-आर.-1/8-81/8340—अतः मुफ्तं, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिसका जीवत वाजार मृत्य, 25,000/-

और जिसकी र्ष ए-1/5, ही तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित ही (और इससे रपाबद्ध अनुस्थी मी पूर्ण रूप से विजित हो), पीडम्झी हती अधिकारी के राग्यालिय, नई दिल्ली में रिलस्झीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीक अगस्त-81

को प्योंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मं त्या के राष्ट्रमास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हत्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में सम्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के िलए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

 श्रीमती स्थरण लता पत्नी श्री असोलक दोवान, निकासी ए-1/5, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरक)

 श्री बनारसी दास सुध्द श्री लंट सल्त राम, निवासी-17/1040, नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- यद्ध किसी अन्य शांकित स्वारा अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्रो. नं. ए-1/5, राणा प्रताप बाग, दिल्ली एरीया 200 वर्ग गज ,2-1/2 स्टोरी।

नरोन्द्र सिंह्
गक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायक श्यक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

19--76GI/82

तारीख: 19-4-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू. 2/एस.-आर.-1/8-81/8339--असः म्फे, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इम्पें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 12/1751-52-53 है, तथा जो सोहन गंज, एस/मंडी, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से गर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त जिध्दारी के कार्जालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अमस्त-81

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दांग्यत्व में कमी करने का उनसे अचने में सूचिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार विधिनाम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की रणःगरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री खुको राम सुपुत्र श्री लाल चन्द शिकासी-एक/14, सत्याली नगर, दिल्ली।

(अन्तरदर)

2. श्री तन्द कियोर सुपुत्र श्री हन्द्रारी लाल, रिवासी-मंडी सुलतानगंज, बारूट, जिला मेरठ, यु.पी.। (अक्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रतासन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तिम्हों में से किसी व्यक्ति सुकारा;
- (ख) इस सूर्चना के राज्यत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिएएए में किए जा रकोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में शिया गया है।

### अन्सूची

प्रो. मं, 12/1751, 1752, 1753 एरीया 255 वर्ग गज, स्थारिक-सोहन गंज, राब्जी मंजी, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्जा दिल्ली

तारोख: 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू. 2/एस.-आर.-1/8-81/8304--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अभिक है

और मिसकी सं. जे-87, है तथा जो राजोरी पार्डेन, नई विल्ली में रिश्हा है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली के रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख : 20-4-1982

को पूर्वाक्त संपीति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री राम चन्द जुनेजा मुपुत्र श्री गनेश दास जुनेजा निवासी-14, इंश्वर नगर ,आंखला नई दिल्ली जो फादर ओर कोर्ट अभिभावक हो जिनका नाम रिव-न्दर कुमार और संजीवकुमार (माइनर) ।

(अन्तरक)

2. मैं. परकोतम लाल और सन्स, द्वारा इट्स कर्ता श्री परकोतम लाल चौहान, निवासी-2428, बीडनपुरा करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करिक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

मकान नं. प्लाट नं. जे-87 क्षेत्रफल-277 वर्ग गज, राजोरी गार्डान, नई दिल्ली, ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली

तारीब : 20-4-1982

प्रकाष आहें, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र जना।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं. जार्ड. ए. सी./एक्ट्. 2/एस-आर-2/8-81/8306—अन: सुकी, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007- र. स आयक ह और जिसकी स. 1041-बी, है तथा जो स्फातीदालन, विराहा बहरस खो, दिरयागज, दिल्ली सो स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची मा पूर्ण क्या से बॉर्णल है), रिजस्ट्रीयार्का अधिकारी के कार्यालय, पर्ड दिल्ली सो रिजस्ट्रीयारण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीय, तारीय अगस्त-81

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री हरभजन सिंह सुपृत्र श्री मास्टर जग सिंह, निवासी 1041-बी, फाटक मुफ्तीवालन, तिराहा बहरम खां दरियागंज, दिल्ली-2 ।

(अन्तर्क)

2. श्री शिवनारायण शर्मा सृपुत्र श्री महासूलराम, (2) राम बाबू शर्मा, (3) रामश चन्द्र शर्मा (4) प्रनचंद शर्मा, सृपुत्रगण श्री शिवनारायण शर्मा, निवासी- 4263 गली मैरावाली, जोगीवाडा, नई सड़क, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में दिया ग्या है।

### अन्सूची

एक मकान एक मंजीला बमय टिनशौड मंजिल बालाई प्रो. नं. 1041-बी, बमय तहतं आराजी लगभग 200 वर्ग गज, बमय वाक्या मुफतीवायान, तिरहा बहरम खां, दिरयागंज, दिल्ली-2। 2 ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम ग्राधिकारी सहायवा ग्रापकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, नई विल्ली

तारोक : 19-4-82 मोहर . प्ररूप आहूर.टी.एन्.एस.------

साय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ड दिल्ली नर्ड दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/8-81/8287--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा

269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृस्य

25,000 / रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 1352 इलोका है तथा जो बाजार चितलीक बर दिल्ली में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकिता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रोकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अरस्त-81

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बाजू राम मृज्य श्री लाला अमर लिंह, निवासी-786 दाईवाड़ा, अजमंत्री गेट, दिल्ली-6 ।

(अस्तरदर)

 श्री मोहमद साबिर व मोहम्मद सादिक सुपुत्रगण हाफिज अब्दुल बाहिद, जिल्लासी-1352 बाजार चितली काबर, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर केप्रके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्च भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर नारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी त्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गगा। है।

### अनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला गिरा हाआ दो किता कमरोजात छोटे-बड़े बयम फिटिंग बिजली नल बाबजारी, बयम तहत आराजी 167 द्र्ण गज, प्रो. नं. 1352 इलाका नं. 10 वाक्या बाजार चितली कबर, दिल्ली ।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, नर्द्व दिल्ली

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश स. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8243—अतः गुभ्हे, नरम्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका जीचत बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. डी-एस-नं.-7778, हं तथा जो राम नगर, नई दिल्ली मो स्थित हाँ (कौर इससे उपाउद्ध अनुसूची मो पूर्ण रूप से वर्णित हाँ), रिजस्ट्रीकिटी अधिकारों को कार्यालय, नहीं दिल्ली मो रिलस्ट्रीकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, तार्राख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित को गई है और मुक्ते जह विश्वास करने का करण है कि सथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एोजे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निनिश्ति उद्देश्य से उवत अन्तरण लि। खत् में वस्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरिवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- 1. श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री एप सिंह और रामो देवी पत्नी श्री प्रताप सिंह निवासी-ग्राम कुसुम खेरा, तहशील-इल्द्रानी, जैसा-नैनीताल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उमिला दोबी गुप्ता पत्नी हरिश चन्दर गुप्ता, मकान नं. 3643, मोरी गेट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्रु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किशी अवितर द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास ---लिखित मी विष् जा स्कीति।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों अति पदो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1-1/2 भाग् डी. एस. विल्डींग नं. 7778 क्षेत्रफल-615-1/2 वर्ग फिट राम नगर, नर्इ दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंहैं, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज्-।।, नर्झ दिल्

तारीख: 19-4-82

प्ररूप बार्इ. टो. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के दक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 व्येल 1982

निर्दोश सं. शार्ड. ए. सी./एक्यू. $\sqrt{2}$ /एस-आर-2/8-81/6309— अप: एफ्डे, रायेन्स्र ीहर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राध्यकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- कि से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हो तथा हो आम बुरारी, दिल्ली मो स्थित है (और इनके उपाइद्देश अनुसानी को एण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मो रिजन्स्ट्रीकरण अधितिगण, 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अभरन-81

को पूर्व बत संगितित को उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तिति की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यक्षकोंका संगिति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और यंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थाप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गटा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---  श्री छाजु राम, काली राम, दशरथ सुप्तरण श्री लखी राम, निरासी ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

अन्तरक)

 श्री दिजय कुमार सृपुत श्री रती राम झर्मा, निवासी-330 लक्ष्मक राड, तिमारपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त क्षरी के पास जिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

### अनुसूची

कृष्टि भूमि क्षेत्र 1 बिघा 18 बिश्वे, खासरा नं. 500/2 ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नर्ड दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/8-81/8224—अतः मुकं, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उपित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी थं. 1/347, है तथा जो गली राजम खूर्व, पंजा

अहर जिसका था. 1/347, हो तथा जा गला राजस खुदी, पजा शरिफ, काश्मिकी गेट, दिल्ली मी स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मी पूर्ण क्या में अणित हो), क्रिक्ट्रीकर्हा अधिकारी के कार्यालया, नर्षा दिल्ली मी र्याजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ,नारीस अगरत-81

को पूर्तीकत संपर्तिः के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षित्त के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकः संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय या बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री गोपाल सिंह सुपुत्र श्री साधु सिंह निदासी-1/347 गली राजन खुर्द पंजा मरिक, किश्वमरी गेट, दिल्ली
- 2. श्री सुंदर्शन कथुरीया परनी श्री बाल कि केन कथू-रीया निवासी-1/347 गली राजन खूद पंजा सरिष्क, काशमीर गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(अन्सरकः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंह- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

श्रो. गं. 1/347, गली राजन खुर्द पंजा सरिफ, काश्मीरी  $^{7}$  गंट, दिल्ली, भूमि का माप-145 वर्ग गज।

नरंन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।।, दई दिल्ली

तारीय: 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नक्ष दिल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्द्र. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/8-81/6029--अतः स्फी, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु ), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भृषि है तथा जो ग्राम-काविपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उन्सूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
20---76 GI/82

 चे. सम्य गिह सृष्य शी नरायण सिंह नियासी-ग्राम-कादिप्र, दिल्ली।

(अन्तर्क)

 श्री सिनिश चन्द्र सुपुष्ट श्री बनारशी दास, 16/73, पंजाबी आग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 13 बिघे और 4 बिश्बे, ग्राम-कादिप्र, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉंग-।।, रहं विल्ली

नारीख 19-4-82

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्हा दिल्ली

नई दिल्ली, दिसांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्ष्./2/एस-आर-2/8-81/6118—अतः सुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ब्रारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, रहे दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कास के दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसको बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्र अपिनयों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

शीमती शक्तुन्तला विधवापत्नी श्री बंद प्रकाश, श्री सीरी निवासी और राम निवास मुपुत्र श्री शंकर, निवासी ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री पवन कामार सुपुत्र तिलक राम, निवासी-156 भाग-2, गुजरनवाला टाउन, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोख से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### धनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 28 बिघे और 5 बिश्वे-ग्राम-ब्रासी, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नर्झ दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख : 19-4-82

### प्ररूप बार्द.टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6157—अतः सुभ्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. सी/93, है तथा जो शिवाजी एर्क, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनिशम, 190 8(1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री जगदीश चन्दर गुजराल सुपुत्र श्री नानक चन्द गुजराल, स्वासी-16/2 न्यु राहतक रोड, नई हिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री गुरबचन लाल और दिलप कुमार सुपूत्र श्री राम किश्तन, निवासी-जी-20/2ए, राजौरी गार्डन, नर्ह दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्म्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लाट नं, सी/93 क्षेत्रफाल-562.4 वर्ग गज, िश्रवाजी पार्का, दिल्ली।

> नरन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-।।, नई दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस. ------

# आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ह दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. मी./एक्यू. 2/एस-आर-2/8-81/8322--अतः मुफ्ते, नरांन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 19, ब्लोक 'सी' है तथा जो काँटेंज रोड़,

और जिसकी सं. 19, ब्लोक 'सी' है तथा को काँटेज रोड, आदर्श नगर , दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से दिणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीख़ अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री राज कां मार भासीर बुध राज द्वारा जी-पी-ए-राम लुभाया मेल भासीन सुपुत्र श्री दियान चन्द निवासी-एच-3/21, माइल टाउन दिल्ली।

(अन्तरद्र)

2. श्री मोहिन्दर कामार बंसल, विपीन कामार बंसल सुपुत्रगण श्री ओम प्रकाश बंसल, निवासी एच-1/3, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं. 19, ब्लौक 'सी' काटांज रोड, आदर्श नगर, दिल्ली 422 वर्ग गज।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नई विल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में प्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रणधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

नारीख : 19-4-82 मोहर :

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के ग्रिघीन सूचना भारत सरकार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-।।, नहीं दिल्ली
नहीं दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी.  $\sqrt{\frac{2}{\sqrt{4}}}$ ,  $\sqrt{2}$ एस .-आर. -1/8-81/8316—-अतः मुक्ते, नरान्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4540,  $7\sqrt{31}$ , है तथा जो दिरयागंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्रांस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब् उक्त अधिनियम की धार 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य :---

- 1. श्री हर दयाल साथुर, जगदिश्वर दयाल माथुर, सूपूत्र श्री इंश्वर दयाल माथुर, निवासी-4540,  $7^{7}31$ , दिरिंगागंज, नहीं दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. श्री मदनश्री जैंग पत्नी नरोश चन्द जैंन, निवासी-7/26, दरियागंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्रो. नं. 4540, 7/31 दिरयागंज, नई दिल्ली, माप- 120 दर्ग गज ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन गोज-।।, नर्ह दिल्ली

नारीव : 19-4-82

माहर:

### प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आई. ए. मी./एक्स्.  $\frac{2}{\sqrt{\pi}}$ -आर- $\frac{2}{8}$ -81/6034—अतः म्भे, नरान्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जे-13 / 64, है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, ग्राम-ततारपूर, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——

- श्री सुरशित खुलर पत्नी एल श्री कौलाश नाथ, निवासी-29 हस्टींग स्कावायर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री गनमोहन सिंह दस्या और श्रीमती प्रिती दस्या, निवासी-कंकारबाग रोड, पटना-800020 (बिहार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एस. एस. मकान नं. फ्लौट नं. जॅ-1 $3^{1/64}$ , 200 वर्ग गज, राजोरी गाउ $^{1/6}$ न, ग्राम-ततारपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ह दिल्ली

ता**रीख** : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नर्क दिल्ली, दिसांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. आर्ड. ए. मी./एक्यू. 2/एम-आर-2/8-81/8310--अतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह, आपकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाय करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु० में

और जिसकी सं. 16 ब्लोक-ए-3, है तथा जो सत्यवती नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सैपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इम्प्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्या मार्ग के लिए, क्या पासा गया प्रतिक्त सिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिश्चित्यम, या घन- कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कें अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

 श्री राम बक्स सूपुत्र श्री चन्दन लाल निवासी-1/38 रूप नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री क्याम सुन्दर सिंघानिया, नरांतस सरन सिंघानिया किशान कर्मार सिंघानिया प्रत्रण श्री नारंग राय सिंघानिया, निवासी-ए-3/16, दिल्ली सत्यवती नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदौं का, जो उन्त श्रितियम के शब्दाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं शर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### **भ्रनुसू**ची

फ्लाट नं. 16, ब्लौक नं. ए-3, खासरा नं. 86, 88, 92, 93 से 106, भूमि माप-150 वर्ग गज, सत्यवती नगर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली

ना**रीय** : 19-4-82

### प्रकप भाई० हो। एतः एसः ---

### आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के प्रधीन मुचन।

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निवर्षा सं. जी. आई. आर. सं. ए-107/अर्जन---अतः मुझे, विनोद कुमार, आयक्तर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मं. 65/34 है, तथा जो रामलाल अग्निहांत्री मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 19-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घिष्टिमम के घिष्टीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; घौर/या

1. श्री अमृत लाल ।

(अन्तरक)

2 श्री अकोक कमार।

(अन्यारिनी)

(3) श्री अशोक कामार अग्रवात सर्वश्री 1 . एस . के . राय ,

2. श्रीमती मंतीय कुमारी

किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 20 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

भवन संख्या 65/34, मय इमारत एवं भूमि के स्थित रामलाल अग्निहांत्री मार्ग, लखनउ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो मेल डीड और फार्म मं. 37 जी संख्या 5422 में वर्णित हैं, जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार, लखनउ के कार्यालय में दिनांक 19-8-1981 की किया जा खुका है।

विनोद कर्मार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , लखनउठ

धतः। धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

तारीख: 16-4-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

### भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

### अर्जन रोज होदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 अप्रैन 1982

निद्येश नं. आर. ये. सी. नं. 9/82-83—स्यतः मुक्ते,

एस. गोविन्द् राजन,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सकाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र क से अधिक है और जिसकी मं. शेंड हैं, जो गजूबटा विशाखारटनम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापट्नम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जधीन 19 अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यभान अतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। पौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मुखिछा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--21--76 GI/82

- 1. (1) श्री कामरेवर राव पिता सूर्यनारायण
  - (2) श्री एन सुबूमनीयम् पिता कामस्वर राव
  - (3) श्री एन प्रसाद पिता कामस्यर राव गोलाल पालम, विशासापट्नम।

(अन्तरक)

 श्री बी. हन्मत्राव पिता लेट लिंगप्पा, अशोकनगर, ह वराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### **मन्**स्ची

गजूवाका गांव, एस. नं. 48/3, और 48/5, 1045 चौ. गज भूमि और क्षेड। श्रम रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 6701/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशासापट्नम।

एसः गोविन्द राजन सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयंकर आयु**क्त** (निरीक्षण) अर्जन र<sup>‡</sup>ज, ह<sup>‡</sup>दराबाद

तारीख: 7-4-1982

मोहर ∄

### SUPREME COURT OF INDIA

### New Delhi, the 1st May 1982

No. 1-/6/82-SCA(1).--The Hon'ble the Chief Justice of India has permitted Shri C. M. Rajagopalan, Officiating Section Officer, Supreme Court of India, to retire voluntarily from the service of this Registry with effect from the afternoon of April 30, 1982.

S. GHOSH Assistant Registrar (Admn.)

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 20th April 1982

A. 32013/1/82-Admn. II.—The Chairman, Union Sudha Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi) and officiating as J.R.O. (Hindi) on deputation in the Commission's Office, to officiate as Senior Research Officer (Hindi) on deputation on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600/- in the office of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a project of the Union Public Service Commission for a public Service Commission for the Union Public Service Commiss mission for a period of six months w.e.f. 8-4-82 to 7-10-82 or until further orders whichever is earlier.

- 2. During the period of her ad hoc appointment to the post of Senior Research Officer (Hindi), the pay of Smt. Sudha Bhargava will be regulated in terms of provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 1(11)-F. III(B)/75 dated 7-11-75 as amended from time to time.
- 3. The appointment of Smt. Sudha Bhargava as Senior Research Officer (Hindi) is purely on ad hoc and temporary basis and will not confer upon her any title for absorption or seniority in the grade.

P. S. RANA Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

### DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110022, the 28th April 1982

No. D.I. 13/81-Fstt-I.—The services of Shri S. Murali-dharan, Dv. S.P. of GC CRPF, New Delhi are placed at the disposal of Bharat Heavy Electricals Limited, on deputation basis w.c.f. 12-4-82 (AN).

> A. K. SURI Assistant Director (Estt)

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 4th May 1982

No. 11/11/80-Ad, I.—The President is pleased to repatriate S/Shri A. K. Das and B. N. Chakraborty, officers of the West Bengal Civil Service, and at present working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, on deputation basis, to the Government of West Bengal with effect from the afternoon of the 31st March, 1982. Consequently the services of S/Shri Dus and Chakraborty are replaced at the disposal of the Government of West Bengal with effect from the aforesaid date.

No. 11/31/80-Ad. L. -The President is pleased to repatriate the following officers belonging to the Andhra Pradesh Civil Services and at present working as Deputy Director of Census Operation in the office of the Director of Census operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, on deputation basis, to the Government of Andhra Pradosh, with effect from the date as thentioned against each. Consequently, their services are

replaced at the disposal of Government of Andhra Pradesh with effect from the dates shown against their names :

1. Shri Yadgir Reddy

3. Shri P. V. Gopal Rao

3. Shri P. V. Gopal Rao

1-3-1982 (F/N) 31-3-1982 (A/N) 31-3-1982 (AffIN)

PADMANABHA, Registrar General, India

### MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF E.A.)

### INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 16th April 1982

No. 181/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri G. Narayanasami Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, as Administrative Officer, India Security Press, on deputation in the scale of ks. 840-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 15th April 1982 or till the past is fielled on regular basis whichever is earlier.

> P. S. SHIVARAM General Manager

### BANK NOTE PRESS (MP)

Dewas, the 27th April 1982

F. No. BNP/C/5/82.—Shri V. P. Bhalla permanent Inspector (Control) is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB -35-880-40-1000-EB-40-1200/- (Group 'B' Gazetted) with effect from 21-4-82 (FN) until further orders.

> M. V. CHAR General Manager

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 3rd April 1982

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Sri K. V. Sebastian, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation on the AN of 31st March, 1982.

> Sd/- ILLEGIBLE Accountant General

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-I,

Bombay-400 020, the 26th April 1982

No. Admn. J/Genl/31-Vol. III/C-1(1)/1.—The Accountant General. Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts/Audit Officers from the dates mentioned against their names, until further orders :-

- Shri J. L. Dange—21-4-1982 (F.N.).
- 2. Shri K. N. Meshram-14-4-1982 (F.N.).

S. R. SAPRA

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I M.P.

Gwalior, the 21st April 1982

No. OE. I/GOs-Promotion/28.—The Accountant General, M.P. Gwalior has been pleased to promote Shri R. R. Ramckar 02/279) Section Officer as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200/- with effect from 17-4-1982 (Forenoon).

D. C. SAHOO Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# DFFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-66, the 30th April 1982

No. AN/XIII 13500(27)/5/81.—Shri S. V. Satyanarayana Pt SO(A), A/c No. 8292712 serving in the Office of the JCDA I/c., PAO (ORs) EME, Secunderabad under the Organisation of the C.D.A. (ORs) South, Madras absented himself from duty w.c.f. 11-11-80 without proper sanction of leave. The memos issued to him at his known address have been received back undelivered. The charge sheet for major penalty sent to him at his known address has also been returned back undelivered by the postal authorities with the remarks "Addressee is not found". Hence an enquiry was ordered. Shri S. V. Satyanarayana also failed to be present before the "Inquiry Officer" and hence the inquiry was held ex-parte. It has, therefore, been decided by the disciplinary authority to remove him from service with effect from First January Nineteen Eightytwo. The Order of the disciplinary authority conveying the decision of removal from service sent to his known address has been returned back undelivered with the remarks 'Refused'.

M. H. SUBRAMANIAN For Controller General of Defence Accounts

### New Delhi-110066, the 26th April, 1982

No. AN/I/1172/1/I(PC-):—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, on an ud hoc basis for a period of six months, or till regular arrangements shere made, whichever is earlier, with effect from the dates shown against their names:—

Sl. No				Date	
1.	Shri S. Venkatasubram	ani;	in,	26-02-82	(AN)
2.	Shri R. B. Kapoor			17-02-82	(FN)
3.	Shri B. K. Banerjee			18-02-82	(FN)
4.	Shri H. S. Mehta .			18-02-82	(FN)
5.	Shri S. Mallick .			19-02-82	(FN)
6.	Shri R. Venkataratnan	1		06-03-82	(I <sup>2</sup> N)

### New Delhi, the 27th April 1982

No. AN/1/1403/4/II.—The President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Permanent Accounts Officer to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700—1300/-) of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from 12-12-1977.

2. The seniority in the IDAS cadre will reckon with effect from 12-12-77. Consequent on his appointment to the regular cadre of the IDAS with effect from 12-12-77, the pay in the Junior Time Scale will be fixed from the date. The financial benefit of pay fixation will be admissible with effect from 10-12-1980 (i.e.) the date from which he was appointed to the regular cadre of the IDAS on ad hoc basis vide Sl. No. 2 of the notification published in Gazette No. 21 dt. 23-5-81 at page 6695 Part III Section 1. No arrears of pay will accrue for the period from 12-12-77 to 9-12-80.

R. K. MATHUR Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

# DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES ORGANIZATION

### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 29th April, 1982

No. 737/EV/QR/A/W:—In exercise of the powers conferred under Section 3 of the Public Premises Eviction of unauthorised

Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the President of India is pleased to appoint the Officer mentioned in Col. 2 of the Table below, being an Officer of the Ordnance Factory mentioned in Col. 3 against each as the Estate Officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction specified in respect of the Public Premises belonging to the Factories mentioned in Col. 3 against each officer.

This superseeds all orders issued so far on the subject in respect of Ordnance Factory, Ambajhari, Ordnance Factory, Dum Dum, Ordnance Equipment Factory, Kanpur and Ordnance Factory, Kanpur and supplements Notification No. 737/EV/QR/A/W dt. 27-11-81 in respect of Ordnance Factory, Khamaria and Ammunition Factory, Kirkee.

Sl.	Nune & Designation of the Officer	Name of the Pustory	Catogories of Public Prenses and Local limits of jurisdiction
1	2	3	4
S/	 'Shri		
	N Pradhun, sstt. Manager/Admn.	Ordnance Factory, Khamaria.	Premises under the administrative control of Ministry of Defence, situated within the local limits of their respective jurisdiction from 8-11-81 to 7-12-81.
	1K Bhaskaran ssstt. Manager/Admn.	Ordnance Factory, Ambajhari,	Premises under the Administrative control of Ministry of Defence situated within the local limits of their respective jurisdiction.
3. (8	) Moloy Ghosh,	O-dasa a	Do.
(b	Dy. Managor (Personnel) } A. Sanyal, Managor.	Ordnance Factory, . Dum Dum	Do.
•	a) Munoo Lal, Manager/Admin, b) S.K. Beri Dy. Manager/Adm <sub>n</sub>	Ordnancea Equipment Factory, Kanpur.	Premises under the Administrative Control of M of D situated within the local limits of their respective jurisdiction.
	R. K. Karea, Asstt. Manager/Admn.	Ordnance Factory, Kanpur.	Do.
	.) B. Pugazhendhi, Asstt, Manager/ Admin. D) CT Padmanabhan, Asstt, Manager/ Admin.	Ammunition Factory, Kirkee.	Do.
		C. S. G	OURISHANKARAN

### Calcutta, the 24th April 1982

No 19/G 80.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri C. S. Prabhakaran, Subst. & Permt. Manager with effect from 15th July, 1974 (AN).

No. 20/82/G.--Shri T. S. Grewal, Offg. Deputy Manager, (Subst. & Permt. Asstt. Manager) Voluntarily retired from service with effect from 31st May, 1981 (AN).

No. 21/82/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri H. N. Roy, Ollg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st Jan. 1981 (AN).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Fys.

for Director General, Ordnance Factories.

Member/Personnel

### Calcutta-7000069, the 24th April 1982

No. 3/82/A/M.—The President is pleased to make the following amendments to the Gazette Notification bearing Ordnance Factory Board Notification No. 1/82/A/M dt. 18-2-82 in respect of resignation of Dr. R. R. William and Dr. B. N. Rao Subudhi, Assistant Medical Officers of Ammunition Factory, Kirkee:

- (i) Under Column "Date" against Sl. No. 5 relating to Dr. R. R. William, AMO For 21-9-81 (AN) Read 21-9-81 (FN)
- (ii) Under Column 'Date' against Sl. No. 6 relating to Dr. B. N. Rao Subudhi, AMO For 01-10-81 (AN) Read 01-10-81 (FN)

No. 18/G/82.—This Office Gazette Notification No. 13/A/G Dated the 22nd March, 1982 published No. 82/A/G, Dated the 22nd March, 1982 relating to the extension of service in respect of Shri D. P. Chakravarti, Offg, ADGOF/Gr. I for a period of 3 months with effect from 5th January, 1982 is hereby cancelled.

C. S. GOURISHANKARAN Addl. DGOF/Member (Personnel)

### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

(ESTABLISHMENT)

### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 30th April 1982

No. 1/5/82-ADMN(G)/2717.—The President is pleased to appoint Shrimati Anita Sahni, IRS (C&CE) formely Assistant Director (Training) in the Directorate of Training (Customs & Central Excise), New Delhi as Officer on Special Duty in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 22nd April, 1982 (AN).

MANI NARAYANSWAMY Chief Controller of Imports and Exports

New Dolhi, the

April 1982

No. 6/1155/76-ΛDMN(G)/2596.—Shri Kanwar Singh an officer of the Section Officer's grade of the CSS and officiating Controller of Imports and Exports in this office expired on 2-4-1982.

### The 29th April 1982

No. 1/2/82-ADMN(G)/2672.—The President has been pleased to allow Shri Radha Kishan, an officer officiating in Grade I of the CSS to continue to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 1st October, 1981, until further orders.

J. K. MATHUR
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

### DEPARTMENT OF TEXTILES

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 7th April 1982

No. A-12025(i)/5/80-Admn. II(A)—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 27th January, 1982 and until further orders Shri Ananta Ram Bora as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers' Service Cadre, Gauhati.

#### The 14th April 1982

No. A-12025(i)/8/80-Admn. II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 5th April, 1982 and until further orders Shri Nishkam Kasturiya as Deputy Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Mccrut.

### The 17th April 1982

No. A-12025(i)/1/81-Admn. II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 12th April, 1982 and until further orders Shri Bijan Behari Paul as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers' Service Centre, Agartala.

P. SHANKAR
Additional Development Commissioner for Handlooms

### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 30th April 1982

No. E. 11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July 1969 under Class 2, Nitrate: in the entry EM-1 series, for the figures "30-4-82", the figure "31-10-82 shall be substituted".

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 28th April 1982

No. A 19011(51)/76-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. M. Prasad, permanent Scnior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Regional Mining Geologist in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 16th January, 1982.

No. A. 19012(149)/81-Estt. A.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Uma Shankar Lal is appointed to the post of Asstt. Chemist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th December, 1981.

No. A. 19011(302)/82-Estt. A.—Consequent upon his selection for appointment, Shri V. Anandan, Joint Director in the Transport Research Division, Ministry of Shipping and Transport, New Delhi, has assumed the charge of the post of Superintending Mineral Economist (Statistics) in Indian Burcau of Mines, with effect from the forenoon of 25th February, 1982.

B. C. MISHRA Head of Office, Indian Bureau of Mines

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd April 1982

No. 3/95/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint J. P. Tikku, Accountant, DDK, Srinagar to officiate as Administrative Officer on an ad hoc basis All India Radio, Indore with effect from 16-4-1982.

### The 26th April 1982

No. 4/2/82-SII.—The Director General, All India Radio. hereby appoints Smt. Santosh Nanda, Research Assistant Central Hindi Directorate as Hindi Officer on deputation in the pay Scale of Rs. 650—30—740——35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc basis with effect from 3-4-82 (F.N.) in the office of External Services Division, All India Radio, New Delhi.

H. N. BISWAS
Deputy Director Administration
for Director General

### New Delhi-1, the 28th April 1982

No. 4(34)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ponnusamy Srinivasan as Programme Executive. AIR, Tiruchirapalli in a temporary capacity with effect from the 20th March, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

### New Delhi, the 1st May 1982

No. 3/48/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri M. A. Topiwala, Administrative Officer, All India Radio, Ahmedabad to officiate as Senior Administrative Officer, All India Radio. Bombay with effect from 23-4-82 (F.N.).

S. V. SESHADRI Deputy Director Administration for Director General

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st May 1982

No. A. 12025/20/80(AIIHPH) Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Reddy to the post of Assistant Professor of Behavioral Sciences at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th February, 1982 and until further orders.

### The 3rd May 1982

No. A. 12026/3/81(AIIHPH). Admn. I.—Consequent upon his appointment to the post of Deputy Director, Central Water Commission, Ministry of Irrigation, New Delhi, Shri K. K. Agarwal (a Grade III officer of the I.S.S.) relinquished charge of the post of Assistant Professor of Statistics, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the afternoon of the 5th April, 1982.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 23rd April 1982

No. PPED/3(236)/82-Estt. -I/5796:—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the und ermentioned personnel of this Division as Scientific Officer/Engineer—Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders:—

SI. No	Name o.	Present grade
1.	Shri K, T. Menghani .	Draughtsman 'C' (Pmt. D/man 'A')
2.	Shri S. Radhakrishnan	Draughtsman 'C' (QP D/Man 'B')
3.	Shri J. Kanal	Scientific Asstt. 'C' (QP SA 'B')
4.	Shri M. L. Dwarkanath	Scientific Asstt, 'C' (QP SA 'B')
5.	Shri R. C. Arora .	Scientific Asstt. 'C' (QP SA 'B')
6.	Shri M. K. Nagaraja .	Scientific Asstt. 'C' (QP D/Man 'B')
7.	Shri R. Srinivasan .	Scientific Asstt. 'C', (QP SA 'B')

R. V. BAJPAI,
General Administrative Officer.

### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 30th April 1982

No. DPS/2/1(1) 81-Adm./10199.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Shashikant Narayan Deshmukh, Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer (Ad hoc) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate with effect from January 27, 1982 (FN) to April 26, 1982 (AN) vice Shri P. V. Ramnathan, Assistant Purchase Officer promoted as Purchase Officer.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

### NUCLEAR FUEL COMPLEX

### 15th April 1982

No. PAR/0702/1024.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri S. C. Chibber, Asst. Security Officer to officiate as Security Officer on ad hoc basis, against existing vacancy in Nuclear Fuel Complex from 30-11-1981 to 2-1-1982.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 3rd May 1982

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Rakesh Bahuguna as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of April 19, 1982 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th April 1982

No. Ref. 05012/R1/OP/1468.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Assistant Accountant, Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of April 12, 1982 to May 12, 1982 (AN) vice Shri V. K. Mahagaonkar, Asstr. Accounts Officer, granted leave.

R. C. KOTTANKAR Administrative Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th April 1982

No. A. 12025/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Chauhan, Scientific Officer at present working on ad-hoc basis to the same grade on a regular basis wef 12-4-1982 (FN).

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Dolhi, the 27th April, 1982

No. A. 32013/5/81-EC:—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period

of six months w.c.f. the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

SI. Name No.	-	Present Stn. of posting.	Stn. to which posted.	Date of taking over charge.
S/Shri				·
1. S. S. Gill		ACS,	ACS,	12-3-82
		Delhi	Delhi	(FN)
2. S. Govindarajan		ACS,	ACS,	12-3-82
		Calcutta	Calcutta	(FN)
3. A. K. Munshi		ACS,	ACS,	30-3-82
		Calcutta	Calcutta	(FN)
4. S. Basu	4	ACS,	ACS,	12-3-82
		Calcutta	Calcutta	(FN
<ol><li>R. V. Khare</li></ol>		ACS,	ACS,	15-3-82
		Bombay	Bombay	(FN)
6. S. D. Chopra		ACS,	ACS,	13-3-82
•		Bombay	Bombay	(FN)
7. P. N. Mallick		ACS,	ACS,	12-3-82
		Delhi	Delhi	(FN)
8. T. V. Natrajan		ACS,	ACS,	15-3-82
•		Bombay	Bombay	(FN)
9. S. S. Dutta .		ACS,	ACS,	12-3-82
		Calcutta	Calcutta	(FN)
10. S. L. Choda		ACS,	ACS,	12-3-82
		Dolhi	Delhi	(FN)
11, S, N, Sen .		ACS,	ACS,	12-2-83
		Calcutta	C'alcutta	(FN)
12, Saibal Gupta		DGCA	CATC,	24-3-82
•		(HQ)	Allahabad	(FN)

No. A.39012/8/81-EC.—The President is pleased to accept ment's Notification No. A-32013/3/80-EC dated the 30-4-81 office of the Director, Radio Cons. & Dev. Units, New Delhi from Goyt, service w.c.f. 29-1-82 (AN).

### The 28th April, 1982

No. A. 32013/3/80-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A-32013/3/80-EC dated the 30-4-82 3-7-81 and 6-8-81, the President is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of the following nine officers in the grade of Communication Officer for a further period upto 30-6-82 beyond the dates indicated against each or till the regualr appointment to the grade are made whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Station of posting	Date
S/Sh	ri		
1. K. N.	Nair .	. ACS, Trivandrum	7-12-81
2. S. R.	Iyer -	. ACS, Palam	17-9-81
3. T. S.	Prakasan	. ACS, Bombay	18-9-81
4. M. R	aghayan	ACS, Madras	18-9-81
5, S, Kr	ishnamurthy	Regional Office, Bombay	19-1-81
6, K. Go	palakrishna.	n ACS, Bombay	18-9-81
7. D. P.	Chohan	. ACS, Palam	17-9-81
8. S. M	anickam	. ACS, Madras	30-9-81
9. S. Sar	kar .	Regional Office, Calcutta	3-12-81

No. A.32013/2/81-EC.—The President is pleased to appoint Shri C. L. Jain, Assistant Technical Officer, Aero. Comm. Stn, Jammu to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a period of six months w.ef. 30-3-82 (FN) and to post him to Λero. Comm. Stn. Delhi Airport, Palan, Delhi.

No. A.32013/2/81-EC.—In continuation of this Departments Notification No. A.32013/2/81-EC dated the 30th Jan, 82, the column against S. No. 13 may be amended to read as under:—

SI. No.	Name	Prosont Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
13, G	. D. Kulkarni .	ACS, Bombay	ACS, Bombay	16-1-82

### The 29th April, 1982

No. A. 32013/5/80-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/5/80-EC dated the 28th July, 81 and the 5th Sept. 1981, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned officers in the grade of Dy. Director of Communication/Controller of Communication for a further period upto 30-6-82 beyond the dates mentioned against each or till he regular appointment to the grade are made, whichever is earlier:—

S. No.	Name		Station of posting	Date
	Shri			
1, P, S	S, Dhunta		ACS, Trivandrum	20-11-81
2. N.	K. Puri		ACS, New Delhi	21-11-81
3. R.	S. Ajmani	,	DGCA (HQ)	24-11 <b>-</b> 81
4. K.	Ramalingam		ACS, Madras	8-12-81
5. H.V	7. Sudershan		ACS, Bombay	20-12-81
6. S. I	H. Khan .		ACS, Calcutta	27-11-81
7. Sur	esh Chandra		ACS, Calcutta	28-1-82
8. A.	K. Misra		ACS, Palam	22-12-81
9. V.	K. Rao.		ACS, Hyderabad	15-12-81
10, V,	K. Verma		ACS, Bombay	28-12-81
11, S. I	R. R. Rao		ACS, Madras	7-1-82
12, P, I	ζ, Singhat		ACS, Bombay	25-11-81
13. S. I	C. Kakkar		ACS, Calcutta	15-11-81
14. D.	C. Mehta		RGDU New Delhi	1-1-82
15, P. S	Seth .		DGCA(HQ)	21-12-81
			**	

J. C. GARG, Assistant Director (Admn.)

# FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Debradun, the 28th April 1982

No.	16/150/67-E	STS.I.—Shri	R. K.	Gupta,	Research
Officer,	Forest Res	earch Institute	and	Colleges,	Dehra Dun
`xpired	on 16-4-82	(AN.)			

K. M. TIWARI
President,
Forest Research Institute & Colleges.

## COLLIFCTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Indore, the 5th March 1982

No. 1/82.—Shri R. B. Wakil, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Bilaspur Range, expired on 13-1-82.

No. 2/82.—Shri Subimal Chatterji, Superintendent of Central Excise Group 'B' Range I Damoh, expired on 5-2-82.

S. K. DHAR, Collector

### OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS : PATNA

Patna, the 3rd May, 1982

C. No. II(7)2-ET/82/4519:—The following confirmed/officiating Supdt. Gr. 'B'/Admn. Officer/Asstt. Chief Accts. Officer, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannuation w.e.f. the dates indicated against each:—

Sl. No. Name of Officer		Designation	Date o	of uation
S/Shri				
1, G. D. Verma		Supdt. Gr. 'B'	31-7-81	(AN)
2. Bharat Singh		Do.	30-9-81	(AN)
3. Yogendra Pd		A.C. A.O.	31-10-81	(AN)
4. S. N. Majumdar		Admn. Officer	31-11-81	(AN)
<ol> <li>Gopalji Sahai .</li> </ol>		A.C. A.O.	31-12-81	(AN)
6. Ram Charitar Pd.		Supdt. Gr. 'B'	31-12-81	(AN)
<ol><li>Ramoshwar Sinha</li></ol>		Do,	31-1-82	(AN)
8. Md. Ahsan		Do.	31-1-82	(AN)
9. Sudam Sin <u>h</u> a .		Do.	31-1-82	(AN)
10. H. P. Dubey .		Do.	31-1-82	(AN)
<ol> <li>J. P. Bhandary</li> </ol>		Do.	31-1-82	(AN)
12. J. P. Sinha		Do.	31-1-82	(AN)
13. Raghubar Ram .		Do.	28-2-82	(AN)
<ol><li>Ghamanda Singh</li></ol>		Do.	28-2-82	(AN)
15. H. D. Jha		Admn. Officer	28-2-82	(AN)
16, V. C. Topno		Supdt. Gr, 'B'	31-3-82	(AN)
17. Janki Sharan Pd.	-	Do.	31-3-82	(AN)

K. K. SRIVASTAVA,
Assistant Collector (Hqrs.)
for, Collector,
Central Exciso,
Patna

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 28th April 1982

No. A-19012/999Ifl82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Sunil Jain, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-

35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenon f 31st March, 1982.

No. A-19012/1001/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ratt Ram, Design Assistant S(54) Enginering) on puprely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 31st March, 1982.

### The 1st May 1982

#### **CORRIGENDUM**

No. A-19012/955/81-Estt.V.—The date of assumption of charge of the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer by Shri S. K. Basu shown in 7th line of Commission's Notification of even number dated 23rd February, 1982 may be read as forenoon of 1-11-81.

A. BHATTACHARYA Under Secretary, Central Water Commission

# MINISTRY OF LAW, TUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Community Act 1966 and of

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kalyan Auction Benefit Chit Fund (P) Limited

New Delhi, the 30th April 1982

No. 3425/7727.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kalyan Auction Benefit Chit Fund (P\ l imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Dee Dee Chit Fund P. Ltd. 3/29,Old Rajinder Nagar, New Delhi

New Delhi, the 4th May 1982

No. 3975/8043.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from te date hereof the name of the M/s. Dee Dee Chit Fund P. Ltd. unless, cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 24th April 1982

Ref. No. C.R. No. 62/31966/81-82/Acq/B.—Whereas, 1 DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 47/1, Viviani Road, situated at Richards Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar Doc. No. 2047 on 29-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor ot pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—

- (1) Mr. John Mammen, No. 47/1, Viviani Road, Richards Town, Bangalore-560005.
- (2) Mr. James, A. Lewis, Mrs. Daisy M. Lewis, No. 48, Williams Town, Bangalore-560046.

(Transferce)

(3) Transferor (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 2047 dated 29-9-81 No. 47/1, Viviani Road, Richards Town, Bangalore.

DR. V. N. I.ALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-4-1982

Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 24th April 1982

Ref. No. C.R. No. 62/31982/81-82/ACQ/B.--Whereas, 1 DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 317/B situated at Avalahally, Bangalore South (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Bangalore South Taluk Doc. No. 3050 on 7-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

22—76GI/82

(1) Shri R. Chinnaswamy, I Cross, Ranasingh pet, Bangalore-2.

(Transferor)

1. Shri Ramjan A. Mehta, 2. Susheela J. Mehta, 3. Sanoj V. Mehta,
 R/o B. 118, 4th Block Rajajinagar, Bangalore-10. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3050 dated 7-9-81 House list No. 317 B. at Avalahaly, Bangalore-South.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge, Bangalore

Date: 24-4-1982

Scal:

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-56000, the 24th April 1982

Ret. No. 62/31978/81-82/Acq/B.—Whereas, I, DR, V. N. I ALITHKUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 514, Thonachikoppal, situated at Saraswathi puram, Mysore-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Mysore Doc. No. 1826 on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesai property by the issue of htis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. V. Vittal, No. 709, 16th Main, Saraswathipuram, Mysore.
- (2) Shri J. Venkategowdo, Smt. S. P. Gowramma 8th Main Saraswathipuram, Mysore,
- (3) Self (Person(s) in ocupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1826 dated 17-8-81 No. 514, Thonachikoppal, Saraswathipuram, Mysore-7.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-4-1982

Scal;

#### FORM ITNS-

### (1) Shri K. Ramaraj, S/o Shri P. S. Kali Chettiar, No. 370, Fourth Street, K. K. Pudur, Coimbatore-641 038. (Transferor)

(2) Shri C. Sundar and others, No. 10-A, Vincent Colony, R. S. Puram, Coimbatore-641 002, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. F. No. 15599,—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 1 & 2 T.S. No. 12/125 situated at 40 ft scheme road from Alagesan road, Coimbatore-(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 11. at Gandhipuram (Doc No. 3565/81) on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Site No. 1 & 2 T.S. No. 112/125 at 40 ft scheme road from Alagesan Road, Coimbatore-641 011, (Doc. No. 3565/81 )

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 12-4-1982

Scal:

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. 119/Aug/81.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 42 Halls Road, situated at Mndray-10 (Doc No. 1032/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Periamet, Madras on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. P. Hemswahti, 2. Shri C. Pawani, 3. Shri C. Vivekanandan, 5, 10th Avenue, Harrington Road, Madras-30.

(Transferor)

(2) K. Ramachandra Raja, 206, Purasawalkam Road, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 42, Halls Road, Madras-10. (Doc. No. 1032/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 12-4-1982

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. 120/Aug/81.—Whereas, I, R, RAVICHANDRAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, 36, New Avadi Road, situated at Madras (Doc. No.

1033/81)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering Officer at Periamet, Madras on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. S/Shri S. P. Hemavathi, 2. C. Pawani, 3. C. Vivekanandan, 5. 10th Avenue, Harrington Road, Madras-30.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Krishnama Raja, 2, Ormes Road, 111rd Cross Street, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exprise later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 35/36, New Avadi Road, Madras-10. (Doc. No. 1033/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. 121/Aug/81.—Whereas I R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 35/36, New Avadi Road, situated at Madras 10 (Doc. No. 1034/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet, Madras on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri S. P. Hemavathi, 2. C. Pawani, 3. C. Vivekanandan, 5, 10th Avenue, Harrington Road, Madras-30. (Transferor)
- Shri R. Jayalakshmi, 2. Ormes Road, IIIrd Street, Madras-10, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 35/36 New Avadi Road, Madras-10. (Doc. No. 1034/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 12-4-1982

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th April 1982

Ref. No. F. No. 16599.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House, Ground and premises No. 32, situated at Plot No. 83, Hnd Main Road, Gandhi Nagar, Advar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR-II, Saidapet (Doc. No. 3125/81) on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Kamalam David, No. 19, Spencer Road, Bangalore.
   2. Dr. Marison David, Holdsworth Memorial Hospital Quarters, Mysore.

  (Transferor)
- (2) M/s, East Coast Construction & Industries, No. 4, Moores Road, Madras-600 006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House, Ground and premises No. 32 Plot No. 83, Second Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20, (Doc. No. 3125/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-I, Madras-6.

Date: 13-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th April 1982

Ref. No. F. No. 16660.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exvecding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16 (Old No. 32) 1st Main Road, situated at Gandhi Nagar, Adyar, Madras-600 020

(and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R.-II, Saidapet (Doc. No. 3796/81) on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Sugesan & Company Private Limited, by its Director K. Gopaachari, No. 28, Rajaji Salai, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Keci Shoth Sons, No. 38, Rajaji Salai, Madras-600 001.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the saida property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

House Ground No. 16, (Old No. 32), First Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-600 020.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 13-4-1982

#### FORM NO. J.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 15th April 1982

Ref. No. F. No. 16564,—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 942, Poonamallee High Road, Madras-84, situated at Madras (Doc. No. 1802/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasaiwalkkam Madras (Doc. No. 1802/81) on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tame<sup>1</sup>: —

23—76GI/82

- (1) Shri M. T. Srinivasa Mudaliar, No. 942, Poonamallee High Road, Madras-600 084. (Transferor)
- (2) Messrs A. P. R. Construction, No. 624, Anna Salai, Madras-600 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at 942, Poonamalec High Road, Madras-600 084. (Doc. No. 1802/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-4-82

#### FORM NO. ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 15th April 1982

Ref. No. F. No. 16564.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/-and bearing No.

942, Poonamallee High Road situated at Madras-600 084

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkkam Madras (Doc. No. 1803/81) on August 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri M. T. Srinivasa Mudaliar, No. 942, Poonamallee High Road, Madras-600 084.

(Transferor)

(2) Messrs A. P. R. Construction, No. 624, Anna Salai, Madras-600 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at No. 942, Poonamallee High Road, Madras-600 084.

(Doc. No. 1803/81)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/c) Madras-600 006.

Date: 15-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 16th May 1982

Ref. No. 11574.—Whereas, 1, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. old 9/2, 4/2 & 9/29/2, new T.S. No. 9/420/2 Site No. 9, Pattel Road,

Coimbatore Town situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore J.S.R.I.

(Doc. No. 4820/81) on 31-8-81

igor an apparent consideraiton which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Pattammal, W/o Perumal, 34, Ramachandra Road, R.S. Puram, Coimbatore,

(Transferor)

(2) Sh. M. Ranga Rajan & Smt. Muthammal, 6/2, Thiruvalluvar Nagar, R.N. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Land at No. T.S. No. old 9/2, 4/2 & 9/19/2, New T.S. No. 9/420/2, Site No. 9. Pattel Road, Colmbatoro Town.

(Doc. No. 4820/81).

R. RAVICHANDRAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, (I/c) Madras-600 006.

Date: 16-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. 16567.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 3116/2-Part, Door No. 14, situated at Ormes Road, Kilpauk, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam, Madras

(Doc. No. 1683/81) on 17-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. S. Ramachandra Mehta, S. Krishnakumar Mehta, and J. R. Subbaraya Mehta, No. 40, Ekambarcswar Agranaram, Madras-3.

(Transferor)

(2) Sh. P. M. Maruthai Chetty, 73, Nyniappa Naicken Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a preiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land at No. R.S. No. 3116/2-Part, 14, Ormes Road. Kilpauk, Madras.

(Doc. No. 1683/81).

R. RAVICHANDRAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 16-4-82

Seal

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 16567.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B, Part, Block 51, T.S. No. 3116/2 part situated at Ormes Road, Kilpauk, Madras-10 (Vacant site 1020 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purusawalkkam, Madras (Doc. No. 1684/81) on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. T. R. N. Sudarsana Mehta & another S/o Neclakanta Mehta, No. 14, Ormes Road, Madras-600 010.

(Transferor)

(2) Sh. P. M. Maruthai Chetty, S/o Muthu Chettiar, No. 73, Nyniappa Naicken Street, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at R.S. 3116/2 part No. 14, Ormes Road, Madras-10. (Doc. No. 1684/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/c) Madras-600 006.

Date: 16-4-82

Seal;

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 16th April 1982

Ref. No. 16567.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 3116/2-Part, Door No. 14, situated at Ormes Road, Kilpauk, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Purasawalkkam, Madras (Doc. No. 1685/81) on 17-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. T. Sadasiva Mchta, S. Rajaram Mchta, S. Ravi Mehta, S. Chandrasekara Mehta, S. Suresh Mehta, S. Prakash Mehta, and S. Salyanaraja Mchta, 14, Ormes Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 Sh. P. M. Maruthai Chetty, 73, Nyniappa Naicken Street, Madras-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land at No. R.S. 3116/2-Part, 14, Ormes Road, Kilpauk, Madras.

(Doc. No. 1685/81).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. 11578.—Wherens, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ganapathy village, Coimbatore situated at Gandhipuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(Doc. No. 3735/81) on 19-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Ponnuswamy Gounder & others, No. 242, Kalai thottam, Ganapathy village, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sh. Arvindkumar, R. Shaw, S/o Rathilal Shaw, No. 36, Ponnurangam Road, R.S. Puram, Coimbatore Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land at No. 243, Kalai thottam, Ganapathy Village, Coimbatore.
(Doc. No. 3735/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

TS No. 5/21-P(Old No. T.S 5/25) situated at Combatore Town

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at J.S.R.-I, Coimbatore (Doc. No. 4229/81) on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rukmani Ammal, W. o Sh. Subbaiah Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sh. P. S. Natarajan, S/o P. D. S. Pillai, No. 92, Lujapathy Roy Street, Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5/21-P. (Old No. 5/25) at Coimbatore Town.

(Doc. No. 4229/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

cal;

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 008

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.-Whereas, I. R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 5/21 (Old No. 5/25) situated at Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR-I, Coimbatore (Doc. No. 4230/81) on Aug 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---24---76GJ/82

(1) Mrs. Rukmani Ammal. (W/o R. Subbaih Chettiar, No. 33 265, Vysial Street, Coimbatore-641 001.

(Transferor)

(2) Sh. K. Manickam Chettiar, S/o Kuppuswamy Chettiai 30/246, Thiyagi Kumaran Street, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5 21 (Old No. TS. 5/25) at Coimbatore

(Doc. No. 4230/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 008

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T.S. No. 5/21 (Old T.S. No. 5/25)

situated at Colmbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

Officer at J.S.R.-I, Coimbatore (Doc. No. 4231/81) on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Rukmani Ammal, W/o R. Subbaih Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore-641 001.

(Transferor)

(2) Sh. S. A. Sivaswamy Chettiar, S/o Angan Chettiar, No. 122, Thomas Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5/21 (Old No. T.S. 5/25) at Coimbatore Town.

(Doc. No. 4231/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T.S. 5/21 (Old No. T.S. 5/25) situated at Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at J.S.R.-I, Coimbatore (Doc. No. 4232/81) on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rukmani Ammal, W/o R. Subbaih Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore-641 001.

(Transfero. )

(2) Mrs. Dhanalaxmi, Ammal,

W/o S. Venu, No. 30/209, Thiyagi Kumaran St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5/21 (Old T.S. No. 5/25) at Coimbatore Town. (Doc. No. 4232/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T.S. No. 5/21 (Old No. T.S. 5/25) situated at Coimbatore Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at JSR-I, Coimbatore (Doc. No .4234/81) on Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

(1) Mrs. Rukmani Ammal, W/o R. Subbaih Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore-641 001.

(Transfero

(2) Mrs. A. Leela, W/o Mr. Anandan, No. 30/209-A, Thiyagi Kumaran Street, Coimbatore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazet'e.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5/21 (Old No. T.S. 5/25) at Coimbatore Town. (Doc. No. 4233/81).

> R, RAVICHANDRAN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T.S. No. 5/21 (Old T.S. No. 5/25) situated at Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR-I, Coimbatore

(Doc. No. 4234/81) on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Rukmani Ammal, W/o R. Subbaih Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore-1.

(Transfero,)

 Mrs. Veerammal, W/o K. Manickam Chettiar, No. 246, Thiyagi Kumaran Street, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Site T.S. No. 5, 21 (Old T.S. No. 5/25) at Coimbatore Town, (Doc No. 4234/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Mrs. Rukmani Ammal, W/o R. Subbaih Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) Kumari Nagammal, D/o Swaminatha Pillai, No. 167, Street No. 5, Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferec)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Rci. No. F. No. 11619.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. T.S. No. 5/21-P (Old T.S. No. 5/25) situated at Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at J.S.R.-I, Coimbatore (Doc. No. 4235/81 on Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5/21 (Old T.S. No. 5/25) at Coimbatore Town. (Doc. No. 4235/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006.

Date: 16-4-1982

---

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 11619.-Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House site T.S. No. 5/21 (Old No. 5/25) situated at Coimbatore Town

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at JSR-I, Coimbatore

(Doc. No. 4236/81) on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Rukmani Ammal, W. o R. Subbiah Chettiar, No. 33/265, Vysial Street, Coimbatore-1.

(Transfero )

(2) Sh. K. Saraswathi, D/o Kandaswamy Pillai, No. 30/45, Sundram Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House site T.S. No. 5 21 (Old No. T.S. 5/25) At Coimbatore Town, (Doc. No. 4236/81),

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006,

Date: 16-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 17th April 1982

Ref. No. 9446.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 26, Senkulam, Trichy, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy J.S. R-I. (Doc. No. 896/81) on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer,
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Sh. S. Purshothaman, S/o Sethu Rama Pillai, 2, Lawsons Road, TRICHY.

(Transferor)

 Sh. M. Chithambaram, S/o Muthu Pillai, 32. Tanjore Road, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land at No. S.F. No. 26, Senkulam, Trichy. (Doc. No. 896/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-4-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. G. K. Perumal, Ramayammal, 15, Kuppaiyar St., Gobi.

(Transferor)

(2) Sh. Nallammal, Anbuselvan C/o C. Nanjappa Counder, Kalianna Counder St., Gobiehettipalayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1982

Ref. No. F. 11605.—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN,

benig the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,006/- and bearing

No. 49A situate at Veerapandy, Gobi (Doc. 1112/81)

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gobi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica ion of this notice in the Official Gozette of a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

(Land and building at T.S. No. 49-A, Veerapandy village, Gobi Taluk—Document No. 1112/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006

Date : 1-4-82 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—76GI/82

#### FORM ITSS ----

NOTICE UNDER SECTION 25%(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Modras-600 006, the 1st April 1982

Ref. No. F. 9479.—Whereas, 1, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t. 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 308/1 situated at 28, North Prathakshanam Road, Karur (Doc. 3100/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meia Karur on Aug. 81.

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely and the said Act, to the following persons, namely and the said Act, to the following persons.

 Sh. S. Pannaivana-n S/o Biyasankaran Chettla: Ooran' St., 2, Kallasapuram, Aruppukottai.

(Transferor)

(2) Sh. N. Kasturi W/o M. Nachimuthu 13, Pasupath'puram, Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders gned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 28, North Prathakshanam Road, Karur.

(Doc. 3100/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-T, (1/C) Madsas-600 006

Date: 1-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sh. C. Seethapathi
 Krishnaswamy Nagar,
 Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sh. V. Saraswatai130, Dharmaraja Layout,Ramanathapuram, Colmbatore.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1982

Ref. No. F. 11569.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6/34 situated at Nagappa Chetty Road,

Krishna warry Layout, Sow ipalayam, Coimbatore

(Doc. 4590/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Combatore on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 6/34. Nagappa Chetty Road, Sowripalayam, Coimbatore. (Doc. 4590/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006

Date: 1-4-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1982

Ref. No. F. 16548.-Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

226, situated at

Royopettah High Road, Madras-14 (Doc. 1651/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Myalapore on Aug. 81

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Hotel Archana (P) Ltd., 226, Royapettah High Road, Madras-14. (Transferor)
- (2) Sh. A. Tajunnisha Begum, Syed Anar Hussain, 6/60A, Nooria St., Podakkudi Tanjore Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 226, Royapettah High Road Madras (Doc. 1651/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006

Date: 1-4-82

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1982

Rcf. No. F. 11600.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

476/1 situated at

S. No. 476/1, Vilankarichi

(Doc. 3595/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. Chandrasekaran,
 D. Narayanaswamy,
 234, Avinashi Road, Peelamedu Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. R. Premakumari W/o C. Balasubramaniam 2/212, Sarojini Naidu St., Siddapudur, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at S. No. 476/1, Vilankurichl, Coimbatore T.K. (Doc. No. 3595/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006

Date: 1-4-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1982

Ref. No. 11603/Aug./1981.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, I aving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 476/1, Vilankurichi

situated at Combatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore en Aug. 81 (Document No. 3596/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. Chandrasekaran,
 D. Narayanaswamy,
 No. 234, Avinashi Road, Peelamedu,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sh. S. R. Balasundaram, Father and Guardian of Minor B. Vishnuram, No. 1/5, Citha Fudur Sinnasamy Naidu Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the date of publication of this notice in the Chicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at S. No .476/1, Vilankurichi, Coimbatore Tk. (Doc. No. 3596/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/C) Madras-600 006

Date: 1-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-632016.

Cocbin-(82015, the 12th April 1982

Ref. No. U.C. 573/82-83.—Where is, I, T. Z. MANI, being the Computent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exact ding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule

situated t ' P. Ighat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Palghat e 1 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aboresaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri E. Shamsuddin, C/c. Shaji Travels, Puthuppalli Street, Palghat. (Transferor
- (2) Smt. Kamala Banu, C/o. P.A. Basheer House, No. XIX/237A, Fashion Silk House, Palghat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of public tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

8 cents of land with a building in Sy. No. R. S. 2272 of Yakkara Amsom, Palghat.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 12-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 12th April 1982

Ref. No. L.C. 574/82-83.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 26-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed of between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Nangolath Gouri Sankaren Nair, S/o Unniraman Eradi, Kasba, Kozhikode for Minors Meenakumari and Manoharan.

(Transferor)

(2) (1) Shri P. A. Ibrahim Haji,
(2) Shri P. A. Abbas Haji,
(3) Shri P. A. Aboobaker,
(4) Aboobaker Haji,
Pallikkara, Hosdurg Taluk.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

45.25 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 981 dt. 26-8-81.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND ΒΛΖΔΛR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 12th April 1982

Ref. No. L.C. 575/82-83.—Whereas, I. T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calicut on 26-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

26-76GI/82

(1) Shri M. Gopalankutty Nair, Marivectil House, Kasba for Vallillath Madathil Meera, Muralcedharan etc.

(Transferor)

(2) (1)Shri Ebrahim Haji, (2) Shri P. A. Abbas Haji.
(3) Shri P. A. Aboobaker Haji.
(4) Shri P. A. Aboobaker,

Pallikkara, Hosdrug.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

20 cents of land as per schedule attached to document No. 982 dt. 26-8-81.

> T. Z. MANI, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Cochin

Date: 12-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Sukapurathumadhom, Chirakkal Desom, Trichur. (Tra**n**sf**ero**r)

(2) Shri K. I. Thomas, Mg. Partner, Kanichai Cine Complex, Trichur-1,

(1) Shri Sudhir Gopi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 12th April 1982

Ref. No. L.C. 577/82-83.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25.000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 7-8-1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15 cents of land in Sy. No. 1386 of Trichur Village,

T. Z. MANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Cochin

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 12th April 1982

Ref. No. L.C. 578/82-83.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Trichur on 7-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dr. (Mrs.) Latha Gopi. Sukapurathu Madhom, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri K. I. Thomas, Mg. Partner, Kanichai Cine Complex, Market Road, Trichur-I. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

15 cents of land in Sy. No. 1386 as per schedule attached to Doc. No. 4638.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 12-4-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. 1066/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Pranab Kumar Chatterjee & others.
- (2) Sri Sajjan Kumar Ajitsaria.
  (Transferee)
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the immovable property measuring 4K 11 Ch. 9 sft. together with building being premises No. 19A & 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta

Date: 16-4-1982

(1) Shri Pranab Kumar Chatterjee & others.
(Transferor)

(2) Srì Lalit Kumar Khetawet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. 1067/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of the immovable property measuring 4k, 11 Ch. 9 sft together with building being premises No. 19A & 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Calculta

Date: 16-4-1982

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Pranab Kumar Chatterice & others

(2) Jugal Kishore Khetawet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. 1068/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that unidivided 1/6th share in 4K 11 Ch. 9 sft. together with building being premises No. 19A & 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta

Date: 16-4-1982

(1) Shri Pranab Kumar Chatterjee & others.
(Transferor)

(2) Sri Jugal Kishore Khetawet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. 1069/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share in 1 bigha 13 cottahs 14 chittacks 25 sft together with building & structures being premises No. 19A & 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Calcutta

Date: 16-4-1982

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Pranab Kumar Chatterjee & others, (Transferor)

(2) Shri Lalit Kumar Khetawat.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. 1070/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share in 1B 13K 14Ch 25 srt. with building being premises No. 19A & 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

All that undivided 1/6th share in 1B 13K 14Ch 25 sft
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Calculta

Date: 16-4-1982

## (1) Pranab Kumai Chatterjee & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prahladrai Khetawet.

(Transfere: )

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No. 1071 'Acq.R-III, 82-83, Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 25,000/and bearing

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

27---76GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service οf notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share in 1B 13K 14Ch 25 sft. with building being Premises No. 19A & 19B, Sarat Boso Road, Calcutta.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 16-4-1982 Seal:

(1) Pranab Kumar Chatterjee & others.

(Transferor)

(2) Sri Sajjan Kumor Ajitsaria.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

## **OF**FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Rcf. No. 1072/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, J. M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share in one bigha 13 cottahs 14 chittacks 25sft. together with building and structure being premises No. 19A and 19B. Surat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-4-1982

- (1) Pranab Kumar Chatterjee & others.
- (Transferor)
- (2) Shri Suvendu Kumar Khctawat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No. 1073/Acq./R-III/82-83/Cal—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share in one bigha 13 cottahs 14 chittacks 25sft. together with building and structure being premises No. 19A and 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 16-4-1982

#### FORM LT.N.S.--

(1) Pranab Kumar Chatterjee & others.

(Transferor)

(2) Shri Radhyashyam Ajitsaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No. 1074/Acg.R-III/82-83/Cal.--Whereas, J. M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share in one bigha 13 cottahs 14 chittacks 25slt. together with building and structure being premises No. 19A and 19B, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 16-4-1982

(1) Pranab Kumar Chatterjee & others.

(Transferor)

(2) Shri Suvendu Kumar Khetawat.

(Transferee)

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No. 1075/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, J, M. AHMAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Scholule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, ~1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-ideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as:

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided one sixth share in 4 cottahs 11 chittacks 9 sft together with building and structures being premises No. 19 V and 1938 Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 16-4-1982

## FORM I.T.N.S.-

(1) Pranab Kumar Chatterjee & others.

(2) Radhyashyam Ajitsaria

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No. 1076/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and baring

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided one sixth share in 4 cottahs 11 chittacks 9 sft. togther with building and structures being premised. No. 19A and 19B Sarat Bose Road, Calcutta.

> M AHMAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner on Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 16-4-1982

## FORM I.T.N.S.

- (1) Pranab Kumar Chatteriec & others.
- (Transferor)
- (2) Shri Prahladrai Khetawat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

→ OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No 1977/Acq.R-III/82-83/Cal.---Whereos, 1 , M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 19A & 19B, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore in pursuance of Section269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided one sixth share in 4 cottabs 11 chittacks 9 sft. together with building and structures being premises No. 19A and 19B Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 16-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQVISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIH

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. L/SR-III/8-81/756. -Whereas J. S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41, situated at Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satya Bhushan s/o Dr. Kulbhushan, through his registered attorney Dr. Indu Bhushan.

\_\_\_\_\_\_\_\_\_

(Transferor)
(2) Shri Suraj Parkash, Shri Sudhir Bhasin and
Shri Sushil Bhasin,
Reo 41-Ring Road,
Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 41, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delht 1th share

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Kul Bhushan Kapur, D-21, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

(2) Feisal Ebrahim Alkazi, A-28, Nizamuddin West, New **Delhi**.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-81/765. Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-41, situated at Nizamuddin East, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981 (Doc. No. 2404/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—76GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2) storeyel residential house No. B-41, Nizamuddin East, New Delhi built on 200 sq. yd. (or 167 sq. mtrs.).

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. LAC/Acq. I/SR-III/8-81/852.--Whetens I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-449, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Society of St. Paul (Regn. No. 2707/6566 Delhi r/o W-128, Greater Karlash-II,

New Delhi-48.

(2) Shri Ajay Kumar Dhawan, r/o W-40A, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-449, Defence Colony, New Delhi area 217 sq. yd.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Seal;

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, L.P. ESTATE, NEW DELIII

New Dolhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/8-81/853.—Wherens, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. A-448, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Society of St. Paul Reg. No. 2707/65-66 Delhi r/o W-128, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Sa Lasit Mattal & his wife Smt. Deepa Mittal, n/o E-22, Green Park, New Delhi-16.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. Δ-448, Defence Colony, New Delhi Area 217 sq. yd.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DFI.HI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/8-81/732.—Whereas, I, S. R. GUPFA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-540, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Group Captain S. S. Anand, Farlier C-540,
   Defence Colony, New Delhi at present No. 4, "Seagreen", Worli, Seaface, Bombay-18.

  (Transferor)
- (2) M/s. Gopal Dass Estates & Housing (P) Ltd., 28-Barakhamba Road, Connaught Place,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. C-540, Defence Colony, New Delhi, area 325 sq. yd.

S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-t, Delhi/New Delhi

Date : 19-4-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC /Acq. 1/SR-III/8/81/763.- -Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 25,000/-and bearing No.

15-A/59, smatcd at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Other at

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Inder Wati w/o late Shri Bihswa Nath, r/o 15-A/59, WEΛ, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander s/o Shri Bhagwan Das & Shri Jagdish Chander minor son of Shri Bhagwan Dass, 15-A/54, WFA, Karol Bugh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 15-A/59, W.E.A. Kirol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAK ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Dolhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/808.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land,situated at Village Shaurpur, Mehrauli Tch., New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ishwar Chand Gupta s/o Ram Chand Gupta & Sh. Hari Chand S/o Shri Nihal Chand R/o A-11, Greater Kailash Enclave & Vill. Tuglakabad respectively.

(Transferor)

(2) Divine United Organisation, Shri Sant Yogashram, Hans Marg, Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Argl. land 8 bighas 13 biswas of Kh. No. 430/1(2-11) & 431/2(6-2) of village Shaurpur, Mchrauli Teh. New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND ELOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III 8-81/808.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Shaurpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Satluj Bhatta Co., 23/2, Yusaf Sarai, New Delhi, through its Managing Partner Shri Ishwar Chand Gupta.

(2) M/s. Divine United Organisation, Shii Sant Yogashram, Hans Marg, Mehrauli, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agil. land 24 bighas 10 biswas of Kh. Nos. 365 (3-8), 366 min (2-1); 367 (5-14), 366 min (2-15), 372 (3-10), 374(1-14), 375(4-6) & 376 min(1-2) of Village Shaurpur, Mehrardi Tehsil. New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Delbi/New Delbi

Date : 19-4-1982

(Transferor)

## FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/8-81/822. - Whereas Ref. S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land, situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer wit

New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) S/Shri Bhagwan Singh, Ram Kanwar, Rameshwar and I-hwar Singh ss/o Shri Sujan, 170 Village Bijwasan, Ich. Mehrauli, New Delhi.
- (2) 1. Smt Santosh Devi w'e Shri Rameshwar 2. Smt. Hawa Kaur w/o Shri Ishwar Singh 3. Smt. Murti Devi w/o Shri Ram Kanwar end 4. Smt. Risalo w/o Shri Bhagwan Singh,
  - all r/o Village Bijwasan,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. lands measuring 17 bighas and 3 biswas comprised in Rect. No. 67, k. Nos. 13(4-16), 14(4-16), 17 North (2-08), 18(4-16) and 28(0-07) in Village Bijwasan, New

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/8-81/825.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agil. land, situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1931,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29—76GI/82

- (1) S7Shi Chandgi Rain, Mukhtiyar and Pyore, S870 Shii Subh Qain, 170 Village Gijwasan, Teh. Mehtauli, Quien Territory of Delhi.
- (Transferor)
  (2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd.,
  115 Ans.d Bhawan, 16 K.G. Marg,
  New Dellu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. lands mg. 19 bighas and 4 baswas comprised in Rectangle No. 36. Khila Nos. 4(4-16), 5(4-16) 7(4-16) and Rectangle No. 7, Khila Nos. 24/2(1-16) and 25/2 (3-00), situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
LP, ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/8-81/323.---Whereas I, S. R. GUPFA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Vijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Bhagwan Singh, Ram Kanwar, Rameshwar and Isnwar ss/o Shri Sujan, r/o Village Bijwasan, Teh. Meh., Union Territory of Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Deepshikha Estates (P) f.td., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. lands measuring 19 bighas and 4 biswas comprised in Rectangle No. 6, Khila Nos. 11(4-16), 20(4-16), Rectangle No. 7, Khila No. 15(4-16), 16(4-06), and 27(0-10) situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T N S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RAINGE-I,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1. SR-III/8-81/773.—Whereas 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

Agri land situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Shakuntla Mahant w/o Shri K. D. Mahant, P/O M/s. Shakuntla Apartments, 25-Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

. Harinder Nihal Singh w/o

(2) Mrs. Harinder Nihal Singh w/o Mr. B N. Singh, r/o C-193, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Khasra (Nos. 76(4-8-1/2), 77(0-10), Village Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (Appr. One Acre).

S. R. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR, CR. BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq. 1/SR-III, 8-81/772...-Whereas 1, 8, R, GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Net, 1961 (43 of 1 61) thereinafter reteried to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beating No.

Agrl, land, situated at Village Sulfanpur, Joh. Meh., New Deihi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid projecty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mithate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

. 19

(1) Shit E. D. Maham s/o Shri S. D. Mahant, P/O M/s. Shakunta Apartments, 25 Community Centre, Bast of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Surendra Nihal Singh s/o late Shii S. Gurmukh Singh, r/o C-1, Dewan Shree Apartments, 30-Ferozshah Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 75(3-16), 80(1-3), 70:0-6) Village Sultanpur, Tch. Meh., New Delhi (Appr. 1 Acres),

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUUIUSITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-81/775.--Whereas I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land, situated at Village Sultanpur, New Delhi

Agrl. land, situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) Mr. S. K. Sahni s/o Shri R. L. Sahni, Partner of M/s Shakunda Apartments, 25-Community Centre, East of Kaliash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Birender Nihal Singh s/o late Shri S. Gurmakh Mihal Singh, r/o C-193, Berence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land and Khasra Nos. 33(0-3), 32(2-8), 31 (0-15), 79(1?7), 34(0-6), 19(4-16), 18/2(4-2), 20/2(2-4), Village Sultanpur, New Delhi (App. 3.5 Acres).

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq. i/SR-III/8-81/774.---Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir morket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land situated at Vilage Sultanper, Ten. Meh., New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Offices at on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the inforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly scates in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. S. K. Sahni s/o Shri R. L. Sahni, P/O M/s Shakuntla Apartments, 25-Community Centre, Fast of Kailash, New Deihi.

(Transferor)

(2) Mrs. Harinder Nihal Singh w/o Mr. B. N. Singh, r/o C-193, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dare of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that I have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. Nos. 33(0-3), 32(2-8), 31(0-14), 78 (1-9), 77(4-6), 76(4-8-12), 68(0-6), 64(0-6), Village Sultanpur, Teh. Meh., New Delhi. (Approx. 2 Acres).

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D( ) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GPOUND FLOOR OR BUILDING, IP ISTAGE NEW DITHI

New Deshi, the 19th April 1982

Ref. No. LAC/Acq. I/SR-HI/8-31/828.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) therein: fter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Barsati E-48), a mated at Greater knilosh-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here.o) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi or August 1981.

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and their reason to believe that the fir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdev Singh, House No. 52, Street No. 42, Panjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. ikamla Nakra, r/o J-5/118, Rajouri Garden, New De<sup>t</sup>hi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 30 days from the service of rotice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the cate of publication of this votice in he Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Barsati set on 2nd Floor of House No. E-48, Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rew. No. ITC/Acq/I/SR-III/8-81/897.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. H-2, siquated at Kajkaji, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the abreshid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such an object as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  resp. ct of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely:—

 Sh. K. C. Bali S/o Sh. D. N. Bali r/o BE/11-B, D. D. Flats, Munirka, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Sukhdev Singh Gohel through his attorney Shri Harkishan Singh Gohel R/o 6/89-90, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. H-82, Kalkaji, New Deihi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-811900 -Whoreas, I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. A-41, situated at Hauz Khas, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—76GI/82

 Sint Raj Rani Bhandari W o late Sh. Desh Mitter Bhandari R o D-56, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)
(2) Sh. Durga Pershad Bhardwaj S/o Sh. Pandit Shri
Dhar R o D-4, Pamposh Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storey house on free-hold plot No A-41, measuring 311.1 sq. yds, situated at Hauz Khas, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. K. Sundaram S. o Sh. S. R. Krishne Swami R/o B-82, Sarvodaya Encl. New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Rumali Devi R/o Vill. Asola, Mehrauli, New Delhi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE.

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Λcq.I/SR-III/8-81|839,...-Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 82, Block-B, situated at Sarzodya Fuclave, New Delhi.

(and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereforeby more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property/Plot No. 82, Block No. B, area 404 sq. yd. Sar vodaya Enclave, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE J G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-81]746.---Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-222, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed

hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bhagat Ram Mohanji S/o Sh. Hukam Chand R/o E-222, New Raijnder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. P. B. Duggal S/o Sh. B. R. Duggal R/o R-561, Shankar Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. E-222. New Rajinder Nagar, New Delhi measuring 128 sq. yd.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/8-81/884.---Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flot No. B(FF)S-455, situated at Greater Kailash-II, New Delvi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Λct, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Errectors (P) 1.td. 23/2, Yusuf Barai, New Delhi through its Director Parvin Gupta. (Transferor)
- (2) Capt. Yash Pal Singh Parmar and Capt. Rajesh Sood, R to R-149, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notifies in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B(FF) measuring 1080 sq. fts, part of property No. S-455, Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-81[385.—Whereas, , S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B(GF), S-455, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at

New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. South Delhi Errectors (P) Ltd, 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Parvin Gupta.

(Transferor)

(2) Satinder Singh Punia S/o Inder Singh Punia and Jitinder Grewal Punia W/o Satinder Singh Punia R/o 654, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B(GF) measuring 1109 sq. fts. part of property No. S-455, Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-81/886.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

valve exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A(GF), S-455 situated at Greater Kailash II New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. South Delhi Errectors (P) Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Parvin Gupta.
- (2) Sh. Pushipinder Mohan Singh Grewal S/o Sardar Inder Mohan Singh Grewal R/o 654, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A/GF part of property No. S-455 Greater Kailash II, New Delhi measuring 880.88 sq. fts.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-811780.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. A-6/19 situated at Vasant Vihar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bireswar Bhattacharya R. o A-6/91, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Upkaran Chhabra R o F-10/10, Vasant Vihar,
   New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. A-6/19, area 250 sq. yd. Vasant Vihar, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Date: 19?4?1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-IV/8-81]262.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 268/84/1, situated at Vill. South Charagha, Illaga, Shahdara.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Gurcharan Singh & Smt. Charanjeet Kaur R/o Λ-37, Oberoi Apparatment, Alipur Road, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Kiran Kumar Mehra & Mahinder Kumar Mehra R/o 513/8, Gali Devlok Gandhi Nagar. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Khasra No. 268/84/1 situated in the colony known as Iheel Kuranja in the area of Vill. South Charagha Illaqa, Shahdara, Delhi (Area 278 Sq. yds)

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

Seal;

## FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81|890.---Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. HS-27 situated at Kailash Colony, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981.

for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—76GI/82

(1) S/Sh. Narendra Kumar Gupta & Om Parkash Gupta SS/o Sh. Ratan Lal Gupta R/o N-99, Greater Kailash-l, New Delhi RATNA DEVI TRUST tho' its Trustee.

(Transferor)

(2) Sh. Ganga Dhar Poddar 3/o Sh. Sagar Mal R/o F-3, Kailash Colony, ND.

(T.nnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24 storeyed house No. HS-27, Kailash Colony, New Delhi measuring 200 sq. yd.

S. R. GUPTA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

Scal:

#### FORM ITNS -----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81|751.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-10, situated at Nizamuddin West, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Col, K. Guman Singh S/o Rapadhiraj Amar Singh and Kunwarni Anand Kunwar W/o Col. K. Guman Singh R/o Santosh Kutir Ramble Road, Amjer (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Sh. Abhinandan Kumar Iam S/o late Sh. Munshi Lal Iain and Smt. Savitri Iain W/o Sh. Abhinandan Kumar Jain R/o C-143, Defence Colony, Newe Delbu

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property is may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-10, Nizamuddin West, New Delhi, 200 square yards.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhir-

Date: 19-4-1982

Seat:

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION · RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-1II/8-81|903.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

D-56, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(and more fully descirbed in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohan Devi W/o Sh. Mul Raj Duggal R/o D-56, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Gupta W/o Sh. Anand Parkash Gupta R/o 191, Shahpur, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. D-55, measuring 272-1/5 sq. yds. situated at Hauz Khas Enclave, New Delhifl.

S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Delhi, New Delhi.

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-81|847.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R-619, siutated at New Raijnder Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arises from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dharam Pal Kumria S/o Sh. Lakshman Dutt Kumria, R/o H. No. 3365, Sector 32-D, Chandigarh. (Transferor)

R/o H-450, New Rajinder Nagar, New Delhi.
2. Ashok Kumar Ahuja S/o Mangal Sain Ahuja.
(2) 1. Navin Chander Ahuja S/o Mangal Sain Ahuja (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21 storeyed built house No. R-619, New Rajinder Nagar New Delhi. Area 238 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi,

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/858.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. No. III-1/43, situated at Lajpat Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- I. Sh. Virender Kumar Soud R/o III-I/43, Lajpat Nagar, New Delhi.
  - 2. Sh. Vishminder Kumar Sood R/o III-I/43, Lajpat Nagar, New Delhi.
  - Smt. Usha Kiran Sood R/o B-122, Kalkaji, New Delhi,
  - Smt. Uma Khanna R/o II-A/15, IARI Colony, Pusa, New Delhi, (Transferor)
- (2) 1. Sh. Rajesh Mehta 2. Sh. Ramesh Mehta 3. Smt. Nirmala Mehta all R/o 10/2458, Karol Bagh, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1½ storeyed building built on 200 sq. vds. at III-1/43, Lajpat Nagar. New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

## FORM 1.T.N.S.---

 M/s. Emca Construction Company, 24/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Tulsi Pershad & Sons HUF through its Karta Smt. Kela Devi R/o Kaal Bhawan, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, CP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/850.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. I(FF), A-30 to  $\Lambda$ -33, situated at Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acequisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on first floor out of property No. A-30 to A-33, Connaught Pace, New Delhi.

S. R. GUPTA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/905.—Whereas, J. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 103 (K-15) situated at Green Park Extension, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or \
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose s of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—66 GI/82

Shri Manider Singh
 Coo M. S. Pal & Associates,
 12-Regal Building, Parliament Street,
 New Delhi.

(Transferor)

 Shri Subhash Chandra Sabhlok, 1216, Gulchaman Street, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103 and covered parking area in building at K-15, Green Park Extension, New Delhi on the ground floor, covered area approximate 650 sq. feet along with proportionate undivided share in the plot of land.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/ $\Lambda$ cq.I/SR- $\Pi$ /8-81/896,—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 27 Block 'D' situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Pradeep Kumar Khanna Adopted s/o (late) Shr iDevi Pershad Khanna R/o 584, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Emca Construction Company, 24/24, Ansari Road Darya Ganj, new Delhi Through its sale Proprietor Shri Mahabir Pershad S/o Radha Krishan Gupta Through his attorney Shri Krishan Kumar Gupta S/o M. P. Gupta. Delhi.

(Transferee) ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of! this notice in the Official Gazette or a period of 30, days from the service of notice on the respective 1 persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE '

Plot No. 27 Block 'D' situated in the residential colony known as Green Park, New Delhi, ar ea 491 sq. yd.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, EP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/776.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-78 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dehi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration an I that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—76GI/82

 Mis. Prabha Bagai R/o 1/A, Hospital Road, Jangpura, New Oelhi;

(2) Mrs. Joginder Kaur R/o C-257, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Air, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. M-78 of 500 sq. yards, Block-M, situated in Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPLA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date · 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, EP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref.No. IACAcq.I/SR-III/9-81/993.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

K/54/A, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dehi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Lajwanti W/o Shri Hari Ram Soni r/o K/54(B), Kalkaji, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mr. Pran Nath Kohli, S/o Late Shri Kishan Chand Kohli R/o 2+27, Katra Meher-Parwar, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Government Built Qr. No. K/54(A) 100 sq. yards Kalkaji, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE 1

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/737.—Whereas I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-83, situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ollice of the Registering Officer at New Delhi in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurkripal Singh Bedi through Attorneys Tikka Rachhpal Singh Bedi & Iqbal Singh Bedi, 12-B, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri N. C. Keswani, Vidya Keswani, Parkash Keswani, Rajkumar Keswani and Kamlesh Keswani 23/25, Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-83, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. FSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.f/SR-III/8-61 739.--Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Defence Colony, New Delbi, B-83.

of transfer with the object of:-

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Tarlok Singh Bedi through attornelys Tikka Rachhpal Sngh Bedi & Iqbal Singh Bedi, 12-B 12-B. Model Jown, Patiala.

(Transferor)

(2) Shii N. C. Keswani, Vidya Keswani, Parkash Keswani, Rajkumar Keswani and Kamlesh Keswani r/o 23/25, Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-83, Defence Colony, New Delhi.

S, R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I GROUND HOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-USR-III/8-81/735.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

B-83, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (17 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftcen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harban Sinch Bedi through Attorneys Tikka Rachhpal Sinch Bedi & Igbal Sinch, 128, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shii N. C. Keswani, Vajay Keswani, Parkash Keswani, Raikumar Keswani and Kamlesh Keswani, 23/25, Rajender Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-83, Defence Colony, New Delhi,

S. R. GUPTA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/8-81/738.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-83, situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jagjit Kaur and Iqbal Singh Bedi, 12-B, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri N. C. Keswani, Vidya Keswani, Parkash Keswani, Rajkumar Keswani and Kamlesh Keswam, r/o 23/25, Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-83, Defence Colony, New Delhi,

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/8-81/740.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-83, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Devinder Kaur and Tikka Rachhpal Singh Bedi, H2/4, Adarsh Colony, Rajpura Township, Patiala.
  - (Transferor)
- (2) Shri N. C. Keswani, Vidya Keswani, Parkash Keswani, Rajkumar Keswani and Kamlesh Keswani r/o 23/25, Rajinder Nagar New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-83, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 1
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-81/836.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-83, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferces for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaspal Singh Bedi through Attorneys Tikka Rachhpal Singh Bedi and Iqbal Singh Bedi, 12-B, Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri N. C. Keswani, Vidya Keswani, Parkash Keswani, Rajkumar Keswani and Kamlesh Keswani 23/25, Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-83, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1987

#### FORM INTS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-IΠ/9-81/952.—Whereas I S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 79,

situated at Amrit Nagar, Kotla Mubarakpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: - 33—76G[-82]

(1) Shri Pirthipal Singh s/o
Shri Partap Singh, through
Smt. Pushpa Malik w/o Shri D. N. Malik,
11F-102,
Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Daya Nand s/o Shri Ram Kishan, 11F-102, Lajpat Nagar,
  - New Delhi.

    2. Mrs. Shashi Arora w/o Shri P. J Arora, IIF-101, Lajpat Nægar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 79, Khasia No. 98 (Part), Amrit Nagar, Kolla Mubatakpur, New Delhi, measuring 200 sq. yds, situated at Ganda Nala.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Seal.

NOTICE UNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref No. IAC/Acq. II/SR-II/881 6027.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

(1) Ch. Saroop Singh 8/o Narain Singh, 1/o Village Kadipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Atam Jain s. o Shri Chetan Parshad Jain, r/o 27-B/15, New Rotak Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 14 Bighas 8 Biswas, situated at Kadipur Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/8, -81/6096,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37—66GI/82

- Sha Ram Chander s/o Ramji Lat, r/o Village Burari, Delhi.
- (Transferor)
- (2) Smt .Lajwanti w/o Shri Chander Bhan Ahuja, O/59 Malka Ganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land (1-0) Bigha vide khasra No. 826/1, area of village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-4ax,
Acquisition Rauge-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6030.—Whereas , I. NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsing from the transfer; and/
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Saroop Singh s/o Shri Narain Singh, 1/o Village Kadipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Rishi Prashant Trust through its trustee Shii Moti Lal Gupta, s/o Shii Chiranji Lal Gupta, r/o 16/73, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land, mg. 13 bighas 4 biswas, bearing khasra Nos. 762, 673, 678, 679 and part of khasra No. 641, situated at Kadipur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI
New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No IAC/Acq. 11/SR-II/8-81/6031.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 4, situated at Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi (and more fully described in the Schedule anneed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Ew Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Vidya Vati w/o late Sardai Chand, r/o 11/85, Road Punjabi Bagh, Delhi to the attorney of Shri Vinod Kumar.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Labhai Puri, w/o Shii Raj Kumar Puri, 1/c WZ-743, Rishi Nugar, Shakurbasti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

180 sq. yds. (30' x 54') Plot No. 4, Khegat No. 10, Khashra No. 176 situated at Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Inder Singh s/o Mana Singh, r/o Narela, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parvenn Kumar s/o Shri Ram Parkash, r/o 1728, Mamoorpur, Narela, Delhi. Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FIOOR, Cr BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC Acq. IISR-II/8-81/6300.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Angrl. land, situated at Village Mamoorpur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring, situated at Village Mamoorpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 19.4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. LISTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6049.—Whoreas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 102, situated at Mecna Kashi Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kashmiri Lal Ahuja s/o Shri Brij Lal Ahuja, r. o Moballa Kanungo, Roorkee (UP). (Transferor)
- Shri Narinder Kumar Wadhwa s/ο Dr. Ram Piarya Mal Wadhwa, τ/ο 2-Λ/39, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 102 mg. 203 sq. yd. part of khasra No. 313 situated at Meona Kashi Garden, New Delhi area of villago Tihar, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date . 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref No IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6148 --- Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Madhu Sharma w/o Shri G. S. Sharma and Brij Bala Tagra, w/o Shri B. L. Tagra

(Transferor)

(2) Shri Abhishek Garg, minor son and Aanchal Garg minor d, o Shri K. K. Garg as their legal natural Gurdian r/o D-1/55, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land (0-13) biswas vide Khasra No. 461, area of village Barari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

ACQUISITION RANGE II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI

Calcutta, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6113.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Agrl, land, situated at Village Mandka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—34—76GI/82

(1) Shi Sarat Singh s/o Shi Khem Chand 1/o Village Rithela, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar s. o Shri Gouri Shanker Kedia, r/o 12-Arminian Street. Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4(h share of total land mg. 52 bighas and 3 biswas, i.e. 13 bighas and 3/4 biswas bearing khasra Nos. 59/1, North (2.4), 60/5, 59/8, 12, 13, 19, 87/12, 13, 14, 17, 18, 19, 91/2, and 9 Village Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-II/8-81/6168.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Barari Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Yogesh Enterprises, B-96, Wazirpur Industrial Area, Delhi, through its partner Shri Naval Kishore.
- (2) Sn.t. Veena w/o Shri Baldev Raj, r/o Village Burari, Delhi State, Delhi.

('fransferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land mg 1 bigha & 4 biswas, vide khasra No. 671 of village Darari, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

## FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. IAC/Acq. II/SH?II/8-81/6173.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Sahibabad Daulat pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

New Delhi in August, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kehar Singh s/o Laig Ram, r/o VPO Sahibabad Daulatpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Chand Jain Sxo HUF Ari Daman Lal Jain, r/o 7/9A, Kali Makhan Lala, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land, Area 7 bighas 2 biswas of village Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19 4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq. II SR-II/8-81/6065.—Whereas, I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Bulambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at August. 1981

for such transfer as agreed to between the parties has not been value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhim Singh E/o Shri Net Ram, r/o H. No. 62.
 Sarai Pcepal Thala (Delhi State, Delhi)

(Transferor)

(2) Shri Iobal Singh Sahni S/o Shri Jai Singh Sahni and Shri Naunihal Singh s/o Shri Avtar Singh Sahni, both r/o A-88, Vishal Enclave. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 21 bighas 10 biswas entered Rect. No. 24 killa No. 25/2, 16 & 25/1, Rect. No. 29, Killa No. 5, 6, 15, situated in the area of village Hulambi Khurd, Delhi State. Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date . 19-4-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6104.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No. 66, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi August, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ac, (1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla Rikhi w/o Shri Avimash Chander, r/o 3-B, Sadul Colony, Bikaner.

(Transferor)

(2) Shri Inder Mohan Singh S/o Shri Jaswant Singh, r/o 13/54, Punjabi Bagh, New Delhi (hrough his father & attorney S. Jaswant Singh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressins used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

l and mg. 220.37 sq. yd. 1/3rd share of Plot No. 66 at North Avenue Road, Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. 11/SH-II/8-81/6161.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land, situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi August, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shayam Sunder S/o Attar Singh, R/o Village Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surat Singh, Bhim Singh, Jaswant Ancop Singh, Mukesh, Balwant Singh & Hanumat Singh, ss/o Sukh Lal, r/o VPO Nagli Jalib, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expression:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Area 2 bihas of village Burali, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6061.—Whereas I. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land, situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muni and Mam Chand-ss/o Khazan r/o Village Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Naresh s/o Om Parkash, Balishtar s/o Ram Chander, Vinod s/o Mangat, Basheshar s/o Duli Chand and Sona Devi w/o Dina Nath, r/o Village Dunda Hera, Distt. Meerut (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 2 bigbas 16 biswas bearing khasra No. 617, situated in the area of village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6298.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agil. land, situated at Village Mukhmelpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 S/Shri Jai Parkash, Prem Parkash, ss/o Pyare Lal, 1/0 Village Mukhmelpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri I. N. Choudhry s/o Jamna Dass, r/o B-9/22, Vasant Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land, 23 Bighas, Mustatil No. 43, Killa Nos. 14/2(2-8), 17(4-16), 20(4-8), 13(4-4), 15/2(2-0), 24(4-15), Village Mukhmelpur, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, OR BUILDING, LP. FSTATE, NEW DELIII

New Delbi, the 19th April 1982

Rof. No. IAC/Acq. II/SR-II/R-81/6297.---Whereas , NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land, situated at Village Mukhmelpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair man'let value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—76G1/82

 S. Shi Jai Parkash, Om Parkash, Prem Parkash, ss/o Shri Pyare Lal.
 Mukhmelpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pran Chaudhry w/o Shri J. N. Choudhry r/o B-9/22, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land 20 Bighas 4 Biswas, Kb. No., 1111(4-15), 1114(4-16), 1130(4-16), 1135(1-16), 1143(3-0), 1145 (1-0) Nilage Mukhmelput, Delhi,

NARITIDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delbi-New Delfit.

Date: 19-1-1982

(1) Ch. Saroop Singh s/o Ch. Narain Singh, r/o Village Kadipur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anıl Kumar soo Lal Chand Manoj Kumar soo Shri Bisharabar Dayal, 170 7, Rajpur Road, Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DFI HI

New Dellii, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/8-81/6023,—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Agri. land, situated at Village Kadipur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land meg. 13 Bighas 4 Biswas, Kh. Nos. 669, 665, 674 & 643 Villege Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19 4-1982

FORM I.T.N.S.--

(1) Ch. Saroop Singh s/o Ch. Narain, r/o Village Kadipur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Shri Jawahar Lal & Madan Lal, ss/o Shri Kishan Lal, r/o 7-Rajpur Road, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1I/8-81/6026.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land, situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 13 bigbas 4 biswas bearing khāsra No. 663, 665, 674, 675 and part of khasra No. 643, situated at Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Shii Thando Ram s/o Hazari Lal, r/o Sraspur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Gajraj Singh s.o Shri Arjan Singh Yadav, r/o Samepur, Delhi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, OR BUILDING, J.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC 'Acq. II/SR-JI/8-81/6269.—Whereas 1, NARINDA!: SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl, land, situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a perior of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F.NPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land mg. 1/4th share out area of 42 bighas 5 biswas of Village Samepur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 15-3-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE,

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6299.—Whereus, I, NARINDER SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vill. Khadipur. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering office at

on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) fai Parkash, Om Parkash, Prem Parkash SS'o Pyare Lai R'o Vill, Mukhinclpur, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Punam Suri S/o Om Parlash R o B-9/14, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExP: ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NEA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Agrl. fand 19 Bigha 4 Biswas, Kh. Nos. 1113 (4-16), 1123 (4-16), 1179 (4-16) Vill. Khadipur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
G-13, Central Revenues Building I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13A GROUND FLOOR CR. BUILDING, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81|6246,--Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Arl. nd situated at Vill. Sahibabad Daulat pur. Delhi.

1 (18/5) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposs of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:---

Shri Kehar Singh S/o Laiq Ram R/o VPO Sahibabad, Daulat Pur, Delhi. (1)

(Transferor)

(2) Shri Sukhmal Chand Jain S/o Ari Daman Lal Jain HUF R/o 9A/7, Gali Makhan Lal, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land 8 Bighas 4 Biswas of Vill, Sahibabad Daulat pur, Delhi.

> NARINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II G-13A Central Revenue Building I. P. Estate, New Delhi

Date: 30-3-1982

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF,

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6171.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Sahibabad, Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kehar Singh S/o Laiq Ram R o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Deibi
- (2) Shri Ravi Chand Jain S/o Ari Daman Lal Jain HUF R/o 4-B Alata Mount Road, Bombay.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri land 5 Bighas 17 Biswas, Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
G-13, Central Revenues Building I. P. Estate,

New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-II G-13A, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE.

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6296.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Mukhmelpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqusition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Jai Parkash, Om Parkash, Prem Parkash Pyare Lai R'o Vill. Mukhmelpur, Delhi. SS/o

(Transferor)

(2) Shri Naveen Suri S/o L. Sa. Om Parkash Suri R/o B-9/14 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazecte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. # 1 as

## THE SCHEDULE

Agri. land. 15 Bighas 10 Biswas. Kh. Nos. 1052(1-12), 1054(4-16), 1057(4-16) and 1058(4-16) Vill. Khadipur, Delhi.

> NARINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, G-13, Central Revenues Building I. P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13A, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC, Acq.II/SR-II/8-81|6124.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Vill. Samepur. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the officer of the Registering office at on August 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—36—76GI/82

(1) Sh. Ram Nath S/o Pat Ram & Sher Singh S/o Dalpat for self & GA of Abhey Ram and Thamboo all R/o Vill Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Pushpa Rani W o Jagdish Lal R/o J/161-B, Rajouri Garden New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land, mg. 1 Bigha 5 Biswas, Vill. Samepur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
G-13A, Central Revenues, Building I. P. ESTATE,
New Delh<sup>2</sup>

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref No. ITC/Acq.IIS/II-II/8-81/6123/.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ianstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Ram Nath S/o Pat Ram & Sher Singh S/o Dalpat for self & GA of Sh, Abbey Ram & Thamboo all R/o Vill. Samepur, Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Balyant Kaur W/o Inder Jit Singh R/o 9704 Gali Neem Wali Nawab Ganj Pul Bangash, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land. Vill Samepur, Delhi Meg. 1 Bigha 11 Biswas.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
G-13, Central Revenues Building I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81|66024.—Whereas, I. NARINDER SINGH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Kadipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ch. Saroop Singh S/o Ch. Narain Singh R/o Vill. Kadipur, Delhi. (Transferor
- (2) Savitri Devi d/o Durga Dass R/o A-1-A, Rama Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Meg. 13 Bighas 4 Biswas, Kh. Nos. 670, 671, 672, 673 & 641 Vill. Kadipur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
G-13, Central Revenues Building I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13A, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. I.STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-81/8242,---Whereas, I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mpl. No. VIII 1105/1513-1 situated at Kali Akhunji, Frash Khana, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi August, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. Harnam Singh S/o Ram Ditta Mal
   Manohar Singh, Hari Singh, Harbans Singh Ss/o Harnam Singh all R/o VII/1513-1513|1
   (New) Kali Akhunji Frash Khana, Delhi.
   (Transferor)
- (2) Usha Khanna W/o Sudesh Cd. Ram Piyari W/o Lt. Sh. Ram Lubhaya, Sudesh Kumari W/o Raj Kumar R/o 3842, Shahganj, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D. S. Building Mpl. No. VII/1105/1513/1513-1(New) Gali Akhunji, Frash Khana, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
G-13, Central Revenues Building J. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/8-81/8227.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
D. S. House 18 situated at Road No. 62, Class 'D' Punjabi

D. S. House 18 situated at Road No. 62, Class 'D' Punjabi Bagh, Vill. Madipur, Delhi

(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been thranferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi August, 1981,

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Karanjit Kohli S/o Dhian Chand Kohli R/o Kothi No. 18 Road No. 62, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Avtar Singh S.'o Amar Singh / R/o 980 Hamilton Road, Kashmeri Gate, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D. S. House No. 18, Road No. 62, Class 'O' Pnjabi Bagh area of Vill. Madipur, Delhi Meg. 279.55 Sq. yds

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
G-13, Central Revenues Building I. P. Estate.
New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DEJ.HI

New Delhi, the19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-I-II/SR, 8-81[8254.—Whereas, I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, Patel Road situated at West Patel Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Delhi on August, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) P. S. Lamba, SS Lamba Ss/o Bhag Singh Lamba R/o I, Patel Road, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Motia Devi W/o T. D. Bagga, T. D. Bagga, Kishan Chand, Ashok Kumar Bagga Mahesh Kumar Bagga s/o T. D. Bagga R/o 8A/45, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11. No. 1, Patel Road, West Patel Nagar, New Delhi Meg. 1066 sq. yds.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
G-13, Central Revenues Building I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Dolhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-81/8227.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

K-3/7 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Chand Dewan S/o Shri Kanhiya Lal R/o C-11-A, MIG Flats Mayapuri, New Delhi at present R/o Kings on Canada through his GA and son-in-law Shri Prashunt Jain S/o Shri K. P. Jain, R/o C-11-A MIG Flats, Mayapuri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushalya alias Gurjit Kaur W/o S. Pritam Singh R o 1565-67, Church Road, Kashmiri Gate, Delhi and (2) Mrs. Harjit Kaur W/o S. Surinder Pal Singh R/o as above (3) Surinder Pal Singh S. Pritam Singh R o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. S. House No. K-3/7, Model Town, Delhi Mg. 272.2 Sq. vards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building
I.P. Estatc, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8298.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 26/9 situated at Fast Patel Nagar. New Delhl, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Registering Officer at Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sait. Daropti Devi W/o Shii Amir Chand R/o H No. 26/9, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mauji Ram S/o Shri Chandgi Ram R/o 44, Nai Mandi, Karnal (2) Singro Devi W/o Shri Lachhi Ram and Master Rajinder Kumar U.G. of his father R/o 5/3, Hanuman Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 26/9, Mg. 200 sq. yds, at East Patel Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building
I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. INC/Acq.fI/SR-I/8-81/8216.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

House No. 1-90 situated at Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeseld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Surjeet Singh S/o Shri Jagat Singh through his AG S. Nanak Singh Sawhney R/o K-20, Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)
(2) Shri Joginder Pal Gupta, Shri Jugal Kishore Gupta and Shri Manohar Lal Ss/o L. Sh. Hans Raj Gupta R/o J-90, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2½ Storeyed House No. J-90, Mg. 223.1/3 sq. yds. at Kirti Nagar, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building
I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

Seal:

37-76GI-82

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. LAC/Acq.11/SR-I/8-81/8292.--Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

XIII/1432-1433 situated at Fiaz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the exparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sint Shakunda Dang W/o L. Sh. Harkishan Dang, (2) Sini Suml Kumai Dang, Shri Mukesh Kumar Dang Ss o L. Harkishan Lal Dang, Smt Geeta Khera W o Rohit Kumar Khera R/o H-215, Phase-L. Ashok Vihar, Delhi.

(2) Suit. Prem Rani W o Shri Sher Singh, 1432-Diaz

Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi. (Trønsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Property Nos. XIII/1432-1433, Fiaz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building
LP. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Yakhri Ram Soo Shri Abliey Ram, R/o Vill. Nangli Poona, Delhi.

# (Transferor) (2) Shri Darshan Singh S/o Shri Jaswant Singh Bedi, R/o 4, 9c, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOK CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC. //Acq.II/SR-I/8-81/6067.—Whereas. I, NARINDAR SINGH,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill, Nangli Poona, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I buye reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas and 8 Biswas, Kh. Nos. 20/5, Village Nangli Poona, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II G-13A Central Revenues Building I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.f1/SR-I/8-81/6115.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 25 Block 'C' situated at New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Mohan Dua S/o L. Sh. Amar Singh, R/o H. No. 16, Road No. 28, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gopi Nath and Sh. Harish Kumar S/o Shri Chaman Lal R/o H. No. 120A, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 25, Block 'C', Mg. 206-2/3 sq. yds. New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building
I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S. —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 19th April 1982

Ref. 1AC/Acq.II/SR-II/8-81/6070.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-96 situated at Vill. Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rameshwar Dass Garg S/o Shri Ram Karan Dass Garg R/o No. Y-126, Loha Mandi, Mandi, Naraina, Phase No. II, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Raj Pal Madan and Subhash Chand Madan Ss/Shri Jagan Nath Madan R/o No. 10640/4, Jhandelwalan Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A-96, Mg. 213-11/18, Kh. No. 1610, Vill. Naraina, Inderpuri Colony, New Delhl.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building
I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81|6075.—Whereas, I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 137 situated at Hari Nagar, Delhi,

Kand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1)  $\alpha_k$  Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pritam Devi wd/o Naranjan Dass, through her S.P.A. Shri Ram Parkash s/o Naranjan Dass R/o Bahadurgarh, District Rohtak, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan s/o Kasturi Lal R/o A-93, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoval, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 137, Mg. 220 sq. yds. Kh. No. 2032, Khatauni No. 9, Hari Nagar, Delhi.

#### NARINDAR SINGH

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, I.P. Estate, New Delhi

Date: \_9-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/8-81/8291.--Whereas, 1, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. C-62 situated at Bali Nagar Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more hum fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disciosed by the transferee for the pu.poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely ...

- (1) Smt. Bi ala Vanti alias Bimla Vatti w o Sheri Lal R/o C-o3 Bali Nagar, New Delhi.
- (2) Raj Kaur, Paramjit Kour, Manjit Kaur all 17/0 Z/1-C, Rajouri Garden, New Delhi. (Tratisferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-62, Meg. 200 Sq. Yds., Bali Nagar area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, f.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION FANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/II/SR-I/8-81/8275.—Whereas I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl. No. 2098 situated at Chah Indara, M. C. Sen Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans'erred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Sunil Mohan as Regd. Genl. Snit, Bimla Devi R/o D-316, Defence Golony, New Delhi
- (2) Smt Kamal Gupta w/o Shri Inder Kumar Gupta R/o 2103, Chah Indara, H. C. Sen Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. 2098, Meg. 206 Sq. yds., Chah Indara, H. C. Sen Rooad, Delhi.

NARINDAR SINGH

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

#### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II8-81/6302,—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 60, Block 'D' situated at Fateh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

38—76GI-82

- (1) Shri Varinder Kaur Basali wd/o Gurbachan Singh Basali R/o 3/138, Subhas Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Tripto Saini w/o Hari Krishan Saini R/o 13-Type-II, Minto Road, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 60, Mcg. 180 Sq. yds. Block D' Fateh Nagar, New Delhi.

#### NARINDAR SINGH

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6110.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10, Block 'H' situated at Shivaji Park, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Tarsem Singh and Sarwan Singh sons of Gian Singh r/ 29-Q/5, Anand Prabat Indl. Area, Galf No. 4, New Rohtak Road, Delhi.
   (Transferor)
- (2) Smt. Kanta Jain w/o Satish Kumar Jain r/o H-123, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 10, Block 'H', 267 Sq. Yds., Shivaji Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

R/o

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Gujranwala Town, Part-I, G.T. Road, Delhi, (Transferor) (2) Ajit Brothers, 144 Gaffar Mkt., Karol Bagh, New

(1) Smt. Vecna Devi w/o Narain Dass

(2) Ajit Brothers, 144 Gaffar Mkt., Karol Bagh, New Delhi through Ajit Singh. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6234.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 1026 situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforcsaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1026, Lal Dora of Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 19-4-1982

#### FORM I.T.N.S.---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6109.—Whereas, J. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Razapur Kburd Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

- (1) Shri Khushi Kumar s/o Ram Chand R/o Hostsal.

  (Transferor)
- (2) Birejesh Kumar s/o Har Saroop R/o WZ-3, Badhela, Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land 13 Bighas 8 Biswas, Vill. Razapur Khurd, Delhi. Kh. Nos. 17/1(4-16), 3/1(3-15), 10(4-16).

NARINDAR SINGH

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition, Range-II
Delhi/New Delhi,

Date: 19-4-1982

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6268.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Ibrahimpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfor;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jogendra Kumar Swahney s/o Dewan Chand Sawhney R/o D-1/7, Rajouri Garden, New Delhi, 1/2 shure, Parshotam Lul Shyam Lal., Dharam Pal sons Durga Ram 1/2 share R/o A-1-A Rama Road, Adarsh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Babu Ram and Kesar Mal sons of Ram Rakha Mal R/o 146, Mukherjee Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 24 Bighas 1 Biswas, Kh. Nos. 781, 782, 811, 812, 813 and 814, Vill. Ibrahimpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/JI/SR-II/8-81/6342.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Asalatpur Khader, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalip Singh s/o Roop Ram, Dalpat Singh s/o Mohan Lal Hari Singh s/o Daya Ram, Kuria s/o Nand Ram, Mouji Ram s/o Kuria, Sukhbir Singh s/o Lekh Ram, Virender s/o Lalu Mir Singh s/o Het Ram R/o Vill. Asalatpur Khader, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhinder Singh s/o Rajbir Singh, Randhir Singh S/o as above, R/o C-25, Kirti Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri land Vill. Asalatpur Khader, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq./II/SR-I/8-81/8340.—Whereas J, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-1/5 situated at Rana Partap Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Swaran Lala w/o Amolak Dewan R/o No. A-1/5, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Dass s/o L. Sant Ram R/o 17/1040, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. A-1/5, Rana Partap Bagh, Delhi 200 Sq yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, J.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq./II/SR-I|8-81|8339.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XII/1751, 1752, 1753 situated at Sohan Ganj, S/Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduciton or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Siri khushi Ram s/o Lal Chand R/o No. F/14, Satayawati Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Kishore s/o Hardwari Lal R/o Mandi Sultanganj, Barout District Meerut, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. XII/1751, 1752, 1753 area 255 sq. yds. Sohan Ganj, S/Mandi, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8304.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

H. No. J-87 situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassi Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any locome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—39—76GI/82

(1) Shri Ram Chand Juneja s/o Ganesh Dass Juneja R/o 14, Ishwar Nagar, Okhla, New Delhi as father and Court guardian of her minor two sons Rayinder Kr. & Sanjoy.

(Transferor)

(2) M's, Parshotam Lal & Sons through its karta-Sh. Parshotam Lal Chauhan of 2428, Beadonpura, K. Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House on plot No. I-87, Mg. 277 sq. yds. Rajouri Garden, arca of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, I.P. Fstate, New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1982

Ref. No. IAC  $\Lambda$ cq./II/SR-I, 8-81/8306.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1041-B situated at Muftiwalan, Tiraha Bharam Khan Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Λugust 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concedenant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Har Bhajan Singh s/o (Master) Jagat Singh R/o 1041-B, Phatak Muftiwalan, Tiraha Barbam Khan Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Narayan Sharma son of Mahasukh Ram, Ram Babu Sharma, Puran Chand Sharma s/o Shiv Narayan Sharma R/o 4263, Bharonwali, Jogiwara, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1041/B, Muftiwalan, Tiraha Baharam Khan Darya Gani, New Delhi Mg. 200 sq. yds.

NARINDAR SINGH

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 20-4-1982 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No IAC/Acq.II/SR-1/8-81/8287.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing! H. No. 1352, Ward No. 10 situated at Bazar Chitli Kanwar,

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Babu Ram son of Lala Amor Singh R/o 786, Daiwara, Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Sabir & Mohd. Sadiq S/o Hafiz Abdul Bahid, R/o 1352, Bazar Chitli Kanwar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1352, Ward No. 10, Mg. 167 3q. Yds. Bazar Chitli Kanwar, Delhi.

#### NARINDAR SINGH

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition: Range-II Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Partap Singh s/o Roop Singh and Ramo Devi w/o Partap Singh R/o Vill. Kusum Khera, Teh. Haldwani, District Namital.

# (2) Shri Umila Devi Gupta w/o Harish Chandra Gupta II. No. 3643 Mori Gate, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/II/SR-I/8-81/8243. —Where  $w_s$  I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D.S. No. 7778 situated at

Ram Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One half portion of D.S. Bldg. No. 7778 Mg. 615.1/2 sq. ft. Ram Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
G-13A Central Revenues Building, I.P. Estate, New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTAȚE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC Acq/II/SR-II/8-81/6309.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri Land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

 Shri Chhaju Ram, Kali Ram, Dashrath sons of Shri Lakhi Ram R/o Vill. Burari, Delhi

(Transferor)

(2) Shi Vijay Kumar s/o Rati Ram Sharma R/o 330, Lucknow Road, Timar Pur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land meg. 1 Bigha 18 Biswas, Kh. No. 500/2 Vill. Burari, Delha.

NARINDAR SINGH

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-If
G-13A Central Revenues Building, I.P. Fstate, New Delhi

Date: 19-4-1982

<del>سے</del>

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8224.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/347 situated at Galj Rajan Khurd, Punja Sharif, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gopal Singh s/o Sadhu Singh R/o 1/347, Gali Rajan Khurd, Punja Sharif, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudershan Kathuria w/o Bal Kishan Kathuria R/o I/347, Gali Rajan Khurd, Punja Sharif, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1/347, Gali Rojan Khurd, Punja Sharif, Kashmere Gate, Delhi. Mg. 145 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC \cq.1I/SR-11 '8-81/6029.-Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Kadipur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

on Aug. 81 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I bureby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Ch. Saroop Singh S/o Sh. Narain Singh R/o Vill. Kadipur, Delhi.

a Transferor)

(2) Sh. Satish Chand S/o Banarshi Dass R/o 16 '73, Panjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Meg. 13 Bighas 4 Biswas, Vill. Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DEJ HI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6118.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at

Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:——

(1) Smt. Shakuntala wd/o Ved Parkash Sh. Siri Niwas & Ram Niwas sons of Shankar R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Pawan Kumar s/o Tilak Ram r/o 156, Part-II, Gujranwala Town, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Meg. 28 Bighas 5 Biswas in Vill, Burari, Delhi,

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6157.—Wherens, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6/93 situated at Shivaji Park, Delhi (and more fully described in the sche-

dule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
40—76GI/82

(1) Sh. Jagdish Chander Gujral son of Nanak Chand Gujral R/o 16/2 New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Lal and Dalip Kumar ss/o Ram Kishan R/o G-20/2A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C/93, Mg. 562.4 sq. yds. Shivaji Park, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-82

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8322.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 19, Block 'C' situated at

Cottage Read, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Aug 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Raj Kumar Bhasin S/o Bodh Raj through G.P.A. Ram Lubhaya Mal Bhasin S/o Dewan Chand R/o H-3/21, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Kumar Bansal, Vipin Kumar Bansal Ss/o Om Parkash Bansal R/o H-1/3, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 19, Block C on Cottage Road, Adarash Nagar, Delhi. 422 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/8-81/8316.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4540, 7/31 situated at

Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on Aug 81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Har Dayal Mathur, Jagdishwar Dayal Mathur S/o Ishwar Dayal R/o 4540, 7/31, Darya Ganj. Delhi.
  (Transferor)
- (2) Smt. Madanshri Jain w/o Naresh Chander Jain R/o 7/26, Darya Ganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 4540, 7/31, Darya Ganj, New Delhi 120 Sq. Yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6034.—Whereas, f, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. J-13/64 situated at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at on Aug. 81

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sureshat Khullar w/o L. Sh. Kailash Nath R/o 29, Hasting Square, New Delhi.

  (Transferor)
- (2) Shri Manmohan Singh Dasooza and Smt. Pritam Dasooza R/o Kankarbagh Road, Patna-800020 (Bihar). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective per whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. S. House on plot No. J-13/64, 200 sq. yds. at Rajouri Garden, Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8310.—Whereas, I, SRINDAR SINGH,

ing the competent authority under Section 269B of the home-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16, Block A-3 situated at

Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratio Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

on Aug 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Sh. Ram Baksh s/o Chandon Lal R/o 1/38, Roop Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shyam Sunder Singhania, Narotam Saran Singhania, Kishan Kumar Singhania all s/o Rai Singhania R/o A-3/16, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 16, Block No. A-3, Kh. Nos. 86, 88, 92, 93 to 106 Meg. 150 sq. yds. Satyawati Nagar, Delhi.

> NARINDAR SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-82

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 37, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th April 1982

G.I.R. No. A-107/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65/34 situated at Ram Lal Agnihotri Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amrit Lal.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Agarwal.

(Transferce)

- (3) 1. Shri Ashok Kumar Agarwal—Transferce.
  - 2. Shri S. K. Rai-Tenant
  - 3. Smt. Santosh Kumar-Tenant

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 to from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) facilitating the conmealment of any income of any vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing Corporation No. 65/34, situate at Ram Lal Agnihotri Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 5422, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-8-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 16-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.) the 7th April 1982

Ref. No. RAC.No. 9/82-83 Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shed situated at Gajuwaka Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on August, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Narella Kameswara Rao, S/o Suryanarayana 2.
   Narella Subramanyam, S/o Kameswara Rao 3.
   Narella Prasad S/o Kameswara Rao, Gollalapalem, Visakhapatnam.
- (Transferor)
  (2) Sri Bodepudi Hanumantha Rao, S/o Late Lingappa,
  Ashok Nagar, Hyderabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gajuwaka Village-S. No. 48/3 and 48/5-1045 sq. yards site and shed in it was registered with SRO, Visakhapatnam during the month of August, 1981 vide document No. 6701/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-82.